खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | शनिवार, 01 नवंबर, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-8 रु.| वर्ष-7 | अंक-298

परेश रावल की फिल्म द ताज स्टोरी से इतिहास की खामियां ताजा हुईं

ताजमहल का विवाद नहीं, यह मवाद है..!

परेश रावल की फिल्म द ताज स्टोरी पर चर्चा हो रही है। चर्चा हो रही है, लेकिन समाधान नहीं हो रहा है। इतिहास की गलतियों को सुधारने के बजाय इतिहास की गलतियों को सहने और स्वीकारने की सीख दी जा रही है। भारत के लोगों को समझ में नहीं आ रहा है कि ताजमहल का विवाद, विवाद नहीं, भारत के शरीर से रिसता मवाद है, जिसका इलाज समय पर हो जाना चाहिए। ताजमहल राजा जयसिंह के मंदिर या जमीन पर बना था, इससे किसी को इन्कार नहीं है, लेकिन देश की पीढ़ियों को समझाने की कोशिश की जा रही है कि शाहजहां ने जयसिंह से जमीन ली थी और उसके बदले में जयसिंह को चार महल दिए थे। यह कुतर्क खड़ा कर इतिहास पर कालिख पोतने का काम किया गया है। ताजमहल की ऐतिहासिक असलियत के पन्ने हम आगे खोलेंगे, अभी परेश रावल की फिल्म द ताज स्टोरी की बात करते हैं। किसी फिल्म से दर्शकों के एक वर्ग को नाराज करने के लिए प्रतिभा की जरूरत होती है। और फिल्म से हर वर्ग के सिनेमा प्रेमियों को

शुभ-लाभ सरोकार

नाराज करने के लिए विशेष प्रतिभा की जरूरत होती है। परेश रावल की कोर्टरूम ड्रामा द ताज स्टोरी, ठीक यही करने में कामयाब रही है। द ताज स्टोरी ने सबसे पहले सोशल मीडिया का ध्यान तब खींचा जब हिंदी फिल्म के मोशन पोस्टर में ताजमहल के गुंबद से भगवान शिव की मूर्ति निकलती दिखाई गई।

इतिहासकार पुरुषोत्तम ओक ने अपनी किताब में लिखा है कि ताजमहल के हिंदू मंदिर होने के कई सबूत मौजूद हैं। सबसे पहले यह कि मुख्य गुम्बद के किरीट पर जो कलश वह हिंदू मंदिरों की तरह है। यह शिखर कलश आरंभिक 1800 ईस्वी तक स्वर्ण का था और अब यह कांसे का बना है। आज भी हिंदू मंदिरों पर स्वर्ण कलश स्थापित करने की परंपरा है। यह हिंदू मंदिरों के शिखर पर भी पाया जाता है। इस कलश पर चंद्रमा बना है। अपने नियोजन के कारण चंद्रमा एवं कलश की नोक मिलकर एक त्रिशूल का आकार बनाती है, जो कि हिंदू भगवान शिव का चिह्न है। इसका शिखर एक उलटे रखे कमल से अलंकृत है। यह गुम्बद के किनारों को शिखर पर सम्मिलन देता है।

राजा जयसिंह के महल और मंदिर पर बनी थी मुमताज की कब्रगाह

महल इस्लामिक शब्द नहीं, फिर मुमताजमहल क्यों नहीं रखा नाम?

ताजमहल 1653 में बना, मुमताज की मृत्यु 1631 में ही हो गई थी

ताजमहल का निर्माण कार्य 1632 में शुरू हुआ और लगभग 1653 में इसका निर्माण कार्य पूर्ण हुआ। अब सोचिए कि जब मुमताज का इंतकाल 1631 में ही हो गया तो फिर उसे कहां दफनाया गया? स्पष्ट है कि मुमताज को ताजमहल में नहीं दफनाया गया। इससे यह भी स्पष्ट है कि ताजमहल को लेकर अंग्रेज, मुस्लिम और नस्लदूषित प्रगतिशील इतिहासकारों ने मनगढ़ंत कहानियां लिख कर पीढ़ियों को गुमराह किया। तथ्य यह है कि 1632 में हिंदू मंदिर को इस्लामिक स्वरूप देने का काम शुरू हुआ। 1649 में इसका मुख्य द्वार बना जिस पर कुरान की आयतें तराशी गईं। इस मुख्य द्वार के ऊपर हिंदू शैली का छोटे गुम्बद के आकार का मंडप है और अत्यंत भव्य प्रतीत होता है। आस पास मीनारें खड़ी की गई और फिर सामने स्थित फव्वारे को फिर से बनाया गया।

इतिहासकार पुरुषोत्तम ओक ने लिखा है कि मुमताज की मृत्यु के सात साल बाद जेए मांडेलस्लो के वॉयजेज एंड ट्रैवेल्स टू द ईस्ट इंडीज़ नाम से निजी पर्यटन के संस्मरणों में आगरा का तो उल्लेख किया गया है किंतु ताजमहल के निर्माण का कोई उल्लेख नहीं किया। टॉम्हरनिए के कथन के अनुसार 20 हजार मजदूर यदि 22 वर्ष तक ताजमहल का निर्माण करते रहते तो मांडेलस्लो उस विशाल निर्माण कार्य का उल्लेख अवश्य करता। ताज के नदी के तरफ के दरवाजे के लकड़ी के एक टुकड़े की एक अमेरिकन प्रयोगशाला में की गई कार्बन जांच से पता चला है कि लकड़ी का वह टुकड़ा शाहजहां के काल से 300 वर्ष पहले का है, क्योंकि ताज के दरवाजों को 11वीं सदी से ही मुस्लिम आक्रामकों द्वारा कई बार तोड़कर खोला गया है और फिर से बंद करने के लिए दूसरे दरवाजे भी लगाए गए हैं। ताज और भी पुराना हो सकता है। असल में ताज को सन् 1115 में अर्थात शाहजहां के समय से लगभग 500 वर्ष पूर्व बनवाया गया था। ताजमहल के गुम्बद पर जो अष्टधातु का कलश खड़ा है वह त्रिशूल आकार का पूर्ण कुंभ है। उसके मध्य दंड के शिखर पर नारियल की आकृति बनी है। नारियल के तले दो झुके हुए आम के पत्ते और उसके नीचे कलश दर्शाया गया है। उस चंद्राकार के दो नोक और उनके बीचोबीच नारियल का शिखर मिलाकर त्रिशूल का आकार बना है। हिंदू और बौद्ध मंदिरों पर ऐसे ही कलश बने होते हैं। कब्र के ऊपर गुंबद के मध्य से अष्टधातु की एक जंजीर लटक रही है। ▶10पर

सरदार पटेल की 150वीं जयंती पर पीएम मोदी ने दिलाई एकजुटता की शपथ

इतिहास सच हो, न कि कांग्रेस का गढ़ा हुआ पक्ष : पीएम मोदी

केवड़िया (गुजरात), 31 अक्टूबर (एजेंसियां)।

देश के पहले गृह मंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर गुजरात के केवड़िया में हुए भव्य आयोजन में उपस्थित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, हर ऐसी बात जो देश की एकता को कमजोर करती है। हर देशवासी को उससे दूर रहना है। यह राष्ट्रीय कर्तव्य है। यही सरदार साहब को सच्ची श्रद्धांजलि है। यही आज देश की जरूरत है। यही आज एकता दिवस का हर भारतीय के लिए संदेश भी है, संकल्प भी है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि इतिहास की संरचना झूठे और मनगढ़ंत कहानियों से नहीं बल्कि कठोर तथ्य और सत्य से होती है। यह देश का दुर्भाग्य है कि देश का इतिहास कांग्रेस के मनगढ़ंत पक्षों से भरा पड़ा है। सरदार पटेल की जयंती को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाया जाता है। आजादी के बाद देश की 550 से ज्यादा रियासतों को मिलाकर एकजुट भारत बनाने में सरदार पटेल की मुख्य भूमिका रही। केवड़िया के कार्यक्रम में पीएम मोदी ने परेड की सलामी ली जिसमें सेना और पुलिस की टुकड़ियों ने हिस्सा लिया। विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों के बाद पीएम मोदी ने अपने संबोधन में कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि सरदार साहब चाहते थे कि जैसे उन्होंने बाकी रियासतों का विलय किया, वैसे ही कश्मीर का विलय हो, लेकिन, पंडित नेहरू ने उनकी वह इच्छा पूरी नहीं होने दी। कश्मीर को अलग संविधान और अलग निशान से बांट दिया गया। कश्मीर पर कांग्रेस ने जो गलती की थी, उसकी आग में देश दशकों तक जलता रहा। पीएम मोदी ने कहा, आज हमारे देश की एकता और अंदरूनी सुरक्षा को घुसपैठियों से गंभीर खतरा है। दशकों से, विदेशी घुसपैठिए हमारे देश में घुस रहे हैं, इसके संसाधनों का इस्तेमाल कर रहे हैं, ▶10पर

पटेल चाहते थे कश्मीर का विलय, नेहरू ने होने नहीं दिया

भारत की एकता को कमजोर करने वाली बातों से दूर रहें

महिला क्रिकेट टीम की जूझारू खिलाड़ियों ने कर दिखाया

ऑस्ट्रेलिया को हराकर फाइनल में पहुंची महिला टीम

मुंबई, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)।

मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में गुरुवार का दिन भारतीय महिला क्रिकेट इतिहास के लिए स्वर्ण अक्षरों में लिखा जाएगा। भारत ने सात बार की चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को वर्ल्ड कप 2025 के दूसरे सेमीफाइनल में पांच विकेट से हराकर न सिर्फ फाइनल में जगह बनाई, बल्कि एक ऐसा मैच खेला जिसमें रिकॉर्ड्स की झड़ी लग गई। यह जीत भारतीय क्रिकेट के आत्मविश्वास, जज्बे और नए युग की पहचान बन गई। भारत के लिए अमनजोत कौर ने जैसे ही जीत का चौका लगाया, मैदान पर भारतीय महिला टीम के सदस्य खुशी से झूम उठे। जेमिमा और अमनजोत ने एक दूसरे गले लगा लिया और दोनों खिलाड़ी भावुकता से भर गईं।

17 साल की उम्र में इंटरनेशनल डेब्यू करने वाली जेमिमा रोड्रिग्स को टीम में कभी बेबी कहा जाता था, लेकिन गुरुवार को वही बेबी भारत की रीढ़ बनकर खड़ी रहीं। उन्होंने 127 रन की नाबाद पारी खेली और भारत को 339 रनों के मुश्किल लक्ष्य तक पहुंचाया। यह सिर्फ उनके करियर की नहीं, बल्कि महिला क्रिकेट इतिहास की सबसे शानदार पारियों में से एक थी। वह वर्ल्ड कप नॉकआउट में शतक लगाने वाली सिर्फ दूसरी बल्लेबाज बनीं। इससे पहले 2022 के फाइनल में इंग्लैंड की नैट स्किवर-ब्रंट (148) ने यह कमाल किया था।

ऑस्ट्रेलिया की महिला टीम, जिसने 2017 के बाद से किसी वर्ल्ड कप मैच में हार नहीं देखी थी, भारत के सामने घुटने टेक गई। ▶10पर

जेमिमा रोड्रिग्स ने किया कमाल, टीम भावना मुखर

भारत और चीन के व्यापारिक रिश्तों में फिर से आ रही गर्माहट

चीन ने भारत को रेयर अर्थ मैग्नेट्स आयात की मंजूरी दी

नई दिल्ली, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)।

चीन और अमेरिका के बीच चल रहे ट्रेड वॉर के बीच चीन ने भारत की कुछ कंपनियों को रेयर अर्थ मैग्नेट्स इंपोर्ट करने की इजाजत दे दी है। ये मैग्नेट्स ऑटोमोटिव और इलेक्ट्रॉनिक्स सेक्टर के लिए बेहद जरूरी हैं। ये इलेक्ट्रिक वाहनों और हाई-टेक प्रोडक्ट्स में इस्तेमाल होते हैं। लेकिन ये मंजूरी पहले लगाई गई पाबंदियों के बाद आई है। इंपोर्ट पर सख्त शर्तें भी हैं. इनका इस्तेमाल डिफेंस में नहीं हो सकता और न ही इन्हें अमेरिका को एक्सपोर्ट किया जा सकता है।

सरकार ने बताया कि कुछ भारतीय कंपनियां चीन से रेयर अर्थ मैग्नेट्स इंपोर्ट करने की मंजूरी पा चुकी हैं। ये मैग्नेट्स ऑटोमोटिव और इलेक्ट्रॉनिक्स इंडस्ट्री के लिए हैं। विदेश मंत्रालय के स्पोक्सपर्सन रणधीर जायसवाल ने कहा कि चीन ने पहले इनकी बिक्री रोक दी थी, लेकिन अब लाइसेंस जारी हो गए हैं। उन्होंने कहा, अमेरिका और चीन के बीच हाल की बातचीत और रिलैक्सेशन का हमारे यहां क्या असर होगा, ये देखना बाकी है। मैं टेक्निकल डिटेल्स से वाकिफ नहीं हूं, लेकिन हां, भारतीय कंपनियों को चीन से रेयर ▶10पर

रूसी तेल कंपनियों पर लगे अमेरिकी प्रतिबंधों का बुरा असर

अमेरिका और अबू धाबी से कच्चा तेल खरीदने लगीं भारतीय कंपनियां

नई दिल्ली, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)।

रूस की तेल कंपनियों पर अमेरिकी प्रतिबंधों के बाद भारत की सरकारी रिफाइनरी कंपनियों ने अब अमेरिका और अबू धाबी से कच्चा तेल खरीदना शुरू कर दिया है। इंडियन ऑयल और एमआरपीएल ने नए अनुबंध किए हैं। देश की सरकारी रिफाइनरी कंपनियां अब रूस के बजाय अमेरिका और अबू धाबी से कच्चा तेल खरीदने पर जो दे रही हैं। इंडियन ऑयल अमेरिका से और तेल की मांग कर रही है। मैंगलोर रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स (एमआरपीएल) ने भी अबू धाबी से कच्चा तेल खरीदा है। पिछले हफ्ते अमेरिका ने रूस के दो शीर्ष उत्पादकों पर प्रतिबंध दिया था। इससे कई घरेलू कंपनियों ने रूसी तेल के लिए नए ऑर्डर रोक दिए हैं। घरेलू सरकारी कंपनियां अब रूस के

बजाय और कुछ विकल्प के लिए हाजिर बाजार का रूख कर रही हैं। एमआरपीएल ने दिसंबर में रूसी आपूर्ति की भरपाई के लिए एक निविदा के जरिये ग्लेनकोर से 20 लाख बैरल अबू धाबी मुरबन क्रूड खरीदा है। रिफाइनर हर महीने हाजिर बाजारों का इस्तेमाल करेगी और अपने स्थायी आपूर्तिकर्ताओं से अतिरिक्त आपूर्ति की मांग करेगी। प्रतिबंधों के जोखिम से बचने के लिए रूस से तेल आयात करने से कंपनियां परहेज कर रही हैं। हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन-मित्तल एनर्जी ने कहा, उसने भी रूसी तेल खरीदना बंद कर दिया है। इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन ने 2026 की पहली तिमाही के लिए अमेरिका से 2.4 करोड़ बैरल तेल के लिए प्रारंभिक बोलियां आमंत्रित की हैं। इस निविदा में कम सल्फर और उच्च सल्फर दोनों प्रकार के कच्चे तेल के कार्गो की मांग की गई है। इंडियन ऑयल बाजार का आकलन करने और अमेरिका से तेल खरीदने की स्थिति में विक्रेताओं का चयन करने पर विचार कर रही है। निविदा शुक्रवार को बंद हो जाएगी। इंडियन ऑयल ने बुधवार को एक निविदा के जरिए एक्सॉन मोबिल से 20 लाख बैरल पश्चिम अफ्रीकी कच्चा तेल खरीदा। यह खरीद दिसंबर डिलीवरी के लिए अंगोला से मोंडो और नाइजीरिया से उटापेट के लिए थी। ▶10पर

2020 के दिल्ली दंगों पर बड़ा खुलासा

देश की संप्रभुता को चुनौती देने का मकसद था

नई दिल्ली, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)।

वर्ष 2020 के दिल्ली दंगों के मामले में दिल्ली पुलिस ने सुप्रीम कोर्ट को अहम खुलासा किया है। पुलिस ने बताया कि राष्ट्रीय राजधानी में हुई हिंसा अचानक नहीं हुई थी, बल्कि यह भारत की संप्रभुता को कमजोर करने के उद्देश्य से रची गई संगठित साजिश का हिस्सा थी। यह जानकारी 177 पन्नों के हलफनामे में दी गई, जो छात्र नेता उमर खालिद, शरजील इमाम और अन्य आरोपियों की जमानत याचिकाओं के जवाब में प्रस्तुत किया गया।

पुलिस का कहना है कि जांचकर्ताओं ने प्रत्यक्षदर्शियों और तकनीकी साक्ष्यों को जोड़कर यह साबित किया कि दंगे सांप्रदायिक आधार पर सुनियोजित तरीके से भड़काए गए। यह योजना नागरिकता (संशोधन) अधिनियम (सीएए) के खिलाफ विरोध को हथियार बनाने और भारत की अखंडता पर प्रहार करने के लिए बनाई गई थी। हलफनामे में कहा गया कि यह हिंसा अकेली घटना नहीं थी, बल्कि उत्तर प्रदेश, असम, पश्चिम बंगाल, केरल और कर्नाटक जैसे अन्य राज्यों में भी इसी पैटर्न में फैल गई थी। ▶10पर

पाकिस्तान सीमा पर बड़ा सैन्य जमावड़ा

शुरू हुआ तीनों सेना का त्रिशूल युद्धाभ्यास

नई दिल्ली, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)।

भारत ने पाकिस्तान सीमा के पास ऑपरेशन त्रिशूल नामसे अब तक का सबसे बड़ा संयुक्त युद्धाभ्यास शुरू किया है। 10 नवंबर तक चलने वाले इस अभ्यास में तीनों सेनाओं के 25 हजार से ज्यादा जवान शामिल हुए हैं। ऑपरेशन सिंदूर के बाद यह पहला मौका है जब भारत किसी सामरिक चुनौती से निपटने के लिए युद्ध के सभी संभावित क्षेत्रों में अपने युद्धकौशल का परीक्षण कर रहा है। राजस्थान और गुजरात के सीमाई इलाकों में इस अभ्यास को एक चेतावनी के तौर पर देखा जा रहा है कि यदि पाकिस्तान ने इस बार हिमाकत की तो जवाब सीमा पार तक जाएगा। भारत यह रणनीतिक संदेश देना चाहता है कि वह सीमाओं की सुरक्षा पर किसी भी चुनौती से निपटने के लिए तैयार है। 10 नवंबर तक चलने वाले इस अभ्यास में तीनों सेनाओं के 25 हजार से ज्यादा जवान शामिल हुए हैं।

राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) का घोषणा-पत्र जारी

वादा निभाता है एनडीए कहकर खोला वादों का पिटारा

पटना, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)।

राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) ने अपना घोषणापत्र जारी कर दिया है। एनडीए के सभी घटक दलों के प्रमुख नेताओं ने मिलकर संकल्प पत्र 2025 के नाम से घोषणा पत्र जारी किया। सीएम नीतीश कुमार, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी, चिराग पासवान और सांसद उपेंद्र कुशवाहा, बिहार भाजपा के चुनाव प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान, भाजपा अध्यक्ष दिलीप जायसवाल, जदयू के कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा की मौजूदगी में जारी किए गए घोषणा पत्र को विकसित बिहार का ब्लू प्रिंट बताया गया।

घोषणा पत्र के बारे में जानकारी देते हुए सम्राट चौधरी ने कहा कि बिहार की जनता अब केवल विकास जानती है। उन्हें पता है कि पीएम मोदी और सीएम नीतीश कुमार के नेतृत्व में कितना विकास हुआ है। अगले पांच साल में बिहार को एक औद्योगिक हब के रूप में डेवलप किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हमलोगों ने युवा, महिला, गरीब, दलित, अति पिछड़ों पर फोकस किया। ▶10पर

बलोचिस्तान के 12 जिले सूखाग्रस्त, प्रांतीय सरकार को एहतियाती कदम उठाने की सलाह

रावलपिंडी, 31 अक्टूबर (एजेंसियां) ।

पाकिस्तान मौसम विज्ञान विभाग (पीएमडी) ने बलोचिस्तान प्रांत के 12 जिलों को सूखे की निगरानी में रखा है। पीएमडी ने प्रांतीय सरकार को सूखाग्रस्त जिलों में एहतियाती कदम उठाने की सलाह दी है। विभाग का आकलन है कि पश्चिमी और दक्षिण-पश्चिमी बलोचिस्तान में सूखे की स्थिति और बिगड़ सकती है। चगाई, ग्वादर, केच, खारन, मस्तुंग, नुश्की, पिशिन, पंजगुर, किला अब्दुल्ला, क्वेटा और वाशुक जिलों में सूखे का सबसे अधिक प्रभाव है। इसलिए इन जिलों को सूखा निगरानी में रखा गया है। डान अखबार की बलोचिस्तान के सूखे पर केंद्रीय रिपोर्ट के अनुसार, पीएमडी मानता है कि बलोचिस्तान की जलवायु शुष्क से लेकर अर्ध-शुष्क है। इसकी विशेषता अत्यधिक परिवर्तनशील वर्षा, अत्यधिक तापमान में उतार-चढ़ाव और लंबे समय तक सूखा रहना है। प्रांत के दक्षिण-पश्चिमी और दक्षिणी हिस्से मुख्यत: शुष्क हैं, जहां ग्रीष्मकालीन मानसून का प्रभाव बहुत कम होता है। पश्चिमी और दक्षिण-पश्चिमी बलोचिस्तान के अधिकांश जिले सर्दियों की वर्षा पर निर्भर हैं, जहां वार्षिक वर्षा 71 से 231 मिलीमीटर के बीच होती है। इस साल इन क्षेत्रों में मई से अक्टूबर की अवधि के दौरान सामान्य से कम वर्षा (-79 प्रतिशत) दर्ज की गई है। इसके अलावा, लगातार शुष्क अवधि बढ़ी है। यह पूरे क्षेत्र में लंबे समय तक सूखे की स्थिति का संकेत देती है।

वर्षा की यह महत्वपूर्ण कमी सूखे की स्थिति पैदा कर सकती है। इन क्षेत्रों में वर्षा में कमी और लगातार शुष्क दिनों का सारांश पीएमडी रिपोर्ट में दिया गया है। जलवायु चक्र और नवंबर से जनवरी 2026 तक के मौसमी पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए इन क्षेत्रों में सामान्य से कम वर्षा और सामान्य से अधिक तापमान रहने की संभावना है। पीएमडी का कहना है कि मौजूदा शुष्क परिस्थितियों के कारण कृषि क्षेत्र में जल संकट पैदा होने की आशंका है। इसका मुख्य कारण रबी फसलों के लिए सिंचाई जल की सीमित उपलब्धता है। मौसम विज्ञान कार्यालय ने सभी संबंधित हितधारकों को कृषि, पशुधन और आजीविका पर संभावित प्रभावों को कम करने के लिए एहतियाती उपाय करने की और जिला समन्वय समितियों के माध्यम से उभरते सूखे की स्थिति पर कड़ी निगरानी रखने की सलाह दी है।

न्यूज ब्रीफ

चीन से राफेल को टक्कर देने वाला लड़ाकू विमान खरीदने को तैयार इंडोनेशिया, रक्षा विशेषज्ञ उठा रहे सवाल

जकार्ता। इंडोनेशिया के एक अधिकारी ने खुलासा किया है कि उनका देश कम से कम 42 चीनी जे-10सी लड़ाकू विमान खरीदने का इच्छुक है, चीन के इस लड़ाकू विमान को राफेल से टक्कर लेने वाला बताया जाता है। यह चौंकाने वाला है क्योंकि इंडोनेशिया पहले ही इन विमानों में भी रुचि दिखा चुका है। इंडोनेशिया ने तुर्की से कान पांचवीं पीढ़ी का लड़ाकू विमान (समझौते पर दस्तखत भी किए हैं)। वहीं दक्षिण कोरिया से केएफ-21 बोरामे, और अमेरिका से एफ-15 ईएक्स ईगल सेंकड खरीदने की इच्छा जता चुका है। इंडोनेशियाई वायु सेना पहले से ही लॉकहीड-मार्टिन एफ-16 मल्टी रोल फाइटर जेट इस्तेमाल कर रही है। इसके अलावा उसके पास रूसी सुखोई एसयू-27/30, दक्षिण कोरियाई केएआई टी-50 हल्के लड़ाकू विमान और पुराने बीएई हॉक हल्के हमलावर विमान/प्रशिक्षक भी हैं। लेकिन ये सभी विमान अब पुराने हो चुके हैं और सरकार की कोशिश देश के लिए नये विमान खरीदने की है। इस बीच इंडोनेशिया, फ्रांस से भी 42 राफेल फाइटर जेट खरीद रहा है, जिसकी डिलीवरी जल्द शुरू होने वाली है। इसीलिए सवाल ये भी हैं कि क्या वहां चीनी और फ्रांसीसी लड़ाकू विमान एक साथ ऑपरेट कर पाएगा अब उठ रहे सवाल हैं कि क्या इंडोनेशिया सिर्फ समझौते कर रहा है या वाकई खरीद करेगा, क्योंकि पैसे की कमी है चीन के साथ दक्षिण चीन सागर विवाद होने पर चीनी विमान खरीदना कितना समझदारी भरा है क्या वह चीनी और फ्रांसीसी (राफेल) लड़ाकू विमानों को एक साथ ऑपरेट कर पाएगा अलग-अलग जेट खरीदने से ऑपरेशन संभालना (अलग-अलग मिसाइलें, नेटवर्क इंटीग्रेशन) मुसीबत बन जाएगा।

गंजेपन की समस्या से निजात दिलाने लाया गया...............हेयर ग्रोथ सीरम

ताईपे। अगर आप गंजेपन से परेशान हैं और हर नए प्रोडक्ट को आजमाने के बाद निराश हो चुके हैं, तब यह खबर आपके लिए जरुरी है। हाल ही में वैज्ञानिकों ने एक ऐसा हेयर ग्रोथ सीरम तैयार किया है, जिसके बारे में दावा किया गया है कि यह सिर्फ 20 दिनों में गंजी खोपड़ी पर बाल उगाने की ताकत रखता है। यह सीरम नेचर जर्नल में प्रकाशित एक शोध का हिस्सा है। यह एक रब-ऑन सीरम है, जिसे सीधे सिर की त्वचा पर लगाया जाता है। इसमें प्राकृतिक फैटी एसिड का इस्तेमाल किया गया है, जो त्वचा की वसा कोशिकाओं को सक्रिय करता है। ये सेल्स बालों के रोम को पुनर्जीवित करती हैं, जिससे नए बाल उगने लगते हैं। दरअसल गंजेपन की समस्या तब होती है जब बालों के रोम निष्क्रिय हो जाते हैं या मर जाते हैं। यह सीरम उन निष्क्रिय रोमों को फिर से सक्रिय करता है। वैज्ञानिकों ने चूहों पर सीरम का परीक्षण किया, जिसमें 20 दिनों के भीतर बालों की ग्रोथ देखी गई। यह सीरम बालों की जड़ों में ब्लड सर्कुलेशन को बढ़ाता है, जिससे पोषण बेहतर तरीके से पहुंचता है।

ट्रंप ने पेंटागन को करीब 33 साल बाद फिर से परमाणु परीक्षण शुरू करने का आदेश दिया

पेंटागन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पेंटागन को करीब 33 साल बाद फिर से परमाणु परीक्षण शुरू करने का आदेश दिया है। वहीं एशिया दौरे से वापसी के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति ने इस मामले में मीडिया से बातचीत भी की। राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा, लगता है कि ये सभी परमाणु परीक्षण कर रहे हैं। हमारे पास किसी से भी ज्यादा परमाणु हथियार हैं। हम परीक्षण नहीं करते, लेकिन जब दूसरे परीक्षण कर रहे हैं, तो लगता है कि हमारे लिए भी ऐसा करना उचित है। हालांकि, ट्रंप ने यह नहीं बताया कि अमेरिकी परमाणु परीक्षण कब और कहां होंगे, बस इतना कहा, हमारे पास परीक्षण स्थल हैं। इसकी घोषणा की जाएगी। वहीं अमेरिकी राष्ट्रपति से जब पूछा गया कि क्या उन्हें इस बात की चिंता है कि अमेरिका एक जोखिम भरे परमाणु वातावरण में प्रवेश कर रहा है, इस पर उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि हमने इसे काफी अच्छी तरह से निपटाया है। ट्रंप ने कहा, मैं परमाणु निरस्त्रीकरण देखना चाहूंगा। हम इस बारे में रूस से बात कर रहे हैं और सब ठीक रहा तो चीन भी इसमें शामिल हो जाएगा। कांग्रेसनल रिसर्च सर्विस की अगस्त में आई एक रिपोर्ट में कहा गया था कि राष्ट्रपति के आदेश के बाद अमेरिका को परमाणु हथियार का परीक्षण करने में 24 से 36 महीने लगेंगे। हाल के वर्षों में केवल उत्तर कोरिया ने ही परमाणु परीक्षण किया हैं ।

माइक्रोवेव में खाना गर्म करने से कैंसर का कोई प्रमाण नहीं

वाशिंगटन, 31 अक्टूबर (एजेंसियां) ।

विश्व स्वास्थ्य संगठन और विभिन्न कैंसर रिसर्च संस्थानों के अनुसार, माइक्रोवेव में खाना गर्म करने से कैंसर का कोई वैज्ञानिक प्रमाण नहीं है। माइक्रोवेव रेडिएशन केवल खाने को गर्म करने के लिए होता है और यह खाने में रेडियोएक्टिविटी नहीं पैदा करता। लेकिन कुछ गलतियों से स्वास्थ्य पर असर पड़ सकता है। सबसे जरूरी है कि माइक्रोवेव में हमेशा माइक्रोवेव सेफ बर्तनों का इस्तेमाल किया जाए। गलत बर्तन, जैसे कुछ प्लास्टिक कंटेनर, गर्म होने पर हानिकारक केमिकल छोड़ सकते हैं। एल्यूमिनियम फॉयल या किसी भी तरह के धातु के बर्तन कभी माइक्रोवेव में न डालें। विशेष रूप से प्रेग्नेंट महिलाओं को प्लास्टिक बर्तनों से बचना चाहिए क्योंकि इनमें मौजूद केमिकल शरीर में जाकर स्वास्थ्य पर नकारात्मक असर डाल सकते हैं। इसके बजाय कांच या सिरेमिक के बर्तन अधिक सुरक्षित माने जाते हैं। कई लोग मानते हैं कि माइक्रोवेव में खाना गर्म करने से पोषक तत्व नष्ट हो जाते हैं।

विशेषज्ञ बताते हैं कि पोषक तत्वों का नुकसान माइक्रोवेव में उतना ही होता है जितना स्टोव या उबालने में। सही तापमान और समय पर खाना गर्म करने से पोषण सुरक्षित रहता है। इसके अलावा, खाना ज्यादा देर तक माइक्रोवेव में गर्म करना न केवल स्वाद और पोषण को प्रभावित करता है, बल्कि बर्तन और ओवन को भी नुकसान पहुंचा सकता है। खाना गर्म करते समय ढक्कन को पूरी तरह बंद न करें; हल्का खुला रहने से भाप बाहर निकल जाती है और डब्बा फटने या ओवरफ्लो होने का खतरा कम होता है। ओवन की सफाई और समय-समय पर उसकी जांच करना भी जरूरी है। खराब माइक्रोवेव या गंदे ओवन में खाना गर्म करना स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है।

संक्षेप में, माइक्रोवेव में खाना गर्म करना पूरी तरह सुरक्षित है, बशर्ते आप सही बर्तन का उपयोग करें, समय और तापमान का ध्यान रखें, और ओवन को साफ-सुथरा रखें। इन सरल सावधानियों के साथ आप माइक्रोवेव का फायदा उठा सकते हैं और स्वास्थ्य जोखिम से बच सकते हैं। बता दें कि समय में माइक्रोवेव हर घर की रसोई का अहम हिस्सा बन गया है। ऑफिस, घर या होटल हर जगह इसका इस्तेमाल बढ़ गया है। खासकर सर्दियों में, जब खाने को जल्दी और आसानी से गरम करने की जरूरत होती है, माइक्रोवेव बेहद काम आता है। हालांकि, कई लोगों में यह धारणा है कि माइक्रोवेव से निकलने वाला रेडिएशन खाने को रेडियोएक्टिव बना सकता है और इससे कैंसर जैसी गंभीर बीमारियां हो सकती हैं।

ध्वनि तरंगों का उपयोग कर पढ़ा जा सकेगा इंसानों के विचारों को

सैन फ्रांसिस्को। अब बिना किसी सर्जरी के काम करने वाला ब्रेन-कंप्यूटर इंटरफेस (बीसीआई) विकसित किया जा रहा है । इस मर्ज लैब्स नामक नए स्टार्टअप का समर्थन ओपनएआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन कर रहे हैं। इस तकनीक में ध्वनि तरंगों और चुंबकीय क्षेत्रों का उपयोग करके इंसानों के विचारों को पढ़ा और समझा जा सकेगा। यह कदम ऑल्टमैन को एलन मस्क की न्यूरालिंक कंपनी के मुकाबले खड़ा करता है, जहां मस्तिष्क में इलेक्ट्रोड लगाने के लिए ओपन-स्कल सर्जरी की आवश्यकता होती है। मर्ज लैब्स का तरीका अल्ट्रासाउंड और जेनेटिक इंजीनियरिंग पर आधारित है, जिससे मस्तिष्क और मशीन के बीच संवाद स्थापित करना सुरक्षित और आसान हो जाएगा। कैलटेक के प्रसिद्ध बायोमॉलिक्युलर इंजीनियर मिखाइल शापिरो इस टीम का हिस्सा हैं। शापिरो अल्ट्रासाउंड और न्यूरल इमेजिंग में अपनी रिसर्च के लिए जाने जाते हैं और उन्होंने जीन थेरेपी पर भी बड़े स्तर पर काम किया है, जिससे कोशिकाओं को ध्वनि तरंगों और विजिबल तरंगों के प्रति संवेदनशील बनाया जा सकता है। इसके अलावा, टूल्स फॉर ह्यूमैनिटी के सीईओ एलेक्स ब्लानिया भी इस प्रोजेक्ट में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। मर्ज लैब्स का लक्ष्य रीड-ओनली मॉडल तैयार करना है, जिसमें एआई केवल मानव विचारों की व्याख्या करेगा लेकिन उन्हें बदल नहीं सकेगा। ऑल्टमैन पहले ही सार्वजनिक रूप से कह चुके हैं कि वह अपने मस्तिष्क में कुछ भी नहीं लगवाएंगे और उनका मकसद केवल पढ़ने के लिए इस तकनीक का उपयोग करना है। शापिरो ने पहले पब्लिक लेक्चर्स में भविष्य का चित्रण किया है, जहां अल्ट्रासाउंड तरंगों और जीन इंजीनियरिंग की मदद से मस्तिष्क की गतिविधियों को रिकॉर्ड या उत्तेजित किया जा सकता है। ताजा रिपोर्ट के अनुसार, मर्ज लैब्स 250 मिलियन डॉलर के फंडिंग राउंड की तैयारी कर रही है। ऑल्टमैन को को-फाउंडर के रूप में सूचीबद्ध किया जाएगा, हालांकि वह रोजमर्रा के काम में शामिल नहीं होंगे।

दुनिया के सबसे उम्रदराज राष्ट्राध्यक्ष बने पॉल बिया, कैमरुन की आठवीं बार संभालेंगे कमान

कैमरुन, 31 अक्टूबर (एजेंसियां) ।

आपको जानकार हैरानी होगी कि दुनिया के सबसे उम्रदराज राष्ट्राध्यक्ष पॉल बिया ने फिर कैमरून के राष्ट्रपति चुनाव में धमाकेदार जीत दर्ज करके पूरी दुनिया को चौंका दिया है। चुनाव परिणामों की आधिकारिक घोषणा के बाद उन्हें देश का विजेता और निर्वाचित राष्ट्रपति घोषित किया गया। इस जीत के बाद पॉल बिया अपना आठवां कार्यकाल शुरू करने जा रहे हैं। अनुमान है कि मौजूदा कार्यकाल पूरा होने तक उनकी उम्र 100 वर्ष के करीब होगी।

रिपोर्ट के मुताबिक बिया को 53.66 फीसदी वोट मिले हैं, जबकि उनके पूर्व सहयोगी रहे विरोधी नेता तचिरोमा बेकरी को 35.19 प्रतिशत वोट मिले हैं। बिया वर्ष 1982 से कैमरून की सत्ता में हैं और अब तक वे अफ्रीका के सबसे लंबे समय तक शासन करने वाले नेताओं में से एक बन चुके है। उनकी यह ऐतिहासिक जीत फिर से दुनिया का ध्यान उनकी उम्र और नेतृत्व क्षमता की ओर आकर्षित किया है। आखिर कोई नेता 100 साल की उम्र के करीब होते हुए भी देश का नेतृत्व करेगा। यह अपने आप में एक अनोखी बात हो सकती है।

कैमरून में हुए राष्ट्रपति चुनाव के नतीजों ने फिर इतिहास रच दिया है। 92 वर्षीय पॉल बिया, जो 1982 से लगातार सत्ता में बने हैं उन्होंने फिर से राष्ट्रपति का चुनाव जीता है। पॉल बिया बीते 43 वर्षों से देश की बागडोर संभाले हुए हैं और उन्हें एक और कार्यकाल मिल गया है। पॉल बिया ने वर्ष 2008 में संविधान संशोधन के जरिए राष्ट्रपति पद की कार्यकाल सीमा समाप्त कर दी थी। इसकारण अब उन्हें अनिश्चितकाल तक चुनाव लड़ने का अधिकार मिल गया। तब से लेकर अब तक उन्होंने हर चुनाव में जीत हासिल की है और सत्ता पर अपनी मजबूत पकड़ बनाए रखी है।

विरोधी खेमा वोटों की गिनती में धांधली का आरोप लगा रहा है। 12 अक्टूबर को हुए चुनाव के दो दिन बाद ही तचिरोमा ने जीत का दावा किया था। उन्होंने वोटों की एक टैली दिखाकर कहा था कि उन्हें 54.8 प्रतिशत वोट मिले थे, जबकि पॉल बिया को 31.3 प्रतिशत वोट मिले थे।

नेपाल में लगातार बारिश और भूस्खलन के कारण 10 राजमार्गों पर आवाजाही ठप

काठमांडू। नेपाल में पिछले दो दिनों से लगातार हो रही भारी वर्षा के कारण देशभर में दस प्रमुख राजमार्ग पूरी तरह से अवरुद्ध हो गए हैं। ईलाम में मेची राजमार्ग पर रात के समय वाहनों की आवाजाही पर प्रतिबंध लगा दिया गया है, जिससे यातायात पूरी तरह से ठप हो गया है। यह जानकारी ईलाम पुलिस प्रमुख एसपी एक नारायण कोईराला ने दी। इसी प्रकार, संखुवासभा के भोटखोला क्षेत्र में कोशी राजमार्ग पूरी तरह से बंद है। पाँचथर में तामोर कॉरिडोर सड़क भी लगातार वर्षा के कारण पूरी तरह अवरुद्ध हो गई है। गृह मंत्रालय की तरफ से दी गई जानकारी के मुताबिक ओखलढुंगा जिले में सिद्धिचरण राजमार्ग बंद पड़ा है। बागमती प्रदेश में काभ्रे स्थित बीपी राजमार्ग, रसुवा में पासाङ ल्हामु राजमार्ग और नेपाल-चीन को जोड़ने वाली सड़क तथा सिन्धुली में मध्य-पहाड़ी राजमार्ग भूस्खलन और बाढ़ के कारण अवरुद्ध हो गए हैं। गण्डकी प्रदेश में मुस्तांग का जोमसोम-कोरला सड़क मार्ग और म्याग्दी का बेनी-दारबाङ सड़क भी पूरी तरह बंद हैं।

जेन जी विद्रोह के बाद एक हजार से अधिक पुलिस वालों ने नौकरी से दिया इस्तीफा

काठमांडू, 31 अक्टूबर (एजेंसियां) ।

नेपाल में जेन जी विद्रोह के बाद पुलिस के अधिकारियों और जवानों के सुरक्षा बल से इस्तीफा देने वालों की संख्या में अचानक ही बढ़ोतरी देखी गई है। नेपाल पुलिस और सशस्त्र पुलिस बल (एपीएफ) से पिछले दो महीनों के भीतर लगभग एक हजार सुरक्षाकर्मियों ने इस्तीफा दे दिया है। नेपाल पुलिस के करीब 450 और एपीएफ के लगभग 550 अधिकारियों और जवानों ने इस्तीफा दिया है। इस्तीफा देने वालों में कुछ ने 20 वर्षों की सेवा पूरी की है तो कुछ ने मात्र 5 वर्षों तक ही सेवा की थी। सुरक्षा निकाय के अधिकारियों का कहना है कि जेन-जी प्रदर्शन के बाद इस्तीफा देने वालों की संख्या काफी बढ़ी है। 8 सितंबर को किए गए जेन जी प्रदर्शन के दौरान पुलिस द्वारा गोली चलाए जाने से 22 युवा/विद्यार्थियों की मौत हो गई थी, जिसके अगले दिन देशभर में हिंसात्मक प्रदर्शन फैल गया। इस दौरान सुरक्षा निकाय के कार्यालय और बैरक प्रदर्शनकारियों के निशाने पर थे। उसी दिन नेपाल पुलिस के 1,200 से अधिक हथियार लूट लिए गए थे और करीब 1 लाख राउंड गोलियों का रिकॉर्ड नहीं मिला है। 9 सितंबर को प्रदर्शनकारियों की पिटाई से 3 पुलिसकर्मियों की मौत हुई थी। काठमांडू के बानेश्वर वृत्त में तैनात एक पुलिसकर्मी को प्रदर्शनकारियों ने वर्दी उतरवा कर दौड़ाया था।

नेपाल पुलिस के प्रवक्ता डीआईजी विनोद घिमिरे के अनुसार, घरेलू और व्यक्तिगत कारणों का हवाला देते हुए रोजाना पुलिसकर्मियों द्वारा इस्तीफे आ रहे हैं। इस्तीफा देने वालों में ज्यादातर निचले स्तर के कर्मचारी शामिल हैं।

घिमिरे ने बताया कि जेन-जी आंदोलन के बाद की स्थिति ने भी सुरक्षाकर्मियों का मनोबल गिराया है और यह इस्तीफों का एक प्रमुख कारण बन रहा है। इसके अलावा, वैकल्पिक रोजगार की तलाश, पारिवारिक स्थिति और विदेश में नौकरी जैसे कारणों से भी इस्तीफों की संख्या लगातार बढ़ रही है।

पाकिस्तान और अफगानिस्तान मान गए युद्धविराम जारी रखने पर

अंकारा (तुर्किये), 31 अक्टूबर (एजेंसियां) ।

पाकिस्तान और अफगानिस्तान ने युद्धविराम जारी रखने पर सहमति जताई। दोनों देशों के प्रतिनिधिमंडलों के बीच इस्तांबुल में पिछले शनिवार को शुरू दूसरे दौर की वार्ता के विफल होने बाद मध्यस्थ देश कतर और तुर्किये ने प्रयास जारी रखे। मध्यस्थ देशों की कल (गुरुवार) आखिरी कोशिश के बाद दोनों पक्ष बातचीत की मेज पर आए। तुर्किये के विदेश मंत्रालय ने एक्स हैंडल पर संयुक्त बयान जारी कर पाकिस्तान और अफगानिस्तान के युद्धविराम जारी रखने पर सहमति जताने की जानकारी दी।

पाकिस्तान के अखबार डान की रिपोर्ट के अनुसार, इस नए दौर की वार्ता के मेजबान तुर्किये के विदेश मंत्रालय ने संयुक्त बयान जारी किया। इसमें कहा गया है कि अब छह नवंबर को इस्तांबुल में फिर अहम बैठक होगी। बैठक में युद्धविराम के कार्यान्वयन के आगे के तौर-तरीकों पर चर्चा और निर्णय लिया जाएगा। बयान के अनुसार, तब तक दोनों देश शांति बनाए रखने और युद्धविराम का उल्लंघन करने वाले पक्ष पर जुर्माना लगाने के लिए एक निगरानी और सत्यापन तंत्र स्थापित करने पर भी सहमत हुए।

बयान में कहा गया कि मध्यस्थ के रूप में तुर्किये और कतर ने दोनों पक्षों के सक्रिय योगदान के लिए अपनी सराहना व्यक्त की और दोनों देश स्थायी शांति और स्थिरता के लिए दोनों पक्षों के साथ अपना सहयोग जारी रखेंगे। सनद रहे तुर्किये और कतर के पाकिस्तान के साथ गहरे संबंध हैं। कतर अफगान तालिबान और नाटो बलों के बीच वार्ता में प्रमुख भूमिका निभा चुका है।

उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान और अफगानिस्तान के प्रतिनिधिमंडलों के बीच पिछले शनिवार को इस्तांबुल में दूसरे दौर की बातचीत शुरू हुई थी। इस्लामाबाद, काबुल से होने वाले आतंकवादी हमलों को मुद्दा बनाए रहा। काबुल बार-बार और जोर देकर इसे मानने से इनकार करता रहा। इस वजह से वार्ता में गतिरोध हुआ। चार दिन चली इस वार्ता के बाद पाकिस्तान के रक्षामंत्री ख्वाजा आसिफ सामने आए और उन्होंने काबुल को कड़ी चेतावनी दी। दोनों देशों के बीच 11 अक्टूबर को हुए संघर्ष के बाद लड़ाई छिड़ गई। आखिर में दोनों पक्ष दोहा में बातचीत के लिए एक साथ आए। परिणामस्वरूप एक अस्थायी युद्धविराम हुआ। इस दौरान दोनों देशों के बीच स्थायी शांति और स्थिरता के लिए तंत्र पर काम करने के संबंध में इस्तांबुल में फिर से मिलने का वादा हुआ। पिछले हफ्ते तुर्किये और कतर की मध्यस्थता में दोनों पक्षों के बीच दूसरे दौर की वार्ता इस्तांबुल में शुरू हुई।

धर्म पर संकट अल्पकालिक हो सकता है, स्थायी नहीं : उपराष्ट्रपति

वाराणसी, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)।
काशी एक बार फिर आस्था, संस्कृति और एकता के अद्भुत संगम की साक्षी बनी है। शुक्रवार को उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की उपस्थिति में श्री काशी नाटकोट्टाई संस्था के नए धर्मशाला भवन का उद्घाटन किया।

श्री काशी नाटकोट्टाई संस्था द्वारा 60 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित इस आधुनिक धर्मशाला भवन का लोकार्पण समारोह के संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि धर्म को कुछ समय के लिए संकट हो सकता है, लेकिन वह कभी स्थायी नहीं होता।

आज धर्म की विजय हुई है, यह इमारत उसी की साक्षी है। उन्होंने कहा कि 25 वर्ष पूर्व जब मैं काशी आया था, तब मैं मांसाहारी था। गंगा स्नान के बाद जीवन में इतना परिवर्तन आया कि मैंने शाकाहार अपना लिया। राधाकृष्णन ने कहा, 25 साल पहले की काशी और आज की काशी में जमीन-आसमान का अंतर है। यह परिवर्तन केवल दो कर्मयोगियों प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कारण संभव हुआ है। उन्होंने कहा कि जहां नाटकोट्टाई समूह सक्रिय होता है, वहां सेवा, धर्म और प्रगति साथ-साथ चलती है। यह भवन उसी भावना का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि यह धर्मशाला केवल एक इमारत नहीं, बल्कि उत्तर और दक्षिण भारत के सांस्कृतिक बंधन का नया अध्याय है। उन्होंने कहा कि तमिल और काशी के बीच सदियों से चले आ रहे रिश्तों को यह भवन और मजबूत करेगा। तमिल पंडित, कवि, भक्त ज्ञान की जिज्ञासा में काशी आते रहे। कंवर गुरु, महाकवि सुब्रमण्य भारती यहां बसे। काशी तमिल संगमम ने इसे और मजबूत किया। काशी की पवित्रता पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि 72 हजार मंदिर, कण-कण में शिव, हवा में गूंजता मंत्र ओम नमः शिवाय काशी की पहचान है।

सीपी राधाकृष्णन ने नाटकोट्टाई नगर क्षेत्रम धर्मशाला का लोकार्पण किया

उपराष्ट्रपति ने कहा कि 1863 में इस संस्था की स्थापना तमिलनाडु से काशी आने वाले भक्तों की सुविधा के लिए हुई थी और आज भी वही भावना जीवित है।

1942 के कर्फ्यू में भी शंभो प्रणाली नहीं रुकी। ये कम नहीं, अधिक देने वाले लोग हैं। नाटकोट्टाई समूह पराए के लिए जीता है। यह सिंगापुर, बर्मा, काशी जहां भी जाता है अपनी छाप छोड़ता है। उन्होंने अन्नपूर्णा देवी की मूर्ति की वापसी और काशी-तमिल संगमम जैसे आयोजनों का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री योगी के नेतृत्व में काशी का आध्यात्मिक पुनर्जागरण हो रहा है। आज हर ओर हर हर महादेव और गंगा मैया की जय की गूंज सुनाई दे रही है।

उन्होंने कहा कि जो समाज केवल अपने लिए नहीं बल्कि दूसरों के लिए भी जीता है, वही सच्चे धर्म का पालन करता है। उन्होंने कहा कि धर्मशाला में 76 सोलर लैंप (1.5 करोड़) ग्रीन एनर्जी का प्रतीक, इससे सालाना 25 लाख रुपए की बचत होगी।

सैमसंग इनोवेशन कैंपस में 1600 छात्रों ने लिया प्रशिक्षण

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ देंगे छात्रों को सर्टिफिकेट

गोरखपुर, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)।
उद्योग और सेवा क्षेत्र की मांग के अनुसार अद्यतन व्यावहारिक प्रशिक्षण के लिए सैमसंग इंडिया के सहयोग से संचालित सैमसंग इनोवेशन कैंपस के तहत गोरखपुर विश्वविद्यालय के 1600 विद्यार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया है। प्रशिक्षण प्राप्त विद्यार्थियों को शनिवार को प्रमाण पत्र का वितरण किया जाएगा। योगिराज बाबा गंभीरनाथ प्रेक्षागृह में आयोजित प्रमाण पत्र वितरण समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कुछ विद्यार्थियों को अपने हाथों से प्रमाण पत्र सौंपेंगे। इस अवसर पर विद्यार्थियों को सीएम योगी से मार्गदर्शन भी प्राप्त होगा।

सैमसंग इनोवेशन कैंपस प्रमाण पत्र वितरण समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में सैमसंग इंडिया के प्रेसिडेंट एवं सीईओ जेबी पार्क तथा इलेक्ट्रानिक्स सेक्टर स्किल्स काउंसिल आफ इंडिया के अध्यक्ष विनोद शर्मा की सहभागिता रहेगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. पूनम टंडन करेंगी। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के 1600 से अधिक विद्यार्थी, जिन्होंने सैमसंग इनोवेशन कैंपस के अंतर्गत प्रशिक्षण प्राप्त किया है, उन्हें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, बिग डेटा, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, कोडिंग एंड प्रोग्रामिंग जैसी भविष्य की प्रौद्योगिकियों में प्रमाण पत्र प्रदान किए जाएंगे। प्रशिक्षण कार्यक्रम इलेक्ट्रानिक्स सेक्टर स्किल्स काउंसिल आफ इंडिया के सहयोग से तथा स्वदेश (सोशल वेलफेयर एंड डेवलपमेंट फॉर इम्पावर्ड सोसाइटी) संस्था द्वारा विश्वविद्यालय परिसर में सफलतापूर्वक संचालित किया जा रहा है।

अब भी देश की मुख्य धारा से जुड़ नहीं पा रहा जम्मू-कश्मीर

छह साल में अन्य राज्यों के 631 लोगों ने खरीदी जमीन

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 31 अक्टूबर।
जम्मू कश्मीर के पुनर्गठन के छह साल के बाद भी देश के अन्य राज्यों के लोगों को जम्मू कश्मीर में जमीन जायदाद खरीदने में कोई दिलचस्पी नहीं है। यह सरकार द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों से स्पष्ट होता है कि पिछले 6 साल में मात्र 631 लोगों ने ही प्रापर्टी खरीदी है और इसमें से भी अधिकतर जमीनें जम्मू संभाग में खरीदी गई हैं। जबकि कश्मीर में सिर्फ औद्यौगिक इस्तेमाल के लिए जमीनें खरीदी गई हैं।

जम्मू कश्मीर सरकार ने खुलासा किया है कि अगस्त 2019 में अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद से 631 बाहरी लोगों, यानि केंद्र शासित प्रदेश के अनिवासियों ने जम्मू कश्मीर में जमीन खरीदी है। विधानसभा में विधायक शेख अहसान अहमद द्वारा प्रस्तुत अतारांकित सरकारी प्रश्न संख्या 286 के अनुसार, विवरण बताते हैं कि जम्मू कश्मीर में गैर स्थानीय लोगों द्वारा 130 करोड़ रुपए से अधिक मूल्य की जमीन का अधिग्रहण किया गया है।

जम्मू संभाग में सबसे अधिक बिकी जमीनें, कश्मीर पर अभी भी शक

सरकारी आंकड़ों के अनुसार, जम्मू क्षेत्र में 378 अनिवासियों ने 212 कनाल, 13 मरला और 128 वर्ग फुट जमीन खरीदी है, जिसका मूल्य लगभग 90.48 करोड़ रुपए है। वहीं, कश्मीर क्षेत्र में 253 अनिवासियों ने 173 कनाल और 7 मरला जमीन खरीदी है, जिसका कुल मूल्य 39.49 करोड़ रुपए है। यह खुलासा 5 अगस्त, 2019 के संवैधानिक परिवर्तनों के बाद गैर-निवासियों से जुड़े भूमि लेनदेन की आधिकारिक पुष्टि करता है, जिसने दशकों में पहली बार बाहरी लोगों को जम्मू कश्मीर में संपत्ति रखने की अनुमति दी। इससे पहले पिछले साल राज्यसभा को बताया गया था कि पिछले तीन वर्षों में जम्मू कश्मीर के बाहर के 185 लोगों ने केंद्र शासित प्रदेश में जमीन खरीदी है।

हालांकि, तत्कालीन केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने कहा था कि लद्दाख द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, केंद्र शासित प्रदेश में बाहरी लोगों द्वारा कोई जमीन नहीं खरीदी गई है। तब उन्होंने एक लिखित प्रश्न का उत्तर देते हुए कहा था जम्मू कश्मीर सरकार द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, वर्ष 2020, 2021 और 2022 के दौरान केंद्र शासित प्रदेश जम्मू कश्मीर के बाहर के कुल 185 लोगों ने केंद्र शासित प्रदेश में जमीन खरीदी है। उन्होंने बताया था कि 2020 में एक व्यक्ति ने, 2021 में 57 लोगों ने और 2022 में 127 लोगों ने जमीन खरीदी थी।

मुर्मु और शाह ने सरदार पटेल को श्रद्धांजलि अर्पित की, शाह ने एकता दौड़ को झंडी दिखाई

नई दिल्ली, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)।
राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने देश के पहले गृह मंत्री सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150 वीं जयंती पर शुक्रवार को यहां पटेल चौक स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

बाद में श्री शाह ने सरदार पटेल की जयंती 'एकता दिवस' के अवसर पर लोगों को देश की एकता और अखंडता के संकल्प की शपथ दिलाई और 'एकता दिवस दौड़' को झंडी दिखाकर रवाना किया। श्रीमती मुर्मु और श्री शाह ने सुबह साढे छह बजे यहां पटेल चौक स्थित सरदार पटेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। दिल्ली के उप राज्यपाल विनय कुमार सक्सेना और दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने भी सरदार पटेल की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

राष्ट्रपति ने श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद अपने संदेश में कहा , लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल के जन्म दिवस पर मैं सभी देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं देती हूं। सरदार पटेल एक महान देशभक्त, दूरदर्शी नेता और राष्ट्र-निर्माता थे, जिन्होंने अपने अटूट संकल्प, अदम्य साहस और कुशल नेतृत्व से देश के एकीकरण का ऐतिहासिक कार्य किया। उनकी कर्मनिष्ठा और राष्ट्रसेवा की भावना हम सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत है। आइए, 'राष्ट्रीय एकता दिवस' के अवसर पर हम सब एकजुट होकर, एक सशक्त, समरस और श्रेष्ठ भारत के निर्माण का संकल्प लें।

श्री शाह ने कहा , राष्ट्रीय एकता, अखंडता और किसानों के सशक्तीकरण के प्रतीक लौहपुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल जी का उनकी जयंती पर कृतज्ञ राष्ट्र की ओर से वंदन करता हूं।

सरदार साहब ने रियासतों का एकीकरण कर देश की एकता और सुरक्षा को सुदृढ़ बनाया और किसानों, पिछड़ों और वंचितों को सहकारिता से जोड़कर देश को स्वर-ोजगार और आत्मनिर्भरता की दिशा में अग्रसर किया। उनका दृढ़ विश्वास था कि देश के विकास की धुरी किसानों की समृद्धि में निहित है। वे आजीवन किसानों के कल्याण और उनके अधिकारों की रक्षा के लिए समर्पित रहे।

सरदार साहब ने जिस न्यायप्रधान और एकता के सूत्र में बंधे राष्ट्र का निर्माण किया, उसकी रक्षा करना हर एक राष्ट्रभक्त का दायित्व है।

बाद में श्री शाह ने यहां मेजर ध्यानचंद स्टेडियम में उपस्थित लोगों को देश की एकता और अखंडता के संकलप की शपथ दिलाई और एकता दिवस दौड़ को झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर केन्द्रीय शहरी आवास मंत्री मनोहर लाल, खेल और युवा मामलों के मंत्री मनसुख मांडविया, गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार, दिल्ली के उप राज्यपाल विनय कुमार सक्सेना, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता , अनेक जाने माने खिलाड़ी और कई गणमान्य व्यक्ति भी मौजूद थे।

आरएसएस पर फिर लगे प्रतिबंध : खड़गे

नई दिल्ली, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)।
कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर फिर से प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए क्योंकि देश में उसके और भारतीय जनता पार्टी की वजह से गड़बड़ियां हो रही हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह उनकी निजी राय है कि संघ पर प्रतिबंध लगाया जाये।

श्री खड़गे ने शुक्रवार को यहां एक संवाददाता सम्मेलन में एक सवाल के जवाब में कहा कि भाजपा और आरएसएस हमेशा देश के लिए घातक रहे हैं और आरएसएस पर फिर से प्रतिबंध लगा देना चाहिए।

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि सरदार वल्लभ भाई पटेल के अनुसार आरएसएस और हिंदू महासभा की गतिविधियों के कारण देश में जिस तरह का माहौल बना उसी के कारण गांधीजी की हत्या हुई थी। इसी वजह से श्री पटेल ने इस संगठन को प्रतिबंधित कर दिया था।

उन्होंने कहा, ' मैं आपको सरदार पटेल की बात याद दिलाना चाहता हूं। सरदार पटेल ने श्यामा प्रसाद मुखर्जी को 4 फरवरी 1948 में लिखे एक पत्र में कहा था - गांधी जी की मृत्यु पर आरएसएस ने हर्ष प्रकट किया और मिठाई बांटी थी। श्री खरगे ने कहा कि जिन लोगों ने गांधी जी की हत्या की आज उसी विचारधारा के लोग कहते हैं कि कांग्रेस पार्टी सरदार पटेल को याद नहीं करती है।

श्री खरगे ने कहा कि मोदी सरकार अब पाठ्यक्रमों में बदलाव कर इतिहास को बदलने का प्रयास कर रही है। हाल ही में एनसीईआरटी की तीन किताबों में से गांधी जी, गोडसे, आरएसएस और 2002 के गुजरात दंगों से जुड़े अध्याय हटा दिए गए हैं। भाजपा सरकार सच्चाई को छिपाना चाहती है, जो बहुत बुरी बात है लेकिन उसे समझ लेना चाहिए कि सच छिप नहीं सकता है। हालांकि मोदी सरकार हमेशा झूठ को सच बनाने की कोशिश में लगी रहती है और इससे उनकी मंशा समझ में आती है।

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि 9 जुलाई 2024 को मोदी सरकार ने आरएसएस की शाखाओं में सरकारी कर्मचारियों के शामिल होने पर लगा 58 साल पुराना प्रतिबंध हटा दिया । यह प्रतिबंध भी फिर से लगाया जाना चाहिए।

राष्ट्र की सुरक्षा और लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए शासन महत्वपूर्ण: अजीत डोभाल

नई दिल्ली, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)।
राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल ने शुक्रवार को कहा कि शासन राष्ट्र निर्माण और राष्ट्र की सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, जिससे राष्ट्र अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने और आम आदमी की आकांक्षाओं को पूरा करने में सक्षम होता है। एनएसए अजीत डोभाल ने राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर व्याख्यान देते हुए इस बात पर जोर दिया कि शासन में एक उभरती चुनौती आम आदमी को संतुष्ट रखने की बढ़ती जरूरत है। उन्होंने कहा कि आम आदमी ज्यादा जागरूक और आकांक्षी हो गया है, उसकी राज्य से ज्यादा अपेक्षाएं हैं और राज्य का भी उसे संतुष्ट रखने में निहित स्वार्थ है। कमजोर शासन को शासन परिवर्तन का एक संभावित कारण बताते हुए राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार ने बांग्लादेश, श्रीलंका, नेपाल और अन्य देशों में गैर-संस्थागत तरीकों से शासन परिवर्तन के उदाहरण दिए।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शासन मॉडल की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि भारत एक निश्चित प्रकार के शासन, एक निश्चित प्रकार की सरकार और सामाजिक संरचना से, बल्कि वैश्विक व्यवस्था में अपने स्थान से भी एक व्यापक बदलाव कर रहा है।

उन्होंने संस्थागत भ्रष्टाचार को

रोकने के लिए वर्तमान सरकार द्वारा किए गए संस्थागत बदलावों पर भी प्रकाश डाला, जिससे संकेत मिलता है कि संभवतः और भी उपाय किए जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि जब भी कोई बदलाव आता है तो सबसे जरूरी है आपकी दूरदर्शिता की स्पष्टता, धूल और तूफानों से अंधे न हो जाना, शोर और धमकियों से घबराना नहीं और विपरीत परिस्थितियों से हार न मानना।

उन्होंने कहा कि आपको खुद को सुसज्जित और तैयार करना होगा। सरदार वल्लभभाई पटेल का जीवन इसी के बारे में था। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि कैसे उन्होंने स्वतंत्रता आंदोलन के एक योद्धा के रूप में भूमिका निभाई, महात्मा गांधी और उनके सभी उपक्रमों का समर्थन किया, और स्वतंत्रता के बाद के युग में 500 से ज्यादा रियासतों का एकीकरण करके देश का एकीकरण भी किया।

डोभाल ने अखिल भारतीय सेवा संरचना के लिए सरदार वल्लभभाई पटेल के दृष्टिकोण को भी श्रेय दिया, जिसने देश को मजबूत शासन दिया। सुशासन के एक प्रमुख अंग के रूप में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार ने सुरक्षा की आवश्यकता और महिलाओं को समानता और सशक्तिकरण की भावना देने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि आधुनिक नई दुनिया में सुशासन के लिए महिलाओं का सशक्तिकरण जरूरी है। मेरा मानना है कि न केवल अच्छे कानून, अच्छी संरचनाएं और अच्छी व्यवस्थाएं होना जरूरी हैं, बल्कि उससे भी ज्यादा जरूरी है कि उन्हें प्रभावी ढंग से लागू किया जाए।

डोभाल ने शासन में तकनीक के इस्तेमाल की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने आगे कहा कि हमें ऐसी तकनीक का इस्तेमाल करना होगा जो ज्यादा पारदर्शिता, जवाबदेही और आम आदमी तक सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करे। उन्होंने कहा कि हमें समाज को साइबर खतरों या तकनीक से पैदा होने वाले कई अन्य खतरों से बचाना होगा।

मिस वर्ल्ड बनने से पहले ऐश्वर्या राय को मिला था राजा हिंदुस्तानी का ऑफर

बॉलीवुड और दुनिया भर में अपनी खूबसूरती और अदाकारी से सभी के दिलों पर राज करने वालीं ऐश्वर्या राय बच्चन आज भी लोगों की फेवरेट हैं। उनका नाम जब भी जुबां पर आता है, लोग उनके ग्लैमर, स्मार्टनेस और सादगी की तारीफ करने लगते हैं। ऐश्वर्या ने अपने करियर में जो मुकाम हासिल किया है, वह किसी सपने से कम नहीं। बहुत कम लोग जानते हैं कि अगर ऐश्वर्या मिस वर्ल्ड का खिताब नहीं जीततीं, तो उनकी पहली फिल्म 'राजा हिंदुस्तानी' होती, लेकिन किस्मत ने उन्हें एक अलग रास्ता दिखाया और उनकी पहली फिल्म 'प्यार हो गया' बनी। यह कहानी उनके करियर की अनोखी यात्रा की शुरुआत का सिर्फ एक छोटा हिस्सा है। ऐश्वर्या राय का जन्म 1 नवंबर 1973 को कर्नाटक के मैंगलोर में हुआ था। उनका बचपन साधारण परिवार में बीता, लेकिन बचपन से ही उनमें पढ़ाई और कला के प्रति गहरी रुचि थी। ऐश्वर्या को साइंस और जूलॉजी में बहुत दिलचस्पी थी और वह डॉक्टर बनना चाहती थीं। बाद में उनके रास्ते बदल गए और उन्होंने मुंबई में आर्किटेक्चर की पढ़ाई शुरू की। पढ़ाई के साथ ही उन्होंने मॉडलिंग की दुनिया में कदम रखा और यह उनका पहला बड़ा कदम था, जिसने उन्हें ग्लैमर की ओर खींचा।

एक फिल्म ने बदल दी थी किस्मत

ऐश्वर्या ने नौवीं क्लास में ही कैमलिन कंपनी के लिए मॉडलिंग शुरू की थी। इसके बाद उन्होंने पेप्सी, फ्रूटी और कई बड़े विज्ञापनों में काम किया। इन विज्ञापनों ने उन्हें लोकप्रियता दिलाई और लोग उनके चेहरे को पहचानने लगे। मॉडलिंग में काम करते हुए ही उन्होंने ब्यूटी पेजेंट्स की दुनिया में कदम रखा। साल 1994 में उन्होंने मिस इंडिया की उपविजेता बनने के बाद मिस वर्ल्ड का खिताब जीतकर इतिहास रच दिया। यह जीत उनके करियर का बड़ा मोड़ साबित हुई। ऐश्वर्या के करियर की शुरुआत फिल्मी दुनिया में थोड़ी अलग हुई। एक इंटरव्यू में उन्होंने खुद बताया कि अगर वह मिस वर्ल्ड नहीं बनतीं, तो उनकी पहली फिल्म 'राजा हिंदुस्तानी' होती। लेकिन उन्होंने इस खिताब की वजह से अपने करियर की दिशा बदल दी और उनकी पहली फिल्म 1997 में आई 'प्यार हो गया'। इस फिल्म ने उन्हें बॉलीवुड में पहचान दिलाई और दर्शकों ने उनकी अदाकारी की तारीफ की। इसके बाद उन्होंने लगातार काम किया और फिल्मों में अपनी जगह बनाई।

उनकी कुछ यादगार फिल्मों में 'हम दिल दे चुके सनम', 'खाकी', 'देवदास', 'धूम 2', 'मोहब्बतें', 'जोधा अकबर', 'ताल' और 'गुरु' शामिल हैं। ऐश्वर्या ने केवल बॉलीवुड ही नहीं, बल्कि हॉलीवुड फिल्मों में भी काम किया, जिनमें 'द पिंक पैंथर 2', 'प्रोवोक्ड', 'मिस्ट्रेस ऑफ स्पाइसेज' और 'ब्राइड एंड प्रिज्यूडिस' जैसी फिल्में शामिल हैं।

ऐश्वर्या राय को उनके शानदार अभिनय और ग्लैमर के लिए कई पुरस्कार भी मिले। उन्होंने फिल्मफेयर, स्क्रीन अवॉर्ड्स और राष्ट्रीय पुरस्कारों की कई श्रेणियों में नाम कमाया। साल 2003 में वह कान फिल्म फेस्टिवल की जूरी में शामिल होने वाली पहली भारतीय अभिनेत्री बनीं। इसके अलावा उन्हें 2009 में 'पद्मश्री' और 2012 में फ्रांस का 'ऑर्डर ऑफ आर्ट्स एंड लेटर्स' सम्मान भी मिला।

कोमलता और हौसले का संगम फिल्म हक़ के पोस्टर में वर्तिका सिंह की गहराई ने जीता दिल

फिल्म हक़ में वर्तिका सिंह का पहला पोस्टर आखिरकार सामने आ गया है और यह बिल्कुल मनमोहक है। हक़ पूर्व मिस यूनिवर्स इंडिया और सुपरमॉडल वर्तिका सिंह को उनके बहुप्रतीक्षित बॉलीवुड डेब्यू में पेश करता है। जारी किए गए पोस्टर में वर्तिका एक शांत लेकिन गहराई से प्रभावशाली पल में नजर आती हैं मिट्टी के रंगों में लिपटी, उनका चेहरा स्थिर है, पर उनकी आंखों में एक कोमलता और आग दोनों झलकती हैं। यह झलक उनके किरदार की नाज़ुकता और ताकत दोनों को बयां करती है। अपनी भूमिका के लिए वर्तिका ने कई हफ्तों तक वर्कशॉप्स में हिस्सा लिया, जहां उन्होंने इमोशनल मेमोरी तकनीकों के ज़रिए किरदार को भीतर से गढ़ा। लखनऊ से ताल्लुक रखने वाली वर्तिका ने फिल्म के कई अहम दृश्य अपने ही शहर में शूट किए। डेब्यू पर वर्तिका सिंह ने कहा, हक़ एक ऐसी कहानी है जिसने मेरे भीतर कुछ गहराई से हिलाया। इस सफर ने मुझे अपने अंदर झाँकने और हर पल में सच्चाई खोजने पर मजबूर किया। मैंने अपने वो हिस्से देखे जिनके बारे में मुझे पहले पता भी नहीं था। मैं जंगली पिक्चर्स की बेहद आभारी हूँ कि उन्होंने मुझ पर भरोसा किया और मुझे यह मौका दिया। बस यही चाहती हूँ कि यह फिल्म लोगों के दिल तक वैसे ही पहुँचे, जैसे यह मेरे दिल तक पहुँची।

हक़ में इमरान हाशमी और यामी गौतम धर के बीच एक तीखा कोर्टरूम ड्रामा देखने को मिलेगा, जिसके केंद्र में वर्तिका का किरदार है। जैसे-जैसे राज़ खुलते हैं, फिल्म यह दिखाती है कि कैसे धारणाएँ न्याय को प्रभावित करती हैं और कैसे सच कभी-कभी नज़रिए का मामला बन जाता है। जंगली पिक्चर्स, इंसोम्निया फिल्म्स और बवेजा स्टूडियोज के सहयोग से बनी हक़ की कहानी एक ऐतिहासिक सुप्रीम कोर्ट के फैसले से प्रेरित है। यह फिल्म न्याय, पहचान और नैतिक द्वंद्व की जटिल परतों को बेहद मानवीय दृष्टिकोण से पेश करती है। हक़ 7 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी।

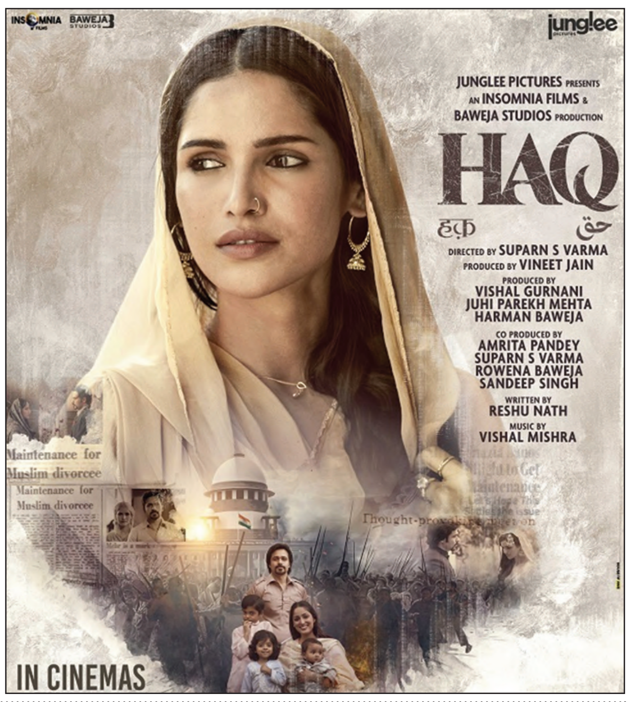

सफलता का मंत्र छोटे हो या बड़े रोल लगातार करते रहें काम:श्रद्धा दास

फिल्म इंडस्ट्री हमेशा बदलती रहती है। पहले कलाकारों के लिए बड़ी फिल्म से शुरुआत करना और भव्य लॉन्चिंग जरूरी माना जाता था, लेकिन अब समय बदल गया है। अभिनेत्री श्रद्धा दास का मानना है कि आज के दौर में कलाकारों को अपने टैलेंट, लगातार मेहनत और खुद से बनाए गए अवसरों पर ध्यान देना चाहिए। यही रास्ता है जो किसी भी कलाकार को इंडस्ट्री में टिकने और नाम कमाने में मदद करता है।

श्रद्धा ने कहा कि सफलता पाने का कोई छोटा रास्ता नहीं होता। उन्होंने कहा, ''मैंने खुद बड़े और छोटे रोल, गाने, दूसरे प्रमुख रोल, सब कुछ करके इंडस्ट्री में अपनी जगह बनाई है। किसी बड़ी फिल्म के भव्य लॉन्च का इंतजार करना अब पुराने जमाने की सोच है। अगर कोई बाहर से आया है तो उसे लगातार काम करते रहना चाहिए, अच्छे प्रोजेक्ट्स को स्वीकार करना चाहिए, लोगों की नजर में बने रहना चाहिए और अपने काम में सुधार करते रहना चाहिए। यही तरीका है जिससे हर कलाकार अपनी मंजिल तक पहुंच सकता है।''

अपने प्रोजेक्ट्स चुनते समय वह किन चीजों को ध्यान में रखती है, इस सवाल का जवाब देते हुए श्रद्धा ने कहा, ''मेरे लिए सबसे पहले डायरेक्टर का अनुभव और क्षमता मायने रखती है। इसके बाद मैं प्रोडक्शन हाउस, साथ काम करने वाले अभिनेता और स्क्रिप्ट पर भी ध्यान देती हूं। इसके अलावा मैं खुद से सवाल करती हूं कि स्क्रिप्ट में मेरी भूमिका कितनी मजबूत है और कहानी में कितना योगदान है। यह हमेशा से मेरी प्राथमिकता रही है कि मेरा किरदार कहानी में एक फर्क लाए और मैं यह भी देखती हूं कि प्रोजेक्ट की विजुअल प्रस्तुति कैसी है।''श्रद्धा दास की हाल ही में रिलीज हुई वेब सीरीज 'सर्च: द नैना मर्डर केस' को लोगों ने काफी पसंद किया। इसके चलते आईएमडीबी ने उन्हें लोकप्रिय भारतीय सेलिब्रिटी लिस्ट में पहला स्थान दिया।

उन्होंने बताया कि शुरुआत में उनका रैंक लगभग 1400 था। फिर फिल्म 'खाकी' के बाद यह बढ़कर 82 हुआ। 'नैना मर्डर केस' के रिलीज के बाद रैंकिंग तेजी से बढ़ी। पहले सप्ताह वह 15वें स्थान पर थीं, दूसरे सप्ताह चौथे स्थान पर और आखिर में वह नंबर 1 पर पहुंच गईं।

श्रद्धा ने कहा, ''मेरे पास कोई पीआर टीम या आईएमबीडी से कोई व्यक्तिगत संपर्क नहीं है। इसलिए यह उपलब्धि मेरे लिए बहुत ही आश्चर्यजनक और उत्साहजनक रही है। लोगों ने मेरे किरदार को वास्तव में पसंद किया और इसके लिए मैं बहुत आभारी हूं। इस अनुभव ने मुझे यह समझने में मदद की कि सच्ची मेहनत और लगन हमेशा सराहना पाती है।''

इक्क कुड़ी की निर्माता बनने पर बोलीं शहनाज गिल, ये तो शुरुआत है, अभी बहुत कुछ बाकी है

अभिनेत्री, गायिका और अब निर्माता बनीं शहनाज गिल अपनी सादगी, जोश और बेबाक अंदाज के लिए पहचानी जाती हैं। शहनाज ने शुक्रवार को आज अपने करियर में एक नया अध्याय जोड़ा है। बतौर निर्माता फिल्म उनकी पहली फिल्म 'इक्क कुड़ी' आखिरकार सिनेमाघरों में रिलीज हो गई। यह फिल्म न सिर्फ उनके करियर का अहम मोड़ है, बल्कि उनके दिल के भी बहुत करीब है। शहनाज का कहना है कि ये उनकी अभी शुरुआत है। आगे उन्हें बहुत कुछ करना है। शहनाज कहती हैं कि 'इक्क कुड़ी' उनके लिए सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि एक भावना है। उन्होंने बताया कि यह प्रोजेक्ट उनके जीवन का वह सफर है जिसे वह हमेशा अपने साथ लेकर चलेंगी। इस फिल्म ने उन्हें एक कलाकार के साथ-साथ एक निर्माता के रूप में भी परखा है। निर्माता की जिम्मेदारी संभालने के बारे में शहनाज ने कहा, निर्माता बनने के साथ मेरे ऊपर कई जिम्मेदारियां थीं, कहानी चुनने से लेकर फिल्म की पूरी टीम को संभालने तक। मुझे 'इक्क कुड़ी' की कहानी इतनी पसंद आई कि मैंने तय किया कि इस फिल्म में सिर्फ अभिनय नहीं, बल्कि निर्माण की जिम्मेदारी भी मैं खुद उठाऊंगी। यह फिल्म ऐसी थी जिसे बनाना जरूरी था। शहनाज ने कहा कि उन्होंने इस फिल्म पर एक 'दांव' लगाया है और अब देखना यह है कि दर्शकों की प्रतिक्रिया कैसी मिलती है।

शहनाज ने अब तक अपने करियर में कई भूमिकाएं निभाई हैं। वह सिंगर, एक्ट्रेस, रियलिटी शो स्टार और अब प्रोड्यूसर हैं, लेकिन जब उनसे पूछा गया कि अब वह आगे क्या करना चाहती हैं, तो उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा, अभी तो मैंने शुरुआत की है, अभी तो बहुत कुछ बाकी है।

शहनाज का मानना है कि हर नया अनुभव कुछ सिखाता है और 'इक्क कुड़ी' उनके करियर का सबसे भावनात्मक अध्याय है। उन्होंने कहा कि भले ही उन्होंने कई बार अलग-अलग क्षेत्रों में डेब्यू किया हो, लेकिन वह इस फिल्म को अपना सबसे खास और नजदीकी प्रोजेक्ट मानती हैं।'इक्क कुड़ी' की कहानी एक ऐसी लड़की के सफर को दिखाती है जो अपने लिए सही जीवनसाथी की तलाश में है। फिल्म के लेखक और निर्देशक अमरजीत सिंह हैं। पहले यह फिल्म 19 सितंबर को रिलीज होने वाली थी, लेकिन पंजाब में आई बाढ़ के कारण इसे आगे बढ़ाकर 31 अक्टूबर को सिनेमाघरों में उतारा गया।

देवउठनी एकादशी पूजा विधि और मंत्र

ऐसे जगाएं श्रीहरि को चार माह की निद्रा से

देवउठनी एकादशी का बहुत खास महत्व होता है क्योंकि इस दिन भगवान विष्णु चार माह की निद्रा के बाद जागते हैं। साथ ही, इस दिन चातुर्मास का भी समापन हो जाता है। ऐसे में इस दिन विधि-विधान से भगवान विष्णु की पूजा और व्रत करने से बेहद शुभ फल की प्राप्ति होती है। देवउठनी एकादशी के दिन भगवान की पूजा करते समय और श्रीहरि को जगाते समय कुछ मंत्रों का जाप भी अवश्य करना चाहिए। ऐसे में आइए जानते हैं देवउठनी एकादशी की पूजा विधि, मंत्र और विष्णुजी को जगाने का तरीका। इस दिन विधिपूर्वक पूजा व व्रत करने से जातक का भाग्य जाग सकता है और पूजा का पूर्ण फल प्राप्त होता है।

देव उठनी एकादशी पूजा विधि

कार्तिक शुक्ल एकादशी को प्रबोधिनी के नाम से भी जाना जाता है। इसके निमित्त स्नान-दान और उपवास यथापूर्व किए जाते हैं। विशेषता यह है कि एक वेदीपर सोलह आर (कोण या पत्ती) का कमल बनाकर उसपर सागरोपम, जल पूर्ण, रत्न प्रयुक्त, मलयागिरिसे चर्चित, कण्ठप्रदेश में नाल से आबद्ध और सुश्वेत वस्त्र से आच्छादित चार कलश स्थापित करें और उनके बीच में पीताम्बर धारण किए हुए शंख चक्र गदाधारी चतुर्भुज और शेषशायी भगवान की सुवर्ण निर्मित मूर्ति स्थापित करके उसका 'सहस्त्रशीर्षा' आदि ऋचाओं से अंगन्यास पूर्वक यथाविधि पूजन करें और रात्रि में जागरण करके दूसरे दिन के प्रभात में वेदपाठी पांच ब्राह्मणों को बुलाकर उक्त चार कलश चार को और योगेश्वर भगवान की (स्वर्णमयी) मूर्ति पांचवें को देकर उनको भोजन करवाकर स्वयं भोजन करें तो गंगादि तीर्थों, सुवर्णादि दानों और भगवान आदिकी पूजा के समान फल होता है।

यह तो प्रसिद्ध है कि आषाढ़ शुक्ल से कार्तिक शुक्लपर्यन्त ब्रह्मा, इन्द्र, रुद्र, अग्नि, वरुण, कुबेर, सूर्य और सोमादि देवों से वन्दित, जगन्निवास, योगेश्वर क्षीर सागर में शेषशय्यापर चार मास शयन करते हैं और भगवद्भक्त उनके शयन परिवर्तन और प्रबोध के यथोचित कृत्य दत्तचित्त होकर यथासमय करते हैं। उनमें दो कृत्य आषाढ़ और भाद्रपद के व्रतों में प्रकाशित हो चुके हैं और तीसरे (प्रबोध) का विधान यहां प्रकट किया जाता है। यद्यपि भगवान क्षणभर भी कभी सोते नहीं, तथापि 'यथा देहे तथा देवे' मानने वाले उपासकों को शास्त्रीय विधान अवश्य करना चाहिए।

भगवान विष्णु को निद्रा से जगाने की विधि

यह कृत्य कार्तिक शुक्ल एकादशी को रात्रि के समय किया जाता है। उस समय शयन करते हुए हरि को जगाने के लिए सुभाषित स्तोत्र पाठ, भगवत कथा, पुराणादि का श्रवण और भजनादि का गायन, घंटा, शंख, मृदंग, नगारे और वीणा आदि का 'वादन' और विविध प्रकार के देवोपम खेल-कूद, लीला और नाच आदि के द्वारा भगवान को जगाएं और साथ ही, इन मंत्रों का उच्चारण करें।

उत्तिष्ठोत्तिष्ठ गोविन्द त्यज निद्रां जगत्पते। त्वयि सुप्ते जगन्नाथ जगत् सुप्तं भवेदिदम।

उत्थिते चेष्टते सर्वमुत्तिष्ठोत्तिष्ठ माधव। गता मेघा वियच्चैव निर्मलं निर्मलादिशः।

शारदानि च पुष्पाणि गृहाण मम केशव।

अनन्तर भगवान के मंदिर (अथवा सिंहासन) को नाना प्रकार के लता-पत्र, फल-पुष्प और बंदनवार आदि से सजावे और 'विष्णु पूजा' या 'पंचदेव पूजा विधान' अथवा 'रामार्चनचन्द्रिका' आदि के अनुसार भली प्रकार पूजन करें और समुज्ज्वल घृतवर्तिका या कर्पूरादि को प्रज्वलित करके नीराजन (आरती) करें।

'यज्ञेन यज्ञमयजन्त देवास्तानि धर्माणि प्रथमान्यासन। तेह नाकं महिमानः सचन्त यत्र पूर्वे साध्याः सन्ति देवाः।' से पुष्पांजलि अर्पण करके 'इयं तु द्वादशी देव प्रबोधाय विनिर्मिता। त्वयैव सर्वलोकानां हितार्थं शेषशायिना।' 'इदं व्रतं मया देव कृतं प्रीत्यै तव प्रभो। न्यूनं सम्पूर्णतां यातु त्वत्प्रसादाज्ज़नार्दन।' से प्रार्थना करें और प्रह्लाद, नारद, पराशर, पुण्डरीक, व्यास, अम्बरीष, शुक, शौनक और भीष्मादि भक्तों का स्मरण करके चरणामृत, पंचामृत या प्रसाद का वितरण करें। इस प्रकार विष्णु भगवान योग निद्रा को त्यागकर प्रत्येक प्रकार की क्रिया करने में प्रवृत्त हो जाते हैं और प्राणिमात्र का पालन-पोषण और संरक्षण करते हैं। प्रबोधिनी की पारणा में रेवती का अन्तिम तृतीयांश हो तो उसको त्यागकर भोजन करना चाहिए।

देवउठनी एकादशी पर दान और सरल उपाय करने से आर्थिक संकट और समस्त बाधाएं होंगी दूर

कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को देवउठनी एकादशी के नाम से जाना जाता है। हिंदू धर्म में इस एकादशी का बहुत खास महत्व होता है। इस दिन भगवान विष्णु क्षीरसागर में चार माह तक शयन करने के बाद जागृत होते हैं। इसी के साथ चातुर्मास का भी समापन हो जाता है। ऐसे में अगर आप देवउठनी एकादशी पर विधि-विधान से पूजा करने के साथ-साथ कुछ ज्योतिष उपाय और दान कर लें तो इससे बेहद उत्तम फल की प्राप्ति होती है और जीवन में चल रही समस्याओं से छुटकारा मिल सकता है। साथ ही, इस एकादशी को किए जाने वाले उपायों और दान से कुंडली में ग्रह-नक्षत्रों पर भी शुभ प्रभाव पड़ता है।

अटके कार्यों की बाधाएं दूर करने का उपाय

देवउठनी एकादशी को प्रबोधिनी एकादशी के नाम से भी जाना जाता है। इस दिन शाम को प्रदोष काल के वक्त तुलसी और पीपल के पेड़ के पास 5 घी के दीये जरूर जलाने चाहिए। साथ ही, 'ओम नमो भगवते नारायणाय' मंत्र का जाप करते हुए 7 या 21 बार वृक्ष की परिक्रमा करें। इस उपाय को करने से जातक को जरूरी कार्यों में आ रही बाधाओं से मुक्ति मिल सकती है और बिगड़े काम भी बनने शुरू हो सकते हैं। लेकिन भूलकर भी देवउठनी एकादशी को तुलसी के पत्ते नहीं तोड़ने चाहिए। इससे अशुभ फल की प्राप्ति हो सकती है।

जीवन में तरक्की और सुखद दांपत्य जीवन का उपाय

इस खास एकादशी को तुलसी की पूजा अवश्य करनी चाहिए। इसके साथ ही पौधे के तने में एक लाल रंग कलावा या धागा बांध दें। इसके बाद, वहां बैठकर श्रद्धापूर्वक तुलसी चालीसा का पाठ करें। साथ ही, तुलसी पर चूड़ी, सिंदूर, बिंदी, चुनरी और बिछिया अर्पित करें। अगले दिन सुबह सुहाग के सामान को तुलसी के पास से उठाकर किसी जरूरतमंद सुहागिन महिला को दान कर दें और उनका आशीर्वाद भी जरूर लें। देवउठनी एकादशी पर इस सरल उपाय को करने से दांपत्य जीवन सुखद बना रहता है। साथ ही, परिवार के सदस्यों को जीवन में तरक्की और खुशहाली प्राप्त होती है।

आर्थिक तंगी दूर करने का उपाय

अगर आप घर या कारोबार में चल रही आर्थिक समस्याओं से परेशान हैं तो देवउठनी एकादशी के दिन एक छोटा सा उपाय आजमा सकते हैं। इसके लिए तुलसी के पौधे पर कच्चा दूध अर्पित करें और गमले के सामने एक घी का दीपक जरूर जलाएं। मान्यता है की तुलसी के पौधे में माता लक्ष्मी का वास होता है। ऐसे में अगर आप देवउठनी एकादशी के दिन यह उपाय करते हैं, तो इससे धन की देवी लक्ष्मीजी का आशीर्वाद प्राप्त होता है। साथ ही, इस दिन आप तुलसी की जड़ में गन्ने का रस भी चढ़ा सकते हैं। ऐसा करने से जातक को घर और कारोबार में चल रही आर्थिक तंगी से छुटकारा मिल सकता है और धन-धान्य में वृद्धि होने लगती है।

देवउठनी एकादशी पर क्या दान करें?

गर्म और ऊनी वस्त्र करें दानदेवउठनी एकादशी को आप विधि-विधान से पूजा करने के बाद किसी गरीब या जरूरतमंद व्यक्ति को गर्म और ऊनी कपड़े दान कर सकते हैं। अब सर्दी का मौसम दस्तक देने लगा है। ऐसे में अगर आप किसी जरूरतमंद को गर्म कपड़े दान करते हैं तो इससे बेहद पुण्य फल की प्राप्ति होती है। साथ ही, स्वास्थ्य अच्छा बना रहता है और कुंडली में ग्रहों पर भी शुभ प्रभाव पड़ता है। ऐसे में आपको जीवन की कई समस्याओं व बाधाओं से छुटकारा मिल सकता है।

सात प्रकार के अनाज करें दान

एकादशी के खास मौके पर आप किसी जरूरतमंद या गरीब व्यक्ति को 7 प्रकार के अलग-अलग अनाज जैसे- गेहूं, जौ, बाजरा, चावल आदि दान कर सकते हैं। ऐसी मान्यता है कि किसी जरूरतमंद को अनाज दान करने से घर में कभी भी अन्न-धन की कमी नहीं होती है। साथ ही, जातक को धन संबंधी समस्याओं से निजात मिल सकती है और कारोबार में खूब तरक्की प्राप्त होती है।

सुहाग का सामान करें दान

दांपत्य जीवन में खुशहाली बनाए रखने के लिए आप देवउठनी एकादशी पर किसी जरूरतमंद सुहागिन महिला को सुहाग का सामान दान कर सकते हैं। इसके लिए पहले सुहाग का सामान तुलसी पर अर्पित करना चाहिए और फिर, किसी जरूरतमंद सुहागिन को इसे दान कर दें। इससे माता लक्ष्मी की भी विशेष कृपा प्राप्त होती है और वैवाहिक जीवन में आने वाली

शनिवार को काले तिल के उपाय से शनि दोष होगा दूर

जीवन में मिलेगी तरक्की और धन में होगी दोगुना वृद्धि

हिंदू धर्म में शनिवार का दिन न्याय के देवता शनिदेव को समर्पित माना गया है। ऐसे में इस दिन भक्त उनकी विधि-विधान से पूजा करते हैं और काले तिल भी जरूर अर्पित करते हैं। वहीं, इस शनिवार को एकादशी का संयोग भी बन रहा है।

ऐसे में अगर आप शनिदोष के चलते जीवन में लगातार समस्याओं का सामना कर रहे हैं, तो इसके लिए शनिवार को काले तिल से जुड़े कुछ विशेष और सरल उपाय आजमा सकते हैं। शनिवार को श्रद्धापूर्वक काले तिल के उपाय करने से जातक को शनि के बुरे प्रभावों से राहत मिल सकती है। ऐसे में जीवन में तरक्की प्राप्त होती है और धन-धान्य में भी वृद्धि हो सकती है।

जल में आंवला और काले तिल मिलाकर स्नान करें

शनिवार के दिन स्नान करने के जल में आधा आंवला और थोड़े काले तिल मिला लें। अब इस पानी से नहाएं और साथ ही, 'गंगे च यमुने चैव गोदावरी सरस्वती, नर्मदे सिन्धु कावेरि जलेऽस्मिन् सन्निधिं कुरु।' मंत्र का जाप करते हुए स्नान करें। इस उपाय को करने से अरोग्य की प्राप्ति होती है और पापों से भी मुक्ति मिल सकती है। साथ ही, इससे जीवन में सुख-समृद्धि के संयोग बनेंगे और भाग्य चमकने के रास्ते भी खुल सकते हैं।

इस उपाय से विष्णुजी की कृपा होगी प्राप्त

इस शनिवार को देवउठनी एकादशी का भी शुभ संयोग बन रहा है। ऐसे में अगर आप इस दिन काले तिल का विशेष उपाय कर लें तो इससे शनिदेव के साथ-साथ विष्णुजी की भी कृपा प्राप्त हो सकती है। इसके लिए काले तिल, शहद और घी को एक साथ मिलाकर 'ऐते तिलाः ओ भगवान विष्णु नमः समर्पियामि' बोलते हुए भगवान विष्णु को 11 बार अर्पित करें। इस उपाय को करने से जातक को जीवन में चल रही समस्याओं से छुटकारा मिल सकता है और घर में भी सुख-शांति बनी रहती है।

जल में मिलाकर पिएं काले तिल

शनिवार के दिन काले तिल का खास महत्व होता है। इस दिन जल में काले तिल मिलाकर उसका सेवन करना बहुत फलदायी माना जाता है। मान्यता है कि ऐसा करने से शरीर की शुद्धि होती है और पापों का भी नाश हो सकता है। साथ ही, इस दिन आप काले तिल के लड्डू बनाकर भगवान विष्णु को भी अर्पित कर सकते हैं। बाद में लड्डू को प्रसाद के रूप में स्वयं भी ग्रहण करें। इस उपाय को करने से जातक को धन संबंधी समस्याओं से राहत मिल सकती है और जीवन में तरक्की हासिल होती है।

काले तिल का दान करें

अगर आप शनि के बुरे प्रभावों का सामना कर रहे हैं और बनते हुए कार्य भी बार-बार बिगड़ रहे हैं तो शनिवार को एक सरल उपाय आजमा सकते हैं। इसके लिए सुबह स्नानादि करने के बाद शनिदेव की विधि-विधान से पूजा करें और सरसों का तेल भी जरूर अर्पित करें। इसके बाद, किसी गरीब या जरूरतमंद व्यक्ति को सवा किलो तिल का दान करें। इस उपाय को करने से जातक को शनि दोष से राहत मिल सकती है और शनिदेव की कृपा से कारोबार में उन्नति प्राप्त हो सकती है।

विष्णुजी के सामने जरूर जलाएं अखंड दीप

देवउठनी एकादशी पर भगवान विष्णु की विधि-विधान से पूजा की जाती है। साथ ही, इस दिन शनिवार पड़ने से शनिदेव की पूजा करने का भी विधान होता है। ऐसे में रात के समय एक तिल का अखंड दीपक मंदिर में विष्णु भगवान के सामने जरूर जलाएं। ऐसा करने से भगवान विष्णु की कृपा प्राप्त होती है और करियर में आने वाली समस्याओं से भी आपको छुटकारा मिल सकता है। शनिवार को इन उपायों को करने से जातक को धन संबंधी समस्याओं से भी मुक्ति मिल सकती है और धन-धान्य में वृद्धि होती है।

भगवान विष्णु की कृपा से वृषभ, कर्क समेत पांच राशियों के जातक पाएंगे लाभ और सुख

आज यानी 1 नवंबर दिन शनिवार है और आज तिथि है कार्तिक मास की शुक्ल पक्ष की एकादशी ऐसे में आज प्रबोधिनी एकादशी होने से दिन के देवता भगवान विष्णु रहेंगे। जबकि आज ग्रहों की बात करें तो चंद्रमा का गोचर कुंभ राशि में होगा और कुंभ राशि के स्वामी शनि ग्रह चंद्रमा से दूसरे भाव में होकर सुनफा योग बनाएंगे। जबकि आज गुरु ग्रह अपनी उच्च राशि में होकर हंस राजयोग बना रहे होंगे। और आज के दिन शतभिषा नक्षत्र के संयोग में ध्रुव योग और रवियोग का भी संयोग बनेगा। ऐसे में आज का दिन भगवान विष्णु की कृपा और ध्रुव योग एवं रवियोग के संयोग में वृष, कर्क, कन्या, धनु और मीन राशि के जातको के लिए विशेष रूप से लाभदायक और लकी रहेगा।

वृषभ राशि- आज शनिवार का दिन वृषभ राशि के जातकों के लिए स्थायी लाभ दिलाने वाला रहेगा। आपके कुछ नए संबंध बन सकते हैं जिनसे आपको भविष्य में भी लाभ मिलता रहेगा। आपको किसी पुराने मित्र या परिचित की मदद से भी फायदा हो सकता है। आप प्रॉपर्टी से संबंधित कोई निवेश करना चाह रहे हैं तो इसमें आपको सफलता मिलेगी। कोई पुराना किया हुआ काम भी आपको आज लाभ दिलाएगा। किसी शुभ काम या धार्मिक आयोजन में भाग लेने का मौका मिलेगा। आर्थिक पक्ष आपका आज अनुकूल रहेगा। किसी कोई दिया उधार आपको वापस मिल सकता है। पारिवारिक जीवन मे भी आपके अनुकूल स्थिति बनी रहेगी।

उपाय : आपको आज उपाय के तौर पर श्रीकृष्ण चालीसा का पाठ करना चाहिए। तुलसी को दीप दिखाएं।

कर्क राशि – आज का दिन कर्क राशि के जातको के लिए लाभदायक रहेगा। बिजनेस में आज अच्छी कमाई होगी। आपको आज आर्थिक मामलों में अपनी योजनाओं का लाभ मिलेगा। आज आप कोई पेंडिंग लेनदेन के भी निपटा सकते हैं। नौकरी में आपका दिन आज अनुकूल बीतेगा। किसी साथी सहकर्मी की मदद से आपको फायदा हो सकता है। दोस्तो के साथ पार्टी और मनोरंजन का आयोजन हो सकता है। घर में किसी शुभ मांगलिक कार्यक्रम का संयोग बन सकता है। ज्वेलरी और वस्त्रों के कारोबार में आपको आज विशेष रूप से लाभ मिलेगा।

उपाय : आपको आज उपाय के तौर पर पीपल को जल देना चाहिए और काले तिल भी अर्पित करना चाहिए।

कन्या राशि –आज का दिन कन्या राशि के जातकों के लिए लाभ और उन्नतिदायक रहेगा। आप आज कारोबार में खूल लाभ पाएंगे विशेष तौर पर जो जातक पार्लर, ज्वेलरी और वस्त्रो के कारोबार से जुड़े हैं उनके लिए आज का दिन कमाई वाला रहेगा। छात्रों को आज शिक्षा के क्षेत्र में सफलता मिलेगी। मन आपक पढ़ाई की ओर बना रहेगा जिसका आपको उचित परिणाम मिलेगा। आपकी जमा पूंजी में भी आज वृद्धि होगी। आपको किसी धार्मिक स्थल की यात्रा का मौका मिलेगा। परिवार से भी आपको आज पूरा सपोर्ट मिलेगा। वैवाहिक जीवन में आपके प्रेम और आपसी सामंजस्य बना रहेगा। आप आज सुख साधनों का आनंद लेंगे। यात्रा सफल रहेगी।

उपाय : आज के दिन कन्या राशि के जातको को उपाय के तौर पर दामोदराष्टकम का पाठ करना चाहिए, तुलसी मैया को दूध से अर्घ्य दें।

धनु राशि –धनु राशि के जातको के लिए आज का दिन शुभ रहेगा। आपको अपनी कार्ययोजना में सफलता मिलेगी। आपके सितारे बताते हें कि आपको आज राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र में कामयाबी मिलेगी। आपको आज किसी तकनीकी ज्ञान का भी लाभ मिलेगा। नौकरी में आपको आज अधिकारी वर्ग से सहयोग मिलेगा। आप प्रॉपर्टी के काम में आज सफलता पाएंगे। जो लोग मकान या जमीन खरीदने या बेचने का काम करते हैं उनके लिए दिन लाभदायक रहेगा। विवाह योग्य जातकों के विवाह के योग बनेंगे। बात आगे बढ़ सकती है। पारिवारिक जीवन में खुशी का माहौल रहेगा। वाहन और सुख साधन मिलने का संयोग बनेगा।

उपाय : आपको आज उपाय के तौर पर तुलसी को दीपक दिखाना चाहिए और तुलसी चालीसा का पाठ भी करना चाहिए।

मीन राशि – आज मीन राशि के जातको के लिए आज शनिवार का दिन उत्साहवर्धक और लाभदायक रहेगा। आपको आज कार्यक्षेत्र में सहकर्मियों से पूरा सहयोग मिलेगा। आप अपनी कार्ययोजना को पूरा कर पाने में सफल रहेंगे। नौकरी में आपका प्रभाव और सम्मान बढेगा। बिजनेस में आपकी कमाई में वृद्धि होगी। आपको आज कहीं से धन का लाभ मिल सकता है। आपका फंसा हुआ पैसा भी आज आपको मिल सकता है। पैतृक संपत्ति से संबंधित कोई तनाव चल रहा है तो उसका समाधान निआजेगा। आपको किसी धार्मिक काम में भाग लेकर पुण्य कमाने का भी मौका मिलेगा। आपको विदेशी क्षेत्र से भी लाभ मिलेगा।

उपाय : आपको आज उपाय के तौर पर श्रीविष्णु चालीसा का पाठ करना चाहिए, भगवान विष्णु को घी का दीप दिखाएं।

शुभ लाभ
खबरें जो सोच बदल दे

संपादकीय

किसानों का एक और 'यलगार'

अब बारी महाराष्ट्र के नाराज किसानों की है। राज्य में भाजपा-महायुति सरकार बने 10 माह बीत चुके हैं। किसान अशांत और असंतुष्ट हैं कि चुनाव के दौरान कर्जमाफी, फसलों की न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर खरीद, दिव्यांग किसानों के मानदेय आदि पर जो वायदे किए गए थे, अभी तक अधूरे हैं। उन्हें लागू क्यों नहीं किया जा रहा है? महाराष्ट्र सरकार आर्थिक संकट का रोना रो रही है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस ने बीती 29 अक्तूबर को तुरंत कर्जमाफी से इंकार कर दिया है। फसल बीमा योजना किसानों को बेवकूफ बना रही है। कंपनियां मालामाल हो रही हैं। राज्य सरकार 1 रुपए की जो 'प्रतीकात्मक किस्त' देती थी, उसे भी बंद कर दिया गया है, क्योंकि उससे 5000 करोड़ रुपए की बचत हुई है। लिहाजा किसान एक बार फिर आंदोलित है। उन्होंने महाराष्ट्र के नागपुर में 'यलगार' का उद्घोष किया है। करीब 1.5 लाख किसानों ने सड़कें अवरुद्ध कर चक्का जाम कर दिया है, नतीजतन बॉम्बे उच्च न्यायालय को खुद संज्ञान लेकर आदेश जारी करना पड़ा है कि किसान सड़कें, राजमार्ग खाली करें। जनता को बहुत असुविधा हो रही है, लेकिन बुधवार रात तक किसान 'यलगार' को जारी रखने पर आमादा थे। आंदोलन का नेतृत्व पूर्व मंत्री बच्चू कड़ू कर रहे हैं, जो 'प्रहार जनशक्ति पार्टी' के संस्थापक हैं। सवाल है कि 'यलगार' किसानों का है अथवा यह राजनीतिक लामबंदी है? हालांकि राज्य सरकार ने जून, 2025 में कर्जमाफी पर एक कमेटी बनाई थी। उसकी रपट और अनुशंसाएं आ गई हैं अथवा नहीं, यह अभी निश्चित नहीं है। दरअसल बुनियादी मुद्दा किसान की कर्जमाफी का है। केंद्र में कांग्रेस नेतृत्व की यूपीए सरकार ने 2008 में तत्कालीन प्रधानमंत्री डा. मनमोहन सिंह की रूपरेखा के मुताबिक, किसानों के 72,000 करोड़ रुपए के कर्ज माफ किए थे। इस आंकड़े पर विवाद है, क्योंकि मौजूदा प्रधानमंत्री मोदी का दावा है कि कुल 53,000 करोड़ रुपए के कथित कर्ज माफ किए गए। उनमें कई लाभार्थी 'फर्जी' थे अथवा कुछ लोग दिवंगत हो चुके थे, लेकिन उनके नाम पर कर्जमाफी की गई। बहरहाल इस आंकड़े को भी छोड़ते हैं, लेकिन उसके बाद कर्जमाफी एक 'राजनीतिक फैशन' बन गई, लिहाजा राज्य सरकारों ने भी किसानों के कर्ज माफ किए। हम आंकड़ों की पुष्टि नहीं कर सकते, लेकिन यह तय है कि कर्जमाफी के तौर पर सरकारें किसानों की आर्थिक मदद करती रही हैं। आखिर किसान कितने कर्जदार हैं, यह यक्ष प्रश्न किया जाता रहा है? अब केंद्र सरकार पर करीब 225 लाख करोड़ रुपए का कर्ज है, जो 2014 में करीब 58 लाख करोड़ रुपए था। इतनी तो कई देशों की सकल अर्थव्यवस्था नहीं होती। इस गंभीर सवाल को भी समझना चाहिए कि आखिर कब तक सरकारें किसानों की कर्जमाफी करती रहेंगी? महाराष्ट्र सरकार पर भी 2024-25 का कुल कर्ज 8.40 लाख करोड़ रुपए है। सालाना ब्याज करीब 65000 करोड़ रुपए तक पहुंच गया है। हर नागरिक पर 72,761 रुपए का कर्ज है। सरकारों को सिर्फ किसानों का कल्याण देखना है या गरीबी-रेखा के आसपास या उसके तले जीने वाले समुदायों की भी चिंता करनी है? यकीनन किसान के हालात तब से बदतर हैं, जब भारत ब्रिटिश हुकूमत का गुलाम था। किसान की गरीबी या कर्जदारी बीते 11 साल की ही देन नहीं है। 'किसान अन्नदाता है', हमें इस मुहावरे को भी छोड़ना होगा। देश के प्रत्येक समुदाय, वर्ग, नागरिक का देश के विकास और संचालन में योगदान रहा है। देश के सकल घरेलू उत्पाद में कृषि का योगदान 15-16 फीसदी ही है। शेष 85 फीसदी के कर्ज कौन माफ करेगा? यदि महाराष्ट्र के नागपुर क्षेत्र के आंकड़े देखें, तो जनवरी-मार्च, 2025 में ही 767 किसानों ने आत्महत्याएं की हैं। पश्चिमी विदर्भ में ही 257 किसानों ने जान दी है। यह देश में किसानों की सर्वाधिक आत्महत्याओं का केंद्र रहा है। आरएसएस का मुख्यालय भी यहीं है, तो केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी का चुनाव क्षेत्र भी नागपुर है और मुख्यमंत्री भी इसी क्षेत्र की विधानसभा सीट से चुन कर आते हैं। बहरहाल केंद्र सरकार से शुरुआत होनी चाहिए, क्योंकि एमएसपी केंद्र ही तय करता है। वहां से कोई सुविचारित पहल की जानी चाहिए। अलबत्ता यह 'यलगार' भी दिल्ली के किसान आंदोलन से विराट रूप धारण कर सकता है।

> राज्य सरकार 1 रुपए की जो 'प्रतीकात्मक किस्त' देती थी, उसे भी बंद कर दिया गया है, क्योंकि उससे 5000 करोड़ रुपए की बचत हुई है। लिहाजा किसान एक बार फिर आंदोलित हैं। उन्होंने महाराष्ट्र के नागपुर में 'यलगार' का उद्घोष किया है। करीब 1.5 लाख किसानों ने सड़कें अवरुद्ध कर चक्का जाम कर दिया है, नतीजतन बॉम्बे उच्च न्यायालय को खुद संज्ञान लेकर आदेश जारी करना पड़ा है कि किसान सड़कें, राजमार्ग खाली करें। जनता को बहुत असुविधा हो रही है, लेकिन बुधवार रात तक किसान 'यलगार' को जारी रखने पर आमादा थे। आंदोलन का नेतृत्व पूर्व मंत्री बच्चू कड़ू कर रहे हैं, जो 'प्रहार जनशक्ति पार्टी' के संस्थापक हैं। सवाल है कि 'यलगार' किसानों का है अथवा यह राजनीतिक लामबंदी है? हालांकि राज्य सरकार ने जून, 2025 में कर्जमाफी पर एक कमेटी बनाई थी। उसकी रपट और अनुशंसाएं आ गई हैं अथवा नहीं, यह अभी निश्चित नहीं है। दरअसल बुनियादी मुद्दा किसान की कर्जमाफी का है। केंद्र में कांग्रेस नेतृत्व की यूपीए सरकार ने 2008 में तत्कालीन प्रधानमंत्री डा. मनमोहन सिंह की रूपरेखा के मुताबिक, किसानों के 72,000 करोड़ रुपए के कर्ज माफ किए थे। इस आंकड़े पर विवाद है, क्योंकि मौजूदा प्रधानमंत्री मोदी का दावा है कि कुल 53,000 करोड़ रुपए के कथित कर्ज माफ किए गए। उनमें कई लाभार्थी 'फर्जी' थे अथवा कुछ लोग दिवंगत हो चुके थे, लेकिन उनके नाम पर कर्जमाफी की गई। बहरहाल इस आंकड़े को भी छोड़ते हैं, लेकिन उसके बाद कर्जमाफी एक 'राजनीतिक फैशन' बन गई, लिहाजा राज्य सरकारों ने भी किसानों के कर्ज माफ किए।

कुछ अलग

हमारी कोई ब्रांच नहीं...

करप्शन करने के तरीके और उससे बचने के उपाय सस्ती दरों पर सीखने-खरीदने के लिए हमारे यहां पधारें। एक बार तो पधारो म्हारे देस, भारत मा जनाब! ...हमारी शॉप थ्री सिक्स्टी फाइव इन टू सेवन इन टू ट्वेन्टी फोर डेज खुली रहती है। भुगतान, भ्रष्टाचार के स्तर के अनुसार। ओनली सीओडी अप्लाई। जल्दी कीजिए। सीमित ऑफर।...हमारी कोई ब्रांच नहीं, फिर भी हम इस देश के कण-कण में व्याप्त हैं।...एक बार भ्रष्टाचार करके तो देखिए जनाब।...डर लगे तो! हम बैठे हैं न!...अगर पकड़े गए तो! हम बैठे हैं न!...रेड पड़ गई तो! हम बैठे हैं न!' रेलवे स्टेशन की दीवारों पर लगे इस विज्ञापन को पढक़र वह अब अपनी भ्रष्टाचार की कमजोर नसों को तगड़ा करने के लिए अपने सूट-टाई को संभालते, मुंह को रुमाल से छिपाते, 30, रैगरपुरा, दिल्ली आखिरकार पहुंच ही गया। लगा मानों किसी रेडलाइट एरिया में घुसने जा रहा है।...नहीं, नहीं, आपने गलत समझा। हम भारत की अदालत नहीं।...अरे! क्या बात कर दी भाई साहब, हम सीबीआई भी नहीं, हम मीडिया भी नहीं।

पाकिस्तान अपनी कुचालों का जायज ठहराने एवं अपनी रक्षा की गुहार लगाते हुए भारत पर दबाव बनाना चाहता है

नया सैन्य गठजोड़ भारत के लिए चुनौती

ललित गर्ग

हाल ही में पाकिस्तान समेत संयुक्त अरब अमीरात, कतर और अज़रबैजान के बीच बन रहे सैन्य गठजोड़ की खबरें भारत के लिए गंभीर चिंता का विषय हैं। यह घटनाक्रम न केवल दक्षिण एशिया बल्कि मध्य एशिया और खाड़ी क्षेत्र के भू-राजनीतिक समीकरणों को भी प्रभावित कर रहा है। पाकिस्तान लगातार अपनी रक्षा और कूटनीतिक स्थिति को मज़बूत करने की दिशा में सक्रिय हुआ है और वह ऐसे देशों से निकटता बढ़ा रहा है जो भारत के रणनीतिक हितों के लिए चुनौती बन सकते हैं। भारत को इस नए उभरते गठजोड़ को केवल एक सामान्य रक्षा समझौते के रूप में नहीं देखना चाहिए, बल्कि इसे एक दीर्घकालिक रणनीतिक प्रयास के रूप में समझना चाहिए, जिसका उद्देश्य पाकिस्तान की अंतरराष्ट्रीय स्थिति को सुधारना और भारत पर अप्रत्यक्ष दबाव बनाना है। भारत की विदेश नीति और सुरक्षा के मद्देनजर इस तरह के गठबंधन बड़ी चुनौती के लिहाज देखे जाने चाहिए। पिछले महीने पाकिस्तान और सऊदी अरब के बीच हुए ऐतिहासिक सैन्य समझौते, जिसके तहत एक देश पर हुआ हमला दूसरे देश पर भी माना जाएगा, की तर्ज पर ही इस सैन्य गठजोड़ का विचार सामने लाया गया है। हालांकि इन चार देशों के बीच अभी कोई औपचारिक समझौता नहीं हुआ है, लेकिन माना जा रहा है कि अगले कुछ महीनों में इसकी घोषणा हो जाएगी। गौरतलब है कि तुर्किये, पाकिस्तान और अजरबैजान का त्रिपक्षीय गठबंधन, जिसे थ्री ब्रदर्स के नाम से जाना जाता है, एक मजबूत सैन्य साझेदारी का रूप ले चुका इसके अतिरिक्त, इस्लामिक मिलिट्री काउंटर टेररिज्म कोएलिशन (आईएमसीटीसी) भी है, जिसका संस्थापक सऊदी अरब है और जिसमें चालीस से अधिक सदस्य देश शामिल हैं। इन देशों के बीच सैन्य अभ्यास, हथियार सौदे और कश्मीर जैसे मुद्दों पर इनका स्वाभाविक सामूहिक रुख भारत के लिए चिंता का विषय रहा है। इससे पाकिस्तान अपनी कुचालों का जायज ठहराने एवं अपनी रक्षा की गुहार लगाते हुए भारत पर दबाव बनाना चाहता है। नहीं भूलना चाहिए कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद जब भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर चलाया, तब ज्यादातर मुस्लिम देशों ने तटस्थ रुख अपनाया था, लेकिन तुर्किये और अजरबैजान दो ऐसे मुल्क थे, जो पूरी तरह से पाकिस्तान के समर्थन में खड़े थे। दरअसल, तुर्किये के राष्ट्रपति तैयब अर्दोआन की इस्लामिक दुनिया के मॉडर्न खलीफा बनने की सनक का पाकिस्तान समर्थन करता है, इसी वजह से तुर्किये ने संयुक्त राष्ट्र में भी कश्मीर पर पाकिस्तान के रुख का खुला समर्थन किया है। सऊदी अरब और पाकिस्तान के बीच हुआ हालिया रक्षा समझौता इस बात का संकेत है कि पाकिस्तान अब अपनी सुरक्षा रणनीति को क्षेत्रीय स्तर पर फैलाने में सफल हो रहा है। यह समझौता इस सिद्धांत पर आधारित है कि अगर किसी एक देश पर हमला होता है तो दोनों की संयुक्त प्रतिक्रिया होगी। यह बात भारत के लिए सीधे तौर पर खतरे की घंटी है क्योंकि इससे

> पाकिस्तान लगातार अपनी रक्षा और कूटनीतिक स्थिति को मज़बूत करने की दिशा में सक्रिय हुआ है और वह ऐसे देशों से निकटता बढ़ा रहा है जो भारत के रणनीतिक हितों के लिए चुनौती बन सकते हैं। भारत को इस नए उभरते गठजोड़ को केवल एक सामान्य रक्षा समझौते के रूप में नहीं देखना चाहिए, बल्कि इसे एक दीर्घकालिक रणनीतिक प्रयास के रूप में समझना चाहिए, जिसका उद्देश्य पाकिस्तान की अंतरराष्ट्रीय स्थिति को सुधारना और भारत पर अप्रत्यक्ष दबाव बनाना है। भारत की विदेश नीति और सुरक्षा के मद्देनजर इस तरह के गठबंधन बड़ी चुनौती के लिहाज देखे जाने चाहिए। पिछले महीने पाकिस्तान और सऊदी अरब के बीच हुए ऐतिहासिक सैन्य समझौते, जिसके तहत एक देश पर हुआ हमला दूसरे देश पर भी माना जाएगा, की तर्ज पर ही इस सैन्य गठजोड़ का विचार सामने लाया गया है।

पाकिस्तान को रक्षा सहायता, प्रशिक्षण, संसाधन और राजनीतिक समर्थन प्राप्त हो सकता है। इसी तरह पाकिस्तान अज़रबैजान, यूएई और कतर जैसे देशों के साथ भी अपने संबंधों को मजबूत करने में जुटा है। इन देशों के साथ पाकिस्तान का यह बढ़ता सामरिक सहयोग उसके लिए आर्थिक और तकनीकी लाभ भी लेकर आ सकता है, जिससे भारत के लिए क्षेत्रीय संतुलन बनाए रखना कठिन हो सकता है। भारत को इन परिस्थितियों में अपनी विदेश नीति को अधिक सशक्त और लचीला बनाना होगा। अब वह समय बीत चुका है जब भारत केवल पारंपरिक प्रतिद्वंद्विता और सीमित क्षेत्रीय चिंताओं के आधार पर नीति बनाता था। आज की दुनिया में भू-राजनीति बहुस्तरीय हो चुकी है, जहां आर्थिक संबंध, तकनीकी साझेदारी और रक्षा सहयोग एक-दूसरे से गहराई से जुड़े हुए हैं। भारत को चाहिए कि वह अपने खाड़ी देशों से संबंधों को और सुदृढ़ करे। यूएई और सऊदी अरब जैसे देशों के साथ भारत के आर्थिक और सांस्कृतिक संबंध पहले से ही मजबूत हैं, पर उन्हें रक्षा सहयोग के स्तर पर भी विस्तारित करने की जरूरत है। भारत यदि इन देशों के साथ रणनीतिक साझेदारी बढ़ाता है तो पाकिस्तान को क्षेत्रीय स्तर पर अलग-थलग करने में मदद मिल सकती है। साथ ही भारत को यह भी समझना होगा कि पाकिस्तान केवल सैन्य ताकत पर नहीं, बल्कि कूटनीतिक चालों और मीडिया नैरेटिव के माध्यम से भी अपनी स्थिति को मजबूत करने का प्रयास कर रहा है। ऐसे में भारत को न केवल रक्षा मोर्चे पर बल्कि कूटनीतिक और सूचनात्मक मोर्चे पर भी सक्रिय रहना होगा। भारत की नीति प्रतिक्रियात्मक न होकर सक्रिय, दूरगामी और अग्रदर्शी होनी चाहिए। भारत को यह दिखाना होगा कि वह केवल अपनी सीमाओं की रक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि क्षेत्रीय स्थिरता और वैश्विक शांति का भी एक भरोसेमंद संरक्षक है। भारत ही दुनिया से आतंकवाद को समाप्त करने की मुहिम छेड़े हुए है। भारत के लिए यह भी जरूरी है कि वह अपने मित्र देशों के साथ सामूहिक सुरक्षा दृष्टिकोण विकसित करे। जिस तरह अमेरिका और यूरोपीय संघ सामूहिक रक्षा नीति पर चलते हैं, उसी तरह भारत को भी इंडो-पैसिफिक क्षेत्र, एसोसिएशन ऑफ साउथइस्ट ऐशियन नेशनस्-देशों और मध्य पूर्व में सहयोगी नेटवर्क को सुदृढ़ करना चाहिए। यह केवल सैन्य दृष्टि से नहीं बल्कि कूटनीतिक और आर्थिक दृष्टि से भी भारत की स्थिति को मजबूत करेगा।

पाकिस्तान की नई विदेश नीति की दिशा साफ है- वह भारत को घेरने की कोशिश कर रहा है, चाहे वह चीन के साथ सीपेक परियोजना के माध्यम से हो या अब मध्य-पूर्व के देशों के साथ रक्षा सहयोग के जरिए। भारत को इस घेराबंदी को तोड़ने के लिए तीन दिशा में एक साथ काम करना होगा- अपनी रक्षा क्षमता को आधुनिक बनाना, विदेश नीति में सक्रियता लाना, और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की सकारात्मक छवि को और प्रखर बनाना। यह स्थिति भारत के लिए केवल एक चुनौती नहीं बल्कि अपनी सामरिक दूरदर्शिता को सिद्ध करने का अवसर भी है। भारत यदि समय रहते अपने पड़ोस में बढ़ते इस सैन्य गठजोड़ की गंभीरता को समझ लेता है और सक्रिय कदम उठाता है, तो वह न केवल पाकिस्तान की कूटनीतिक चालों को निष्प्रभावी बना सकता है, बल्कि दक्षिण एशिया को स्थिरता और सहयोग के नए मॉडल के रूप में प्रस्तुत कर सकता है।

इन चार राष्ट्रों का सैन्य गठबंधन भारत के लिए एक चेतावनी है कि भू-राजनीति में देशों के बीच धार्मिक एकजुटता नए रूप में सामने आ रही है, ऐसे में क्षेत्रीय शांति और सुरक्षा बनी रहे, इसके लिए भारत को अपनी रक्षा क्षमताओं को मजबूत करते हुए कूटनीतिक मोर्चे पर भी सक्रिय बने रहना होगा। भारत पिछले कई वर्षों से पाकिस्तान, तुर्की और अजरबैजान को काउंटर करने के लिए अलग-अलग रणनीतियों पर काम कर रहा है। इनमें इन तीनों देशों के दुश्मनों की मदद से लेकर इन्हें आर्थिक तरीके से चोट पहुंचाना भी शामिल है। पाकिस्तान के खिलाफ भारत के कदमों से हर कोई परिचित है। अब बात करते हैं तुर्की की। भारत ने तुर्की को काउंटर करने के लिए उसके सबसे बड़े दुश्मन ग्रीस के साथ रक्षा संबंधों को मजबूत किया है। इसके अलावा भारत ने साइप्रस के मुद्दे को भी अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उठाना शुरू किया है, जिसकी जमीन पर तुर्की ने अवैध रूप पर कब्जा जमाया हुआ है। वहीं, भारत ने तुर्की को अपने बाजार में प्रवेश को लेकर भी सख्तियां बरती है। इस सैन्य गठजोड़ के हकीकत बनने की सूरत में भारत के लिए जरूरी होगा कि वह आर्मेनिया, ग्रीस और साइप्रस के साथ अपने संबंध मजबूत करे और यूएई के साथ भी द्विपक्षीय रिश्तों को और प्रगाढ़ बनाए, जो भारत का बड़ा व्यापारिक भागीदार रहा है और आम तौर पर इस्लामिक मुद्दों पर तटस्थ रुख रखता है। आज भारत को यह मानना होगा कि "सुरक्षा" अब केवल हथियारों का मामला नहीं है, यह अर्थव्यवस्था, कूटनीति, और तकनीक का समन्वित प्रश्न बन चुका है। पाकिस्तान की नई चालें एवं कुचालें हमें केवल सतर्क रहने की नहीं, बल्कि सजग, सक्रिय और रणनीतिक रूप से एक कदम आगे रहने की प्रेरणा देती हैं। भारत यदि अपनी नीति में इस नए दृष्टिकोण को शामिल करता है, तो यह गठजोड़ उसके लिए खतरा नहीं बल्कि आत्मसुधार और आत्मसशक्तिकरण का अवसर साबित हो सकता है।

देश दुनिया से

दोषी बच्चा या कोई और?

संत कबीर जी का एक प्रसिद्ध दोहा है 'गुरु कुम्हार सिस कुंभ है, गढ़ी गढ़ी काढ़े खोट/अंतर हाथ सहारा दे, बाहर बाहें चोट', अर्थात गुरु उस कुम्हार की भांति है जो शिष्य रूपी घड़े को सुंदर आकार देने के लिए ऊपर से चोट करता है किंतु अंदर से हाथ लगा कर रखता है कि घड़ा कहीं टूट न जाए। गुरु के द्वारा दिए जाने वाला दंड यदि निस्वार्थ भाव से तथा बिना हानि पहुंचाए दिया जाता है तो उससे विद्यार्थी के व्यक्तित्व का परिष्कार ही होता है। यहां हम गुरु के साथ अभिभावकों को भी ले सकते हैं क्योंकि माता-पिता भी बच्चे के प्रथम गुरु होते हैं। आजकल गुजरात (गांधीनगर) के एक दस साल के लडक़े को सोशल मीडिया पर खूब ट्रोल किया जा रहा है। 'कौन बनेगा करोड़पति' के 17वें सीजन में पांचवीं कक्षा में पढऩे वाला इषित भट्ट नामक बच्चा हॉट सीट पर बैठा। उस बच्चे ने अमिताभ बच्चन के सामने कुछ इस प्रकार का व्यवहार किया जिससे उसे देखने वाले सभी नाराज चल रहे हैं और उसको ट्रोल करने के लिए सोशल मीडिया में होड़ लग गई है। उसे संस्कारहीन, बदतमीज कह रहे हैं। उस बच्चे को देखकर यह लगता है जैसे उसे नियम, अनुशासन, शिष्टाचार कुछ भी नहीं सिखाया गया है। अत्यधिक आत्मविश्वास और शायद कुछ अहंकार के कारण सवाल पूछने से पहले ही वह बोल उठा 'मेरे को रूल्स पता है, इसलिए आप मुझे अभी रूल्स समझाने मत बैठ जाना।' बाद में कार्यक्रम के होस्ट अमिताभ बच्चन जी सवाल पूछना आरंभ करते हैं तो ऑप्शन या विकल्प देने से पहले ही इशित उत्तर लॉक करने के लिए कहता है। उस बच्चे ने बिग बी की किसी भी बात को पूरा नहीं सुना और बीच में ही बात काट कर बदतमीजी की सीमाएं लांघता रहा। हॉट सीट पर बैठकर बड़े-बड़े विद्वान और उम्रदराज लोग भी कहते हैं कि अमिताभ जी आपको देखकर सब भूल गया। हॉट सीट पर अंत तक सभी करोड़पति बनने के लिए सारी लाइफ लाईन प्रयोग करने के बाद भी हॉट सीट नहीं छोडऩा चाहते, पर यह बच्चा तो सबसे ही अलग था। हॉट सीट पर बैठने से पहले न भावुक हुआ, न रोया-धोया, सीधा बिग बी से भिड़ गया और उन्हें बोलने नहीं दिया, न ही पूरे विकल्प ही सुनता और उत्तर देना आरंभ कर देता। कभी कहता यह भी कोई पूछने का सवाल है, कभी कहता अरे प्रश्न तो पूछो। इसके पश्चात एक प्रश्न का उत्तर उसे नहीं आया तो कहा अरे ऑप्शन तो डालो। बाद में बिना पूरे ऑप्शन सुने गलत उत्तर देकर कहने लगा, सर इसमें एक क्या चार लॉक लगा दो, लेकिन लॉक करो। बाद में वह हार कर बिना कुछ लिए चला गया। बिग बी की किसी भी बात को उसने गंभीरता से नहीं सुना। उस बच्चे के व्यवहार ने सोचने पर मजबूर कर दिया कि आखिर इस बच्चे के ऐसे गलत संस्कार का दोषी किसे माना जाए। उसे बदतमीज या उद्दंड कहने वाली रीलों की भरमार लग गई। किसी ने बच्चे के मां-बाप को कोसा। किसी ने बच्चे को असभ्य कहा। वैसे देखा जाए तो हॉट सीट पर बैठे सभी बच्चे बहुत ही बातूनी और आत्मविश्वास से भरे होते हैं, पर यह बच्चा तो आंधी की तरह हॉट सीट पर आया और तूफान की तरह चला गया और अपने पीछे बहुत से गंभीर सवाल छोड़ गया। उस बच्चे की नादानी और मासूमियत पर तरस भी आता है और उसके असंयम, अतिआत्मविश्वास और बदतमीजी पर क्रोध भी आता है, पर क्या वह अकेला इस प्रकार की प्रकृति का दोषी है? आजकल लगभग बहुत से बच्चे इस प्रकार का आचरण करते दिखाई देते हैं। इसमें किसी सीमा तक वातावरण जो उन्हें दिया जा रहा है, उसका भी अहम रोल है। अक्सर माता-पिता अपने बच्चों के लिए यह कहते सुनाई देंगे कि क्या करें हमारा बच्चा कुछ सुनता नहीं। कभी-कभी तो उन्हें इस बात से अधिक गर्व होता है कि उनका बच्चा इतना बुद्धिमान है कि वह अपनी बुद्धि से ही चलना चाहता है। यही माता-पिता की सबसे बड़ी भूल होती है। छोटी-छोटी बातें व्यक्तित्व का निर्माण करती हैं। परिणाम यह होता है कि बच्चों को बचपन से ही मनमानी करने की आदत पड़ जाती है। उसे खूब लाड-प्यार दिया जाता है। आजकल संयुक्त परिवार टूट रहे हैं। एकल परिवार में एक या दो बच्चे होते हैं, जिनकी हर जरूरत को पूरा करना माता-पिता अपना पहला कत्र्तव्य समझते हैं। संयुक्त परिवार में बच्चे अपने भाई-बहनों, चाचा, ताया आदि के बच्चों के साथ मिलकर रहते थे। एक दूसरे के साथ मिल-बांटकर खाना, प्यार से और अनुशासन में रहना और बड़ों का आदर करना, छोटों से प्यार करना सिखाया जाता था, लेकिन आज बच्चे इतने संवेदनशील बना दिए गए हैं कि मां-बाप न कहने से डरते हैं कि बच्चा कहीं आत्महत्या न कर ले। किसी समय गुरुकुल में छात्र शिक्षा ग्रहण करने के साथ गुरु की सेवा व अन्य कार्य भी करते थे। लंबे समय तक गुरुओं के साथ रहकर विद्याध्ययन और गुरु सेवा करके विद्यार्थी संयमित और मर्यादित जीवन का अभ्यस्त हो जाता था। पर आज का बच्चा पाठशाला में भी कोमल बनाया जा रहा है और घर पर भी सबका लाडला है। पाठशाला में नैतिक शिक्षा के लिए समय नहीं होता। मासूम बच्चे का मन-मस्तिष्क कोरे कागज की तरह होता है। उस कोरे कागज में वह जो कुछ देखता-सुनता-ग्रहण करता है, वही अंकित होता चला जाता है। अगर उसे बचपन से ही महापुरुषों की जीवनियां या शिक्षाप्रद व धार्मिक कहानियां सुनाई जाएं तथा अनुशासन में रहना, शिष्टाचार, बड़ों का आदर-सम्मान, अपने से छोटे से प्रेम करना, त्याग और संयम आदि गुण उसमें विकसित किए जाएं तो वह छाप आजीवन रहती है। पर आजकल इन सब बातों के लिए किसी के पास समय नहीं। इसके स्थान पर दो-तीन साल के बच्चे को उनके अभिभावक टीवी में चल रहे कार्टून कार्यक्रम के पास बिठाकर स्वयं अपने काम में मस्त हो जाते हैं। जिस प्रकार का कार्टून कार्यक्रम वह टीवी या मोबाइल में देखता है, उसी तरह के हाव-भाव और बड़ी-बड़ी बातें करना वह सीख जाता है। रही बात संस्कारों की तो परिवार बालक की प्रथम पाठशाला है। इसमें मां-बाप का बहुत बड़ा योगदान होता है। वही बच्चों को अच्छे संस्कार देते हैं। आज बच्चों को आत्मविश्वासी तो बनाया जाता है, पर अनुशासन में रहना और शिष्टाचारी बनना नहीं सिखाया जाता। उद्दंडता और जिद करने की प्रवृत्ति को सुधारने के लिए उसे प्यार से समझाने की जरूरत है।

> 'कौन बनेगा करोड़पति' के 17वें सीजन में पांचवीं कक्षा में पढऩे वाला इषित भट्ट नामक बच्चा हॉट सीट पर बैठा। उस बच्चे ने अमिताभ बच्चन के सामने कुछ इस प्रकार का व्यवहार किया जिससे उसे देखने वाले सभी नाराज चल रहे हैं और उसको ट्रोल करने के लिए सोशल मीडिया में होड़ लग गई है। उसे संस्कारहीन, बदतमीज कह रहे हैं। उस बच्चे को देखकर यह लगता है जैसे उसे नियम, अनुशासन, शिष्टाचार कुछ भी नहीं सिखाया गया है। अत्यधिक आत्मविश्वास और शायद कुछ अहंकार के कारण सवाल पूछने से पहले ही वह बोल उठा 'मेरे को रूल्स पता है।

आप का नजरिया

धमकियों की गुलेल

कुछ धमकियों की गुलेल ने पूरे हिमाचल को आहत किया है। शिमला के रोहड़ू उपमंडल का गवाणा प्राथमिक स्कूल उस वक्त अभिशप्त हो गया जब एक शिक्षिका ने बच्चे की नादानी को सबक सिखाने की हिंसक प्रवृत्ति से जोड़ लिया। एक छोटे से बच्चे को निर्वस्त्र अवस्था में कंटीली झाड़ी से पीटने की निर्ममता, अगर स्कूल के आंचल में पैदा हो गई, तो इस तरह की वारदात का हश्र क्या होगा। एक छात्र अपनी ही शिक्षिका की क्रूरता का शिकार हुआ तो यह कहना पड़ेगा कि विभाग की बागडोर अब किसी आचार संहिता का मजमून नहीं। विडंबना यह है कि शिक्षा विभाग के भीतर प्रायः असामान्य घटनाएं हो रही हैं और इनका संज्ञान सिर्फ हल्की सी कार्रवाई के तहत पौंछा लगा देता है। यह इसलिए भी कि शिक्षा विभाग अपनी तरह की राजनीति का अखाड़ा है, जहां शिक्षक वर्ग विभिन्न संगठनों के लबादे में शिक्षण की पद्धति और रूह की हत्या का दोषी है। किसी भी सरकारी स्कूल की इतनी औकात नहीं कि अभिभावक अपने बच्चों का भविष्य सुखद बनाने के लिए इन्हीं का चयन करें। अगर मजबूरी का सियासी तौर-तरीका जबरन स्कूल चलाने की नौबत न हो तो आधे परिसर औंधे मुंह गिर जाएंगे। हैरानी यह कि संख्या में पिछड़ रहे सरकारी स्कूलों के शिक्षक भी अगर शिक्षा को ढोने का फितूर पाल लें या पूरे कस्बे या कुनबे को सिर पर उठा लें, तो किस्से हमारे चरित्र की अंतिम पायदान पर कुचले जाएंगे। हिमाचल के चारित्रिक, सांस्कृतिक, सामाजिक व भविष्य के निर्माण में सरकारी स्कूल के अध्याय सिमट गए हैं, क्योंकि शिक्षक संगठनों की सियासी ताजपोशियों में पूरे विभाग का विभाजन हो चुका है। जाहिर तौर पर रोहड़ू के विवादित स्कूल की विवादित शिक्षिका भी कहीं न कहीं किसी संगठन की कठपुतली और मन मुताबिक कार्य स्थल चुनने की हकदार रही होगी। कंटीली झाड़ी से अपने ही शिष्य को पीटने वाली मोहतरमा जिस दबंगता से वीडियो में नजर आ रही हैं, वहां सारी कला और कौशल सियासत का विशेषाधिकार प्राप्त होगा। एक शिक्षिका में हम समाज, प्रदेश और देश का दायित्व देख सकते हैं। जिस समाज से शिक्षिका का वजूद उभर रहा है, उसी से पूरा परिदृश्य भी लहूलुहान हो रहा है। कांगड़ा के नागनी माता मंदिर परिसर में सुनियोजित अग्निकांड के माध्यम से एक व्यक्ति ने निजी खुन्नस की माचिस जलाकर कुछ दुकानें जला दीं। अग्निकांड की धमकी देकर यह शख्स मालिक से दुकान ऐंठना चाह रहा था और जब कामयाब नहीं हुआ, तो आग के हवाले पूरा परिसर कर दिया। धमकियों का वीभत्स पूरे हिमाचल में माफिया का रुतबा अख्तियार कर रहा है। आसान धनोपार्जन, विभागीय पहुंच, सियासी प्रश्रय और कारिंदागिरी के माध्यम से हिमाचल में चोर-सिपाही का खेल आंखों में धूल झोंक रहा है। धीरे-धीरे युवा आशाएं अलग दिशा पकड़ रही हैं। हिमाचल की समृद्धि का सूचकांक बदल गया है। मुजारा एक्ट से पहले खेती से समृद्धि होती थी, अब खेत या पहाड़ खोद कर दौलतमंद होने का एक बड़ा अभियान चला है। राज्य का व्यवहार भी बदल चुका है। आसान नहीं है जीवन के हर पहलू से गुजर जाना। यहां एक शासक वर्ग तैयार हो रहा है। व्यवस्था में सौ फीसदी फर्ज निभाने की क्षमता का क्षरण अब नागरिक समाज के भीतर आपसी धमकियों का खुलासा कर रहा है। सरे आम युवा पीढ़ी को उजाडऩे की धमकी में चिट्टे के व्यापारी बढ़ रहे हैं, तो सत्ता के अधिकारों में संपर्क साधने का कौशल निर्णायक सिद्ध हो रहा है। किसी की फाइल मीलों लंबी यात्रा के बाद भी राहत नहीं देती और कहीं मामूली सी पृष्ठभूमि से निकले लोग अब अपनी जन्नत सजा रहे हैं। हिमाचल के हाथों में कंटीली झाडिय़ां उग आई हैं, अंतर यह है कि कभी मासूम बच्चों पर कहर ढहाएंगी और कभी किसी के पक्ष में कानून को सहलाएंगी।

> शिमला के रोहड़ू उपमंडल का गवाणा प्राथमिक स्कूल उस वक्त अभिशप्त हो गया जब एक शिक्षिका ने बच्चे की नादानी को सबक सिखाने की हिंसक प्रवृत्ति से जोड़ लिया। एक छोटे से बच्चे को निर्वस्त्र अवस्था में कंटीली झाड़ी से पीटने की निर्ममता, अगर स्कूल के आंचल में पैदा हो गई, तो इस तरह की वारदात का हश्र क्या होगा। एक छात्र अपनी ही शिक्षिका की क्रूरता का शिकार हुआ तो यह कहना पड़ेगा कि विभाग की बागडोर अब किसी आचार संहिता का मजमून नहीं। विडंबना यह है कि शिक्षा विभाग के भीतर प्राय: असामान्य घटनाएं हो रही हैं और इनका संज्ञान सिर्फ हल्की सी कार्रवाई के तहत पौंछा लगा देता है। यह इसलिए भी कि शिक्षा विभाग अपनी तरह की राजनीति का अखाड़ा है, जहां शिक्षक वर्ग विभिन्न संगठनों के लबादे में शिक्षण की पद्धति और रूह की हत्या का दोषी है। किसी भी सरकारी स्कूल की इतनी औकात नहीं कि अभिभावक अपने बच्चों का भविष्य सुखद बनाने के लिए इन्हीं का चयन करें। अगर मजबूरी का सियासी तौर-तरीका जबरन स्कूल चलाने की नौबत न हो तो आधे परिसर औंधे मुंह गिर जाएंगे। हैरानी यह कि संख्या में पिछड़ रहे सरकारी स्कूलों के शिक्षक भी अगर शिक्षा को ढोने का फितूर पाल लें या पूरे कस्बे या कुनबे को सिर पर उठा लें, तो किस्से हमारे चरित्र की अंतिम पायदान पर कुचले जाएंगे। हिमाचल के चारित्रिक, सांस्कृतिक, सामाजिक व भविष्य के निर्माण में सरकारी स्कूल के अध्याय सिमट गए हैं, क्योंकि शिक्षक संगठनों की सियासी ताजपोशियों में पूरे विभाग का विभाजन हो चुका है।

दृष्टि कोण

बिहार के चुनाव पर नेपाली निगाहें

नेपाल के मेट्रो शहर वीरगंज में प्रोफेसर भाग्यनाथ प्रसाद गुप्ता मधेस राजनीति की सुपरिचित शख़्सियत में से हैं। फोन पर पूछा, कि आम नेपाली किस नुक्ते-नज़र से बिहार चुनाव को देखता है? जवाब, एक नेपाली कहावत के रूप में पेश था- 'अन्धो गाई र लंगडो गोरु' अर्थात, 'अंधी गाय और लंगड़ा बैल'। ऐसी कहावत का उपयोग तब किया जाता है, जब दो असमर्थ लोग मिलकर एक दूसरे की मदद करते हैं। इस कहावत के बहुआयामी निहितार्थ हैं। संसाधनों के मामलों में नेपाल सम्पूर्ण नहीं है। जहां उसे बिहार से मदद चाहिये, मिलती है। और जब सीमा पार बिहार में मुश्किलें होती हैं, नेपाल की जनता और व्यापारी, सेवाभाव से प्रस्तुत होते हैं। 1751 किलोमीटर लंबी भारतीय सीमा नेपाल से लगती है। इनमें भारत के पांच राज्यों की सीमाएं : बिहार, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल और सिक्किम बाड़बंदी के बग़ैर हैं। सबसे लंबी सीमा बिहार की 756 किलोमीटर, और सबसे छोटी सीमा सिक्किम की मात्र 99 किलोमीटर है। बिहार के सात सीमावर्ती ज़िले- पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण, सीतामढ़ी, मधुबनी, सुपौल, अररिया, किशनगंज हैं। नेपाल के हवाले से बहुत पुरानी कहावत इस्तेमाल होती रही, 'बेटी-रोटी का सम्बन्ध।' लेकिन, अब उसकी व्याख्या व्यापक है। बेटी-रोटी का सम्बन्ध केवल वोट बैंक तक महदूद नहीं है, विभिन्न दलों के जो प्रत्याशी खड़े होते हैं, उनके चुनावी खर्च का एक बड़ा हिस्सा नेपाल के उद्योग-व्यापार वाले वहन करते हैं। वैसे 21 विधानसभा क्षेत्र हैं, जो बिलकुल बॉर्डर लाइन पर हैं। दरअसल, बेटी-रोटी का कॉन्सेप्ट इन्हीं वजहों से शुरू होता है। लगभग हर तीसरे-चौथे परिवार की रिश्तेदारी नेपाल में दिखाई देती है। चुनांचे, जब नेपाल में चुनाव होता है, भारत वाले दोस्त, रिश्तेदार एक्टिव हो जाते हैं, उसी तरह जब भारत के इन पांच राज्यों में चुनाव होता है, नेपाल का सरोकार सामने आ जाता है। लेकिन, चुनावी दायरा 21 विधानसभा क्षेत्रों तक सीमित नहीं है। ऐसे सात सीमावर्ती ज़िले बिहार के हैं, जिनके मुख्यालय की राजनीतिक गतिविधियों में नेपाल के लोगों की दिलचस्पी बनी रहती है। चुनावी सभा चाहे दरभंगा में हो, या कि मोतिहारी में, राहुल-मोदी अथवा अमित शाह को देखने नेपाल के लोग पहुंच ही जाते हैं। बिहार में इस तरह के 60 से 65 विधानसभा क्षेत्र हैं, जिनके भावी विधायकों, मंत्रियों, सांसदों के 'गुड बुक' में बने रहने की कवायद नेपाल में चलती रहती है। दूसरा, मुस्लिम फैक्टर भी है, लगभग 80 फ़ीसद मुस्लिम आबादी तराई क्षेत्र में है, शेष 20 प्रतिशत मुसलमान मुख्यतः काठमांडू, गोरखा और पश्चिम नेपाल की पहाड़ियों तक सीमित हैं। लेकिन, जो बॉर्डर लाइन के नेपाली मुसलमान हैं, बताना अब ज़रूरी नहीं रह गया, कि बिहार में होने वाले चुनाव में वो किसकी जीत के ख्वाहिशमंद हैं। आप देख सकते हैं, चम्पारण के ढाका तथा सीमांचल के चार ज़िले पूर्णिया, कटिहार, अररिया और किशनगंज वाले अल्पसंख्यकों का राब्ता, नेपाल में एक्टिव मुसलमानों से रहता है। बिहार-नेपाल व्यापार के लिए बारा, पर्सा, महोत्तरी, मोरंग, धनुषा, सर्लाही, रौतहट, सुनसरी और झापा ज़िलों से जुड़े 10 ट्रांज़िट पॉइंट शामिल हैं। मुख्य व्यापार में कृषि उत्पाद, दूध प्रसंस्करण, नॉन-वोवन बैग निर्माण, पशुधन के लिए खनिज और विटामिन मिश्रण वाला उत्पादन, औषधि, पेट्रोलियम, लिथियम आयन सौर बैटरी, कॉस्मेटिक्स से लेकर कपड़े और इलेक्ट्रॉनिक सामान तक शामिल हैं। लेकिन अब इसमें नया तड़का लगा है, शराब और शबाब का, जिसने एक नई क़स्मि की कनेक्टिविटी दोनों देशों में पैदा की है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आपका विनम्र स्वभाव सराहा जाएगा। कई लोग आपकी ख़ासी तारीफ़ कर सकते हैं। किसी करीबी रिश्तेदार की मदद से आज आप अपने करोबार में अच्छा कर सकते हैं जिससे आपको आर्थिक लाभ भी होगा। कोई आपको नुक़सान पहुँचाने की कोशिश कर सकता है। अगर आप हिसाब बराबर करना चाहें, तो ऐसा सलीके से ही किया जाना चाहिए। आपका प्रिय दिन भर आपको याद करने में समय बिताएगा। यात्रा के मौक़ों को हाथ से नहीं जाने देना चाहिए। संभावना है कि आपके और आपके जी–वनसाथी के बीच तनाव और बढ़ सकता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आप आज ख़ुद को रोज़ाना की अपेक्षा कम ऊर्जावान महसूस करेंगे। स्वयं को ज़रूरत से ज़्यादा काम के नीचे न दबाएँ, थोड़ा आराम करें और आज के कामों को कल तक के लिए टाल दें। आप पैसा बना सकते हैं, बशर्ते आप अपनी जमा–पूंजी पारम्परिक तौर पर निवेश करें। जो लोग आपके क़रीब हैं, वे आपका ग़लत फ़ायदा उठा सकते हैं। अपने प्रिय से दूर होने के बावजूद आप उसकी मौजूदगी महसूस करेंगे। कामकाज के मोर्चे पर आपको सबसे स्नेह और सहयोग प्राप्त होगा। जो चीजें आपके लिए आवश्यक नहीं हैं उनपर आज अपना अधिकतर समय आप जाया कर सकते हैं।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज किया गया निवेश आपकी समृद्धि और आर्थिक सुरक्षा में इज़ाफ़ा करेगा। अपने मित्रों या संबंधियों को अपना आर्थिक काम–काज और रुपये–पैसे का प्रबंधन न करने दें, नहीं तो जल्दी ही आप आपने तयशुदा बजट से कहीं आगे निकल जाएंगे। नए कामों को पूरा करने में महिला सहकर्मियों का भरपूर सहयोग मिलेगा। खाली वक्त आज व्यर्थ की बहसों में खराब हो सकता है जिससे दिन के अंत में आपको खिन्नता होगी। यह दिन आपके सामान्य वैवाहिक जीवन से कुछ हटकर होने वाला है। आपको अपने जी–वनसाथी की ओर से कुछ ख़ास देखने को मिल सकता है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आउटडोर खेल आपको आकर्षित करेंगे– ध्यान और योग आपको फ़ायदा पहुँचाएंगे । जीत का जश्न आपके दिल को ख़ुशी से भर देगा। कुछ ख़रीदने से पहले उन चीज़ों का इस्तेमाल करें, जो पहले से आपके पास हैं। बच्चे आपको अपनी उपलब्धियों से गर्व का अनुभव कराएंगे। किसी के साथ नयी परियोजना या भागीदारी वाले व्यवसाय को शुरू करने से बचें। मुमकिन है कि आपके माता–पिता आपके जीवनसाथी को कुछ शानदार आशीर्वाद दें, जिसके चलते आपके वैवाहिक जीवन में और निखार आएगा।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज आपको आराम करने और क़रीबी दोस्तों व परिवार के साथ ख़ुशी के कुछ पल बिताने की ज़रूरत है। धन का आगमन आज आपको कई आर्थिक परेशानियों से दूर कर सकता है। पारिवारिक सदस्य या जीवन–साथी तनाव की वजह बन सकते हैं। कामकाज में आपको काफ़ी फ़ायदा हो सकता है। आज आप सारे रिश्तों और रिश्तेदारों से दूर होकर अपना दिन किसी ऐसी जगह पर बिताना पसंद करेंगे जहां जाकर आपको शांति प्राप्त होती है। आपका जीवनसाथी आज आपके लिए कुछ बहुत ख़ास करने वाला है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

बहुत ज़्यादा तनाव और चिंता करने की आदत सेहत को नुक़सान पहुँचा सकती है। आपके पास आज पैसा भी पर्याप्त मात्रा में होगा और इसके साथ ही मन में शांति भी होगी। एक नज़दीकी रिश्तेदार ख़ुद के लिए आपका ज़्यादा ध्यान चाहेगा, हालाँकि वह काफ़ी मददगार और ख़याल रखने वाला होगा। आप जीतोड़ मेहनत और धीरज के बल पर अपने उद्देश्य हासिल कर सकते हैं। आपको याद रखने की ज़रूरत है कि भगवान उसी की मदद करता है, जो ख़ुद अपनी मदद करता है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आपका कोई दोस्त आपसे आज बड़ी रकम उधार मांग सकता है, अगर आप उनको यह रकम देते हैं तो आप आर्थिक तंगी में आ सकते हैं। बच्चे आपको घरेलू काम–काज निबटाने में मदद करेंगे। अपने प्रिय को समझने की कोशिश करें, नहीं तो मुश्किल में फँस सकते हैं। योजनाओं को अमली जामा पहनाने और नयी परियोजनाओं को शुरू करने के लिए अच्छा दिन है। आज आप सारे रिश्तों और रिश्तेदारों से दूर होकर अपना दिन किसी ऐसी जगह पर बिताना पसंद करेंगे जहां जाकर आपको शांति प्राप्त होती है। जीवनसाथी के साथ थोड़ा हँसी–मज़ाक़ आपका यादगार दिन बना सकती हैं

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

चूँकि यात्रा के लिहाज़ से आप अभी कुछ कमज़ोर हैं, इसलिए लंबी यात्राओं से बचने की कोशिश कीजिए। आपको कई स्रोतों से आर्थिक लाभ होगा। आपमें से कुछ गहने या घरेलू सामान ख़रीद सकते हैं। आज आप अपने जीवन की परेशानियों को अपने संगी से साझा करना चाहेंगे लेकिन वो अपनी परेशानियों के बारें में बता के आपको और ज्यादा परेशान कर देंगे। व्यवसायियों के लिए अच्छा दिन है, क्योंकि उन्हें अचानक बड़ा फ़ायदा हो सकता है। दिन अच्छा है दूसरों के साथ–साथ आप अपने लिए भी वक्त निकाल पाएंगे।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

अपने जीवन–साथी के साथ पारिवारिक समस्याओं को साझा करें। एक–दूसरे को फिर से भली–भांति जानने के लिए थोड़ा और वक़्त एक–दूसरे के साथ बिताएँ और ख़ुद की स्नेही जोड़े की छवि को मज़बूत करें। आपके बच्चे भी घर में ख़ुशी और सुकून के माहौल को महसूस कर सकेंगे। अपने निवेश और भविष्य की योजनाओं को गुप्त रखें। आज आप अपने किसी वादे को पूरा नहीं कर पाएंगे जिसकी वजह से आपका प्रेमी आपसे नाराज हो जाएगा। किसी नयी परियोजना पर काम करने से पहले अच्छी तरह सोच–विचार लें।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

बच्चों के साथ खेलना बहुत अच्छा और सुकून देने वाला अनुभव रहेगा। किसी करीबी दोस्त की मदद से आज कुछ करोबारियों को अच्छा–खासा धन लाभ होने की संभावना है। यह धन आपकी कई परेशानियों को दूर कर सकता है। आपको अपना बाक़ी वक़्त बच्चों के संग गुज़ारना चाहिए, चाहे इसके लिए आपको कुछ ख़ास ही क्यों न करना पड़े। जो कला और रंगमंच आदि से जुड़े हैं, उन्हें आज अपना कौशल दिखाने के लिए कई नए मौक़े मिलेंगे। जो लोग घर से बाहर रहते हैं आज वो अपने सारे काम पूरे करके शाम के समय किसी पार्क या एकांत जगह पर समय बिताना पसंद करेंगें।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आपके द्वारा धन को बचाने के प्रयास आज असफल हो सकते हैं हालांकि आपको इससे घबराने की जरुरत नहीं है स्थिति जल्द ही सुधरेगी। आपके परिवार वाले किसी छोटी–सी बात को लेकर राई का पहाड़ बना सकते हैं। आप आज प्यार की मनोदशा में होंगे– और आपके लिए काफ़ी मौक़े भी होंगे। अगर आप कोई नया व्यवसाय या योजना शुरू करने की सोच रहे हैं तो जल्दी ही फ़ैसला करें, क्योंकि आपके सितारे महरबान हैं। जो आप करना चाहते हैं, उस ओर क़दम बढ़ाने में घबराएँ नहीं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

तरोताज़ा होने के लिए अच्छी तरह से आराम करें। धन की आवाजाही आज दिन भर होती रहेगी और दिन ढलने के बाद आप बचत करने में भी सक्षम हो पाएंगे। किसी धार्मिक स्थल या संबंधी के यहाँ जाने की संभावना है। अपनी व्यक्तिगत भावनाएँ और गोपनीय बातें अपने प्रिय से बाँटने का सही समय नहीं है। व्यापारियों के लिए अच्छा दिन है। व्यवसाय के लिए अचानक की गयी कोई यात्रा सकारात्मक परिणाम देगी। जीवन की आप–धापी के बीच आज आप अपने बच्चों के लिए वक्त निकालेंगे। उनके साथ वक्त गुजार के आपको महसूस हो सकता है कि आपने जीवन के कई जरुरी पल गवां दिए हैं।

आज का पंचांग

दिनांक : 01 नवंबर 2025 , शनिवार
विक्रम संवत : 2082
मास : कार्तिक , शुक्ल पक्ष
तिथि : दशमी प्रातः 09:13 तक
नक्षत्र : शतभिषा सायं 06:21 तक
योग : ध्रुव रात्रि 02:09 तक
करण : गर प्रातः 09:13 तक
चन्द्रराशि : कुंभ
सूर्योदय : 06:14, सूर्यास्त 05:44 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:13, सूर्यास्त 05:53 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:06, सूर्यास्त 05:44 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:05,सूर्यास्त 05:36 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

शुभ : 07:30 से 09:00
चल : 12:00 से 01:30
लाभ : 01:30 से 03:00
अमृत : 03:00 से 04:30
राहुकाल : प्रातः 09:00 से 10:30
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : उडद खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : भद्रा रात्रि 08:28 से , पंचक चालू है , कार्तिक मासे दीप–दानम् विशेष:

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

राजस्थान के विकास में प्रवासी राजस्थानियों के योगदान को मिलेगा बढ़ावा : भजनलाल शर्मा

जयपुर,31 अक्टूबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार प्रवासी राजस्थानियों के सम्मान में आगामी 10 दिसंबर को प्रवासी राजस्थान दिवस का आयोजन करने जा रही है। यह वैश्विक प्रवासी राजस्थानी समुदाय का राजस्थान से जुड़ाव को मज़बूत करने के लिए महत्वपूर्ण मंच साबित होगा। साथ ही, इससे प्रदेश के विकास में प्रवासी राजस्थान के योगदान को बढ़ावा मिलेगा। शर्मा शुक्रवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में प्रवासी राजस्थानी दिवस के संबंध में आयोजित समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कार्यक्रम में आयोजित होने वाले सेक्टोरल सत्र में प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में निवेश की संभावनाओं एवं उस क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञों को जोड़ने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान विश्व में अपने ऐतिहासिक किलों, महलों एवं हवेलियों के लिए जाना जाता है। प्रदेश में पर्यटन का हैरिटेज पर्यटन से आगे अन्य क्षेत्रों में भी बढ़ाया जाए। इसके लिए प्रदेश में वॉटर एक्टिविटीज सहित अन्य एडवेंचर आधारित टूरिज्म के नए आयामों को विकसित किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रवासी राजस्थान दिवस पर पर्यटन के सेक्टोरल सत्र में टूरिज्म एवं ट्रैवल उद्योग के विशेषज्ञों के साथ ही एडवेंचर आधारित क्षेत्र के प्रतिनिधियों को भी शामिल किया जाए।

शर्मा ने कहा कि शिक्षा पर आधारित सेक्टोरल सत्र में विशेषज्ञों के साथ ही इस क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले प्रवासी राजस्थानियों को भी आमंत्रित किया जाए। साथ ही, स्वास्थ्य सेक्टोरल सत्र के लिए स्वास्थ्य शिक्षा, फार्मा एवं तकनीकी से जुड़े उद्योग प्रतिनिधियों को जोड़ा जाए। उन्होंने कहा कि जल संसाधन के सेक्टोरल सत्र में जल अवसंरचनाओं की नवीनतम तकनीकों के साथ ही परंपरागत पद्धतियों के विशेषज्ञों को शामिल किया जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस अवसर पर सामाजिक, आर्थिक एवं औद्योगिक आदि क्षेत्रों में योगदान एवं उपलब्धि अर्जित करने वाले प्रवासी राजस्थानियों को सम्मान पुरस्कार भी प्रदान किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि इन पुरस्कारों में दिए जाने वाले स्मृतिचिन्ह आदि को राजस्थान की लोक कला से जोड़ा जाए।

राष्ट्रीय राजमार्ग पर 7 गांवों में अवैध प्लॉटिंग और निर्माणों को किया ध्वस्त

भरतपुर,31 अक्टूबर (एजेंसियां)। भरतपुर विकास प्राधिकरण ने भू–माफियाओं के खिलाफ कठोर कार्रवाई करते हुए राष्ट्रीय राजमार्ग आगरा रोड के आसपास की ज़मीनों पर हो रही अवैध प्लॉटिंग और निर्माण को ध्वस्त कर दिया है। प्राधिकरण के अतिक्रमण निरोधक दस्ते ने शुक्रवार को बड़ा अभियान चलाते हुए सात प्रमुख गाँवों में अवैध रूप से विकसित की जा रही कॉलोनियों को मिट्टी में मिला दिया। बीडीए की यह कार्रवाई इसलिए भी असरदार है क्योंकि यह सीधे तौर पर उन तत्वों को निशाना बनाती है जो बिना भू–उपयोग परिवर्तन और ले–आउट अनुमोदन के भोले–भाले लोगों को अवैध प्लॉट बेचकर ठगी कर रहे हैं। प्राधिकरण के दस्ते ने जेसीबी मशीनों की सहायता से नगला चांदमारी, नगला गोपाल, बरसो, घसोला, नगला बरताई, नौंह एवं बहनेरा जैसे प्रमुख क्षेत्रों में अवैध रूप से खड़ी की गई बाउंड्रीवॉल, सड़क निर्माण और अन्य अनधिकृत ढाँचों को पूरी तरह से ध्वस्त कर दिया। अभियान के दौरान, मौके पर मौजूद अतिक्रमणकारियों को स्पष्ट चेतावनी और समझाइश दी गई।

प्राधिकरण प्रशासन ने साफ किया है कि वे पहले नियमानुसार भू–उपयोग परिवर्तन कराकर और लेआउट अनुमोदित करवाकर ही प्लॉटिंग या निर्माण करें। भरतपुर विकास प्राधिकरण प्रशासन ने दो टूक शब्दों में कहा है कि बिना स्वीकृति एवं अनुमोदन के किए जा रहे किसी भी प्रकार के अवैध निर्माण अथवा प्लॉटिंग पर कठोर कार्यवाही जारी रहेगी।

प्राधिकरण की निर्धारित कार्य योजना के तहत, अवैध निर्माणों के विरुद्ध यह कार्रवाई सतत रूप से जारी रहेगी। इस कार्रवाई में प्रशासनिक समन्वय बनाए रखने के लिए मौके पर मौका मजिस्ट्रेट अजय पारीक, तहसीलदार भरतपुर के साथ प्राधिकरण के तहसीलदार मनीष कुमार मीना एवं मुकेश कुमार, कनिष्ठ अभियंता, भू–अभियंता निरीक्षक और पटवारीगण उपस्थित रहे।

राजस्थान हाई कोर्ट की जयपुर खंडपीठ में धमकी भरे मेल से हड़कंप, कोर्ट की सुनवाई रुकी

जयपुर,31 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान हाई कोर्ट की जयपुर खंडपीठ में शुक्रवार को एक धमकी भरे ई–मेल के मिलने से हड़कंप मच गया। रजिस्ट्रार–प्रशासन के ई–मेल पते पर भेजी गई सूचना में हाई कोर्ट के जजों और स्टाफ के नामों का उल्लेख था और मेल में हाई कोर्ट को निशाना बनाने की बात लिखी गई थी। प्रशासन ने सुरक्षा कारणों से अदालत भवन को खाली करवा दिया और सभी सुनवाईयां तत्काल रोक दीं। मेल में कथित रूप से यह भी लिखा गया था कि हाई कोर्ट के जयपुर खंडपीठ को उड़ाने के अलावा कोई चारा नहीं है। सबको जल्दी से खाली कराओ। हम तो बस संपत्ति का नुकसान चाहते हैं। इन संदेशों के आंशिक उद्धरण मिलने के बाद कोर्ट परिसर में सुरक्षा के कड़े इंतजाम कर दिए गए। फिलहाल पुलिस–प्रशासन धमकी की वैधता और स्रोत का पता लगाने में जुटी है।

रजिस्ट्रार कार्यालय को भेजे गए मेल में तमिलनाडु की कुछ घटनाओं और मीडिया से जुड़े गंभीर आरोपों का भी जिक्र किया गया था। मेल में पाकिस्तान कॉआर्डिनेशन, कुछ 'एक्स' हैंडल और मीडिया से संबंधित नामों का हवाला देते हुए गंभीर और आपराधिक प्रकृति के दावे किए गए हैं। साथ ही कुछ एक्स हैंडल्स और अन्य संदर्भों का भी उल्लेख था।

अधिकारियों ने बताया कि पुलिस और इंटेलिजेंस यूनिट द्वारा मेल की शिनाख्त, भेजने वाले के आईपी–एड्रेस और संबंधित सोशल–मीडिया हैंडल्स की पड़ताल की जा रही है।

अंता उपचुनाव: गैंगस्टर गोदारा के नाम पर धमकी कांड रचने वाला रिटायर्ड अधिकारी गिरफ्तार

बारां,31 अक्टूबर (एजेंसियां)। पुलिस ने विधानसभा उप–चुनाव अंता के निर्दलीय प्रत्याशी नरेश मीणा को गैंगस्टर रोहित गोदारा के नाम से धमकी भरा पत्र भेजने के सनसनीखेज मामले को मात्र 4 घंटे के भीतर सुलझा लिया है। यह धमकी किसी गैंगस्टर ने नहीं, बल्कि एक रिटायर्ड पीएचईडी अधिकारी ने अपने जमीन विवाद के प्रतिद्वंद्वियों को झूठा फंसाने के लिए दी थी। पुलिस अधीक्षक अभिषेक अंदासु ने खुलासा किया कि आरोपी की पहचान कोटा के आरके पुरम निवासी नरेन्द्र यादव (64) के रूप में हुई है, जो पीएचईडी में आई.आई.ओ. के पद से रिटायर्ड हो चुका है। आरोपी ने उप–चुनाव की गहमागहमी का फायदा उठाकर साजिश को अंजाम दिया, ताकि शक की सुई उसके विरोधियों की ओर जाए।

गुरुवार, 30 अक्टूबर को अंता प्रत्याशी नरेश मीणा के प्रधान कार्यालय पर एक रजिस्टर्ड डाक से लिफाफा मिला। पत्र में नरेश मीणा के पिता कल्याण सिंह (पूर्व सरपंच) को धमकी दी गई थी कि नरेश मीणा या परिवार के एक सदस्य को मारने की सुपारी 1 करोड़ में मिली है। धमकी देने वाले ने ₹10 लाख अपने शूटर तक पहुँचाने पर सुपारी छोड़ने की बात कही थी, अन्यथा 02 तारीख कत्लेआम करने की चेतावनी दी गई थी। पत्र में गैंगस्टर रोहित गोदारा गैंग का नाम इस्तेमाल किया गया था, जिसमें लिखा था: शूटर रोहित गौदारा गैंग नरेश तेरी बीबी तो विधवा होगी, भीड़ में कुल्हे में गोली लगेगी और मुंह से निकलेगी।

एसपी अंदासु ने बताया कि विशेष टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मात्र 4 घंटे में नरेन्द्र यादव को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में खुलासा हुआ कि नरेन्द्र यादव का सीसवाली के विजय थानेवाल और अमित थानेवाल से करीब 20 वर्ष पुराना जमीन संबंधी विवाद चल रहा है। नरेन्द्र यादव ने अपने प्रतिद्वंद्वियों थानेवाल बंधुओं को फंसाने के लिए यह चाल चली। उसने स्वयं उल्टे हाथ से धमकी भरा पत्र लिखा और बूंदी जिला मुख्यालय से दो स्पीड पोस्ट किए (एक नरेश मीणा और एक उनके पिता के नाम)। पुलिस को उसके घर की तलाशी में एक और धमकी भरा पत्र मिला, जो वह नरेश मीणा की पत्नी सुनीता मीणा को भेजने वाला था। पुलिस ने बताया कि आरोपी नरेन्द्र यादव आपराधिक प्रवृत्ति का व्यक्ति है। उसके खिलाफ संबंधित धाराओं में प्रकरण दर्ज कर गहनता से अनुसंधान जारी है।

भरतपुर में व्यापारी पर फायरिंग कर लूट का प्रयास

पुलिस ने पाँच बदमाशों को किया गिरफ्तार

भरतपुर,31 अक्टूबर (एजेंसियां)। शहर में व्यापारी पर फायरिंग कर लूट के प्रयास की गुत्थी सुलझाते हुए पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने इस मामले में पाँच नकाबपोश बदमाशों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने जवाहर नगर निवासी एक किराना व्यापारी पर उस समय फायरिंग कर लूट का प्रयास किया था, जब वह रात को अपने घर लौट रहा था। अचानक हुई फायरिंग में व्यापारी घायल हो गया था। घटना के बाद मुकदमा दर्ज होने पर पुलिस सतर्क हुई और मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल कार्रवाई शुरू कर दी। जिला पुलिस अधीक्षक दिगंत आनंद के निर्देशन में डीएसटी टीम प्रभारी मुकेश कुमार तथा थाना मथुरा गेट पुलिस की संयुक्त टीम ने जगह–जगह छापेमारी की। साइबर सेल की तकनीकी सहायता भी ली गई। लगातार निगरानी और सूचना तंत्र मजबूत होने के बाद पुलिस को मुख्य सुराग मिला कि लोहागढ़ स्टेडियम की सीडीओ के पास कुछ संदिग्ध युवक किसी बड़ी लूट का प्लान बना रहे हैं और उनके पास हथियार भी मौजूद हैं। सूचना की पुष्टि होने पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और पाँचों बदमाशों को घेराबंदी कर दबोच लिया। गिरफ्तार आरोपियों में जगत सिंह, हरेंद्र सिंह, प्रशांत, नितिन और रोहित शामिल हैं।

बड़ौली ने हरी झंडी दिखाकर रन फॉर यूनिटी को किया रवाना

चंडीगढ़,31 अक्टूबर (एजेंसियां)। लोह पुरूष सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर एक भारत श्रेष्ठ भारत के संकल्प के साथ सोनीपत में रन फॉर यूनिटी का आयोजन किया गया। हजारों स्कूली बच्चों, बुजुर्गों, युवाओं तथा महिलाओं ने भाग लेकर शहरवासियों को राष्ट्रीय एकता का संदेश दिया। इस दौरान भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने बतौर मुख्यातिथि जानकीदास स्कूल से हरी झंडी दिखाकर रन फॉर यूनिटी को रवाना किया। इससे पूर्व प्रदेशाध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली, विधायक पवन खरखौदा, मेयर राजीव जैन सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने सरदार वल्लभ भाई पटेल की तस्वीर पर पुष्पांजलि करते हुए

उन्हें नमन किया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने रन फॉर यूनिटी की अगुवाई करते हुए सभी शहरवासियों को भारत की एकता में भूमिका निभाने का आह्वान किया। उत्साह और देशभक्ति के माहौल में जब प्रतिभागी एकता के संदेश के साथ दौडऩा प्रारंभ हुए, तो पूरा वातावरण एक भारत, श्रेष्ठ भारत व भारत माता की जय के नारों से गूंज उठा। इस दौरान शहर देशभक्ति के रंग में रंगा दिखाई दिया। रास्ते में विभिन्न स्थानों पर शहरवासियों द्वारा रन फॉर यूनिटी में शामिल नागरिकों पर पुष्प वर्षा की। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बड़ौली ने रन फॉर यूनिटी को संबोधित करते हुए कहा कि लोह पुरूष सरदार वल्लभभाई पटेल भारत के सच्चे राष्ट्र निर्माता थे, जिन्होंने 562 रियासतों को जोड़कर भारत को एक अखंड राष्ट्र के रूप में खड़ा किया। उन्होंने कहा कि आज की यह रन फॉर यूनिटी केवल एक दौड़ नहीं है, बल्कि यह हमारे देश की अखंडता, एकता और सामूहिक शक्ति का प्रतीक है।

राष्ट्रीय एकता दिवस पर सतर्कता ब्यूरो के अधिकारियों ने किया योगाभ्यास

चंडीगढ़,31 अक्टूबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, मुख्यालय पंचकूला तथा सभी रेंज कार्यालयों में योग सत्र का आयोजन किया गया। इस अवसर पर ब्यूरो में नियुक्त सभी अधिकारी और कर्मचारियों ने मिलकर योगाभ्यास कर एकता और स्वस्थ जीवन का संदेश दिया। कार्यक्रम का उद्देश्य अधिकारियों और कर्मचारियों में मानसिक व शारीरिक संतुलन के साथ–साथ राष्ट्र के प्रति एकता और समर्पण की भावना को मजबूत करना रहा।

नगर पालिका क्लर्क बिजेन्द्र सिंह के खिलाफ भ्रष्टाचार का चालान दाखिल

चंडीगढ़,31 अक्टूबर (एजेंसियां)। राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, गुरुग्राम ने नगर पालिका फर्रूखनगर के क्लर्क बिजेन्द्र सिंह के खिलाफ भ्रष्टाचार के मामले में चालान धारा 7, 13(1)(बी) सहपठित 13(2) पीसी एक्ट के तहत माननीय न्यायालय, गुरुग्राम में दाखिल किया है। राज्य सतर्कता ब्यूरो गुरुग्राम को प्राप्त शिकायत में शिकायतकर्ता ने बताया कि उसने फर्रूखनगर की पावर हाउस कॉलोनी में 400 गज का प्लॉट खरीदा था। इस प्लॉट की प्रॉपर्टी आईडी बनाने के लिए उसने नगर पालिका में ऑनलाइन आवेदन किया था। 2 सितंबर 2025 को जब वह इस संबंध में क्लर्क बिजेन्द्र सिंह से मिला, तो आरोपी ने प्रॉपर्टी आईडी में कुछ कमियां बताकर उन्हें दूर करने और आईडी बनाने के एवज में ₹17,000 नकद रिश्वत की मांग की। उसी दिन शिकायतकर्ता ने आरोपी को ₹5,000 नकद दे दिए। इसके बाद आरोपी बिजेन्द्र सिंह ने शेष ₹9,000 की रिश्वत राशि अपनी कार (नंबर क्ठ–26एझ–5079) में रखने को कहा। शिकायतकर्ता ने आरोपी के निर्देशानुसार राशि उसकी कार में रख दी।

राज्य सतर्कता ब्यूरो की टीम ने दो स्वतंत्र गवाहों की मौजूदगी में आरोपी की कार से ₹9,000 की रिश्वत राशि बरामद की और गाड़ी को पुलिस कब्जे में लिया। इसके बाद पर्याप्त साक्ष्यों के आधार पर आरोपी बिजेन्द्र सिंह को नगर पालिका कार्यालय फर्रूखनगर से गिरफ्तार किया गया।

इस संबंध में आरोपी के खिलाफ अभियोग संख्या 31, दिनांक 4 सितंबर 2025, धारा 7 पीसी एक्ट 308(2) बीएनएस के तहत थाना राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, गुरुग्राम में मामला दर्ज किया गया था। अब ब्यूरो ने इस प्रकरण में न्यायालय में चालान पेश कर दिया है।

सरदार पटेल का 'एक भारत' का सपना आज भी हर भारतीय के दिल में धड़कता है : सैनी

चंडीगढ़,31 अक्टूबर (एजेंसियां)। लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती के अवसर पर शुक्रवार को फतेहाबाद में राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया गया। जिला मुख्यालय पर आयोजित 'रन फॉर यूनिटी' का शुभारंभ हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पंचायत भवन से हरी झंडी दिखाकर किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने प्रतिभागियों पर पुष्प वर्षा की और उन्होंने स्वयं भी दौड़ में शामिल होकर एकता का संदेश दिया। एमएम कॉलेज मैदान तक आयोजित दौड़ में लगभग 30 हजार प्रतिभागी शामिल हुए। युवाओं, महिलाओं, खिलाड़ियों, विद्यार्थियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और जनप्रतिनिधियों ने हाथों में तिरंगा लेकर उत्साहपूर्वक भाग लिया। पूरा शहर एक भारत, श्रेष्ठ भारत के नारों से गूंज उठा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने नशे से दूर रहने की शपथ भी दिलवाई।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अपने संबोधन में कहा कि राष्ट्रीय एकता दिवस हमारे राष्ट्र की आत्मा को सशक्त करने का दिन है। आज हम सरदार वल्लभभाई पटेल जी की 150वीं जयंती मना रहे हैं। लौह पुरुष पटेल ने जिस संकल्प, साहस और

दूर दृष्टि से भारत को एक सूत्र में पिरोया, वह आज भी प्रेरणा स्रोत है। मुख्यमंत्री ने सरदार पटेल को याद करते हुए सभी हरियाणा वासियों को राष्ट्रीय एकता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दी।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि आज की यह दौड़ केवल शारीरिक गतिविधि नहीं, बल्कि राष्ट्र की एकता, अखंडता और अनुशासन का प्रतीक है। हरियाणा के सभी जिलों में लाखों नागरिक इस राष्ट्रीय संकल्प का हिस्सा बन रहे हैं। यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के विजन को साकार करने की दिशा में एक कदम है। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि एक मजबूत राष्ट्र का निर्माण अनुशासित, जिम्मेदार और जागरूक नागरिकों से होता है। यह दौड़ हमें सहनशीलता, अनुशासन और सामूहिकता का संदेश देती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जिस संकल्प को सरदार पटेल ने आजादी के बाद शुरू किया था, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उसे आगे बढ़ाते हुए जम्मू–कश्मीर से अनुच्छेद 370 और 35ए को समाप्त कर एक बार फिर देश की एकता और अखण्डता को सुदृढ़ किया है। उन्होंने कहा कि यह फैसला सरदार पटेल की भावना के अनुरूप था, एक राष्ट्र, एक संविधान, एक तिरंगा। मुख्यमंत्री ने इस कदम को भारत की एकता को और मजबूत करने वाला ऐतिहासिक निर्णय बताया और कहा कि यह उस 'अखंड भारत' की भावना का प्रतीक है, जिसका सपना सरदार पटेल ने देखा था।

सीएम योगी ने दिखाई रन फॉर यूनिटी को झंडी

राष्ट्र की अखंडता के साथ खिलवाड़ मंजूर नहीं

लखनऊ, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भारत रत्न सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती पर उनके योगदान को याद किया और रन फॉर यूनिटी को झंडी दिखाई। इस मौके पर उन्होंने जातिवाद, परिवारवाद और छुआछूत के विरुद्ध एकता की मशाल जलाने का संदेश दिया। सीएम योगी ने सरदार पटेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया और कहा कि भारत की अखंडता और एकता के लिए जिन्होंने अपना जीवन समर्पित किया, उन लौह पुरुष सरदार पटेल को सच्ची श्रद्धांजलि तभी होगी जब हम उनके आदर्शों को अपने आचरण में उतारें। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत रत्न सरदार वल्लभभाई पटेल का जीवन, समर्पण और त्याग आज भी हर भारतीय के लिए प्रेरणास्रोत है। आइए, इस राष्ट्रीय एकता दिवस पर हम संकल्प लें कि जाति, भाषा, धर्म और क्षेत्र से ऊपर उठकर भारत की एकता और अखंडता को सुदृढ़ बनाएंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 2014 से ही देश में उन महान सपूतों को सम्मान देने की परंपरा शुरू हुई है, जिन्होंने भारत को एक सूत्र में बांधने का कार्य किया।

उन्होंने बताया कि आज पूरे देश में 600 से अधिक स्थानों पर रन फॉर यूनिटी के माध्यम से युवाओं में राष्ट्रभक्ति और एकता की भावना को प्रबल करने का यह अभियान चलाया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी भारतीय परंपरा में कहा गया है शिवो भूत्वा शिवं यजेत, अर्थात जिसे हम पूजते हैं, उसके अनुरूप हमें स्वयं को ढालना चाहिए। उन्होंने कहा कि केवल भाषणों में नहीं, बल्कि व्यवहार में भी एकता और अखंडता के मूल्यों को अपनाना ही सच्ची श्रद्धांजलि है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में केवड़िया (गुजरात) में स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के रूप में सरदार पटेल की स्मृति को जीवंत बनाया गया है, जो आज राष्ट्रीय प्रेरणास्थली बन चुकी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरदार पटेल ने स्वतंत्रता के बाद ब्रिटिश साजिशों को नाकाम करते हुए 563 रियासतों को भारत गणराज्य में शामिल कर अखंड भारत का निर्माण किया। उन्होंने कहा कि जब हैदराबाद और जूनागढ़ की रियासतों ने भारत में विलय से इनकार किया, तब लौह पुरुष ने पहले संवाद का रास्ता अपनाया, लेकिन जब राष्ट्र की अखंडता पर संकट आया, तब उन्होंने कठोर निर्णय लेकर भारत की एकता को सुरक्षित किया। उन्होंने स्पष्ट कहा था कि भारत की अखंडता के साथ कोई खिलवाड़ स्वीकार्य नहीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाकर अखंड भारत के उस संकल्प को साकार किया, जो सरदार पटेल ने देखा था। यह उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि सरदार पटेल की 150वीं जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में उत्तर प्रदेश से एक सांस्कृतिक दल और हस्तशिल्पियों का प्रतिनिधिमंडल केवड़िया जाएगा। राज्यपाल महोदया के नेतृत्व में 12 नवंबर को केवड़िया में सरदार पटेल को श्रद्धांजलि अर्पित करने का कार्यक्रम आयोजित होगा। उन्होंने कहा कि वोकल फॉर लोकल और स्वदेशी अभियान को मज़बूती देने के साथ उत्तर प्रदेश के कारीगरों को आत्मनिर्भर बनाने का यह अवसर भी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के सभी 75 जनपदों में आज रन फॉर यूनिटी के कार्यक्रम आयोजित हुए, जिनमें लाखों युवाओं, विद्यार्थियों, स्वयंसेवी संस्थाओं, प्रशासनिक अधिकारियों और नागरिकों ने भाग लेकर राष्ट्रीय एकता का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि यह केवल एक दौड़ नहीं, बल्कि भारत की एकता, अखंडता और सामाजिक सौहार्द का प्रतीक है। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष चौधरी भूपेंद्र सिंह, महापौर सुषमा खर्कवाल, राज्यसभा सांसद बृजलाल एवं विधायक गण उपस्थित थे।

इससे पूर्व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोशल मीडिया पर भी प्रदेशवासियों को राष्ट्रीय एकता दिवस की शुभकामनाएं दीं और भारत रत्न सरदार वल्लभ भाई पटेल को विनम्र श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा, महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, लौह पुरुष, भारत रत्न सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि एवं प्रदेश वासियों को राष्ट्रीय एकता दिवस की हार्दिक बधाई।

भारत की आंतरिक सुरक्षा और अखंडता हेतु सरदार साहब द्वारा किए गए अथक प्रयास हमें एक भारत-श्रेष्ठ भारत की संकल्पना की सिद्धि हेतु सदैव प्रेरित करते रहेंगे।

बांके बिहारी मंदिर का खजाना जानने में सबकी है रुचि

मथुरा, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। मथुरा के वृंदावन में विराजमान भगवान ठाकुर बांके बिहारी करोड़ों रुपए से अधिक की संपत्ति के मालिक हैं। उनके 12 बैंकों में खाते हैं, जिनमें साढ़े तीन सौ करोड़ रुपए हैं। इस रकम की अब एफडी होगी। ठाकुर श्रीबांकेबिहारी मंदिर के खाते मथुरा-वृंदावन की 12 बैंक शाखाओं में हैं, जिनमें लगभग साढ़े तीन सौ करोड़ रुपए जमा हैं। सबसे ज्यादा धनराशि भारतीय स्टेट बैंक, पंजाब नेशनल बैंक और केनरा बैंक में है। इन बैंकों में धनराशि मल्टी ऑप्शनल डिपॉजिट (एमओडी) में जमा है, जिसकी ब्याज दर कम है। उसकी जगह अब इस राशि को फिक्स डिपॉजिट (एफडी) में कन्वर्ट किया जाएगा।

श्रीबांकेबिहारी मंदिर हाईपावर्ड कमेटी के अध्यक्ष रिटायर्ड जज अशोक कुमार सहित अन्य सदस्यों की बृहस्पतिवार को बैंक अधिकारियों के साथ बैठक हुई।

350 करोड़ कैश और 12 बैंकों में खाते

यह अधिकारी बैंक की उन शाखाओं से थे, जिनमें श्रीबांकेबिहारी मंदिर के खाते हैं। बैंकर्स के साथ बैठक करने के बाद कमेटी के अध्यक्ष अशोक कुमार ने उन्हें कई प्रकार के निर्देश दिए हैं। जिनका आगामी दिनों में पालन होना है। अध्यक्ष अशोक कुमार ने बताया कि ठाकुर जी के 12 बैंकों में खाते हैं। इन सभी खातों में जमा धनराशि की एमओडी कर रखी है, लेकिन इसमें ब्याज दर कम होती है। लगभग 350 करोड़ रुपए होने का अनुमान है, लेकिन इसका पूरा ब्यौरा आने के बाद ही रकम का सही पता चलेगा। इसलिए बैंक प्रबंधकों से कहा गया है कि पूरी रकम का ब्यौरा दें और उसकी एफडी कराएं। इसके अलावा पहले से ही कुछ रकम एफडी रूप में है, जिसकी कुछ माह में परिपक्वता की तारीख आ रही है।

उनको उक्त तिथि पर अच्छी ब्याज दर के हिसाब से दोबारा रिन्यू कराया जाएगा। उन्होंने मंदिर के प्रबंधक को निर्देश दिए हैं कि वह सभी खातों को सूचीबद्ध कर लें और सभी कामों को अगली बैठक तक पूरा करा लें। 19 नवंबर को आयोजित बैठक में इन सभी कार्यों की रिपोर्ट ली जाएगी।

उन्होंने बताया कि कि तीन बैंकों में ज्यादा धनराशि हैं, जबकि अन्य बैंकों में ठाकुरजी की राशि, एफडी और अन्य सामान भी हैं। उन सभी की अब इंवेंटरी बनाने के भी निर्देश प्रबंधक को दिए गए हैं। इसके अलावा कुछ बैंकों से खातों से संबंधित विवरण भी मांगा है। जितने सेविंग खाते हैं, उनका रिकार्ड तलब किया गया है।

निजी हाथ में होगी गोमतीनगर स्टेशन की कमान

प्राइवेट एजेंसी से संचालित होने वाला पहला स्टेशन बनेगा

लखनऊ, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। गोमती नगर रेलवे स्टेशन प्रदेश का पहला प्राइवेट एजेंसी से संचालित होने वाला स्टेशन बनेगा। पूर्वोत्तर रेलवे लखनऊ मंडल के गोमतीनगर स्टेशन को विश्वस्तरीय बनाने के पहले चरण का काम पूरा हो चुका है। अमौसी एयरपोर्ट की तर्ज पर गोमतीनगर स्टेशन की कमान भी निजी हाथों में सौंपी जाएगी। यहां से ट्रेनों का संचालन, सुरक्षा की जिम्मेदारी रेलवे की होगी। टिकटिंग, सफाई, फूड प्लाजा, पार्किंग, मेंटेनेंस का काम प्राइवेट एजेंसी संभालेगी। इसके लिए रेलवे भूमि विकास प्राधिकरण (आरएलडीए) टेंडर कर प्राइवेट एजेंसी चुनेगा। यह यूपी का पहला स्टेशन होगा जिसकी कमान निजी हाथों में होगी।

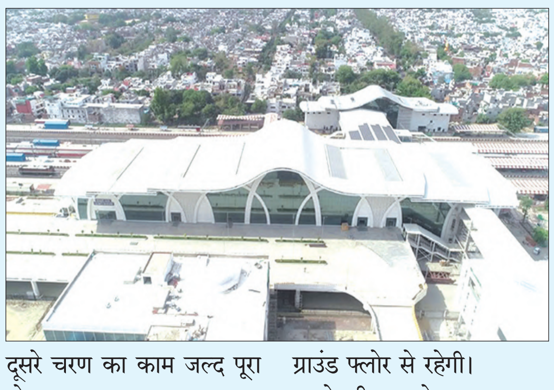

पूर्वोत्तर रेलवे लखनऊ मंडल के गोमतीनगर स्टेशन को विश्वस्तरीय बनाने के पहले चरण का काम पूरा हो चुका है। दूसरे चरण का काम जल्द पूरा होगा।

इसे एयरपोर्ट की तर्ज पर विकसित किया जा रहा है। जंक्शन से चलने वाली प्रीमियम ट्रेनों को गोमतीनगर स्टेशन पर शिफ्ट किया जाएगा। पुष्पक एक्सप्रेस, तेजस एक्सप्रेस, शताब्दी, डबलडेकर एक्सप्रेस आदि को गोमतीनगर शिफ्ट करने की योजना है। स्टेशन पर मॉल, एसी लाउंज से लेकर फूड प्लाजा भी रहेगा। 775 वाहनों की पार्किंग होगी तथा आवाजाही एयरपोर्ट की तर्ज पर रहेगी। स्टेशन पर आगमन फर्स्ट फ्लोर से होगा तथा निकासी ग्राउंड फ्लोर से रहेगी।

गोमतीनगर स्टेशन पर सुरक्षा निजी हाथों में रहेगी। आगमन एवं प्रस्थान से लेकर सरकुलेटिंग एरिया तक में प्राइवेट सुरक्षा गार्ड तैनात किए जाएंगे। आरपीएफ ट्रेनों में जांच करेगी तथा प्लेटफॉर्मों पर सुरक्षा संभालेगी। गोमतीनगर रेलवे स्टेशन को विकसित करने में ही आरएलडीए की भूमिका नहीं रहेगी। यह प्राइवेट एजेंसी के चयन से लेकर उसकी निगरानी तक में अहम भूमिका अदा करेगा। पूर्वोत्तर रेलवे प्रशासन ट्रेनों का संचालन, कंट्रोल रूम, सेफ्टी वगैरह करेगा।

कैलिब्रेशन फ्लाइट ने नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर की सफल लैंडिंग

नोएडा, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के संचालन की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रगति तब हुई जब शुक्रवार को भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) की कैलिब्रेशन फ्लाइट ने एयरपोर्ट पर सफल लैंडिंग की। यह उड़ान हवाई अड्डे के नेविगेशन और कम्युनिकेशन सिस्टम की सटीकता जांचने के लिए की जाती है, जो किसी भी नए एयरपोर्ट के संचालन से पहले अनिवार्य होती है।

कैलिब्रेशन फ्लाइट एक विशेष परीक्षण उड़ान होती है, जिसके माध्यम से यह सुनिश्चित किया जाता है कि एयरपोर्ट के इंस्ट्रूमेंट लैंडिंग सिस्टम (आईएलएस), रडार, और एयर नेविगेशन उपकरण अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा मानकों के अनुरूप काम कर रहे हैं। फ्लाइट के दौरान विशेष रूप

से सुसज्जित विमान अलग-अलग ऊंचाइयों और कोणों पर उड़ते हुए ग्राउंड सिस्टम से प्राप्त सिग्नल की ताकत, स्थिरता और सटीकता की जांच करते हैं। इस पूरी प्रक्रिया में फ्लाइट इंस्पेक्टर, टेक्निकल इंजीनियर, और एटीसी विशेषज्ञ शामिल रहते हैं।

एएआई द्वारा उपयोग किए जाने वाले कैलिब्रेशन विमान में अत्याधुनिक माप उपकरण लगे होते हैं। उड़ान से प्राप्त डेटा का बाद में विश्लेषण किया जाता है ताकि किसी भी तकनीकी विचलन को तुरंत ठीक किया जा सके और उपकरणों की सटीकता सुनिश्चित हो। कैलिब्रेशन फ्लाइट का पूरा होना यह दर्शाता है कि जेवर एयरपोर्ट अंतरराष्ट्रीय स्तर की विमानन सुरक्षा मानकों के और करीब पहुंच गया है। इसके बाद एयरपोर्ट के लिए ऑपरेशनल क्लीयरेंस की प्रक्रिया को गति मिलेगी।

पेरिस मास्टर्स 2025 : जैनिक सिनर क्वार्टरफाइनल में पहुँचे, नंबर–1 रैंकिंग की दौड़ बरकरार

पेरिस,31 अक्टूबर (एजेंसियां)। इटली के स्टार टेनिस खिलाड़ी जैनिक सिनर ने गुरुवार को फ्रांसिस्को सेरुंदोलो को 7–5, 6–1 से हराकर पेरिस मास्टर्स के क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली। इस जीत के साथ सिनर ने अपनी इनडोर कोर्ट पर लगातार 23वीं जीत दर्ज की और दुनिया की नंबर–1 रैंकिंग पर दोबारा कब्ज़ा करने की उम्मीदों को जिंदा रखा। चार बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन सिनर को शीर्ष स्थान हासिल करने के लिए यह टूर्नामेंट जीतना होगा। क्वार्टरफाइनल में उनका मुकाबला अमेरिका के बेन शेल्टन से होगा।

शेल्टन, जो पांचवीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी हैं, ने 12वीं वरीयता प्राप्त आंद्रे रूबलेव को 7–6(6), 6–3 से हराकर ट्यूरिन (इटली) में होने वाले सीज़न–एंडिंग एटीपी फाइनल्स के लिए क्वालीफाई कर लिया है। सिनर इस सीज़न का पाँचवाँ और करियर का 23वाँ खिताब जीतने की दौड़ में हैं। उन्होंने पिछले हफ्ते विएना में एटीपी 500 खिताब जीता था, भले ही फाइनल के दौरान उन्हें ऐंठन की परेशानी हुई थी। सिनर ने कहा, उम्मीद है मैं शारीरिक रूप से पूरी तरह रिकवर कर लूंगा, यही मेरी प्राथमिकता है। मैच शानदार रहा। सिनर का शेल्टन के खिलाफ अब तक का रिकॉर्ड 6–1 है। इस बीच, डिफेंडिंग चैंपियन अलेक्जेंडर ज़्वेरेव ने 15वीं वरीयता प्राप्त अलेजांद्रो डेविडोविच फोकीना को 6–2, 6–4 से हराया। तीसरी वरीयता प्राप्त जर्मन खिलाड़ी ने एक ऐस के साथ मैच खत्म किया और अब उनका सामना 11वीं वरीयता प्राप्त डेनियल मेदवेदेव से होगा — जो 2020 के चैंपियन हैं। दोनों खिलाड़ियों के बीच यह 22वां मुकाबला होगा। अब तक मेदवेदेव 14–7 से आगे हैं और उन्होंने पिछले पांच मैचों में ज़्वेरेव को हराया है। वहीं, 40वीं रैंकिंग वाले वैलेन्टिन वाशेरो (मोनाको) का शानदार प्रदर्शन जारी है। उन्होंने ब्रिटेन के कैमरन नॉरी को 7–6(4), 6–4 से हराकर लगातार दूसरा मास्टर्स क्वार्टरफाइनल खेलना तय किया। इस महीने उन्होंने शंघाई मास्टर्स में क्वालिफायर से शुरुआत कर खिताब जीता था — वह भी विश्व नंबर–240 रैंक से! वाशेरो ने उस टूर्नामेंट में नोवाक जोकोविच को सेमीफाइनल में और अपने चचेरे भाई आर्थर रिंदरनेक को फाइनल में हराया था।

न्यूज़ ब्रीफ

सैमसन को शामिल करने का कोई इरादा नहीं : सीएसके

मुम्बई। इंडियन प्रीमियर लीग आईपीएल 2026 के लिए नीलामी इस साल के अंत में होने वाली है। वहीं इसी को लेकर विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन के राजस्थान रॉयल्स छोड़कर चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) जाने पर चर्चाएं चल रहीं थी हालांकि अब सीएसके ने कहा है कि उसकी सैमसन से कोई बात नहीं चल रही है ओर न ही वह उन्हें शामिल करने जा रही है। सैमसन का रॉयल्स से एक दशक से अधिक का संबंध है। साल 2013 में जब उन्हें कोलकाता नाइटराइडर्स ने रिलीज किया था। उसके बाद से ही वह रॉयल्स से जुड़ गये थे। सैमसन ने रॉयल्स से 149 पारियों में 26 अर्द्धशतक और दो शतकों के साथ 4,219 रन बनाए हैं। स्टीव स्मिथ को कप्तानी से हटाने के बाद से ही यानी साल 2021 से वह टीम की कपतानी करते आये हैं। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार सैमसन ने आईपीएल 2025 समाप्त होते ही राजस्थान टीम प्रबंधन को बता दिया था कि वह फ्रैंचाइजी छोड़ना चाहते हैं। सैमसन ने कहा था कि या तो उन्हें रिलीज कर दिया जाए या फिर ट्रेड कर दिया जाए। ये भी कहा गया कि अब उनके फ्रैंचाइजी से संबंध पहले जैसे नहीं रहे हैं हालांकि दोनो के बीच साल 2027 तक का करार है। ऐसे में रॉयल्स नहीं चाहे तो सैमसन का टीम में बने रहना होगा।

क्रिस्टियन क्लार्क को पहली बार न्यूजीलैंड वनडे टीम में मौका, चोटिल हेनरी हुए टीम से बाहर

वेलिंगटन। इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे और अंतिम वनडे से पहले न्यूजीलैंड टीम में बदलाव किया गया है। नॉर्दर्न डिस्ट्रिक्ट्स के ऑलराउंडर क्रिस्टियन क्लार्क को पहली बार वनडे टीम में शामिल किया गया है। वह चोटिल मैट हेनरी की जगह लेंगे, जो बाएं पिंडली में खिंचाव के कारण सीरीज़ से बाहर हो गए हैं। मैट हेनरी को हेमिल्टन में खेले गए दूसरे वनडे के दौरान यह चोट लगी थी। वे अब शुक्रवार (31 अक्टूबर) को क्राइस्टचर्च लौटेंगे। 24 वर्षीय क्लार्क ने हाल ही में घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने फोर्ड ट्रॉफी में नॉर्दर्न डिस्ट्रिक्ट्स की ओर से खेलते हुए अपना पहला लिस्ट ए शतक जड़ा और गेंदबाजी में 3 विकेट लेकर 57 रन दिए, जिससे उनकी टीम ने सेंट्रल स्टैग्स को हराया। क्लार्क 2020 अंडर–19 विश्व कप में न्यूजीलैंड टीम का हिस्सा रहे थे, जहां उन्होंने अपने ऑलराउंड कौशल से प्रभावित किया था। साल 2022 से वह नॉर्दर्न डिस्ट्रिक्ट्स के लिए सभी प्रारूपों में खेल रहे हैं और इस वर्ष की शुरुआत में न्यूजीलैंड ए टीम के साथ बांग्लादेश दौरे पर भी गए थे।

2027 विश्वकप खेलना चाहते हैं शार्दुल

मुम्बई। पिछले काफी समय से टीम से बाहर चल रहे ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर भी साल 2027 विश्वकप खेलना चाहते हैं। शार्दुल के अनुसार वह तेज गेंदबाजी के साथ–साथ नंबर–8 पर बल्लेबाजी भी कर सकते हैं। इसलिए उन्हें टीम में जगह मिलनी चाहिये। इस ऑलराउंडर ने अक्टूबर 2023 के बाद से ही सीमित ओवरों का कोई मैच नहीं खेला है। जिससे उनकी दावेदारी कमजोर मानी जा रही है। रणजी ट्रॉफी खेल रहे शार्दुल ने कहा, मेरे लिए टीम में वापसी के लिए लगातार अच्छा प्रदर्शन करते रहना बहुत जरूरी है। टी20 विश्वकप दक्षिण अफ्रीका में होने वाला है, इसलिए वहां नंबर आठ पर गेंदबाजी ऑलराउंडर के तौर पर मैं जगब हासिल करना चाहता हूं। शार्दुल की राह हालांकि आसान नहीं है क्योंकि अभी टीम के पास पहले से ही दो ऑलराउंडर नितीश कुमार रेड्डी और हर्षित राणा हैं। हर्षित को नंबर–8 पर बल्लेबाजी के लिए उतारा गया था जिससे साफ है कि कि उन्हें इस क्रम पर आजमाया जा रहा है। वहीं नितीश भी एक अच्छे बल्लेबाज और गेंदबाज हैं। वहीं शार्दुल ने कहा कि वह हमेशा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के लिए तैयार रहते हैं। उन्होंने कहा कि जब भी उन्हें अवसर मिलेगा वह खेलने के लिए तैयार हैं।

टी20 मैच में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 4 विकेट से हराया

मेलबर्न,31 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच टी20 सीरीज का दूसरा मुकाबला मेलबर्न में खेला गया। इस मुकाबले को ऑस्ट्रेलियाई टीम ने बड़ी आसानी के साथ जीत लिया। इस जीत के साथ ही ऑस्ट्रेलिया ने इस सीरीज में 1–0 की बढ़त हासिल कर ली है। सीरीज का पहला मैच रद्द होने के कारण इस मैच में दोनों ही टीमों के लिए बढ़त हासिल करने का अच्छा मौका था, लेकिन टीम इंडिया इस मौका का इस्तेमाल नहीं कर सकी। अब भारत को अगर यह सीरीज जीतनी है तो उन्हें आने वाले तीनों मुकाबलों को जीतना होगा।

17 साल का विजयरथ रुका

भारतीय क्रिकेट टीम ने इस मुकाबले से पहले मेलबर्न के एतिहासिक चउत्र में कुल 6 टी20 मुकाबले खेले थे। जिसमें टीम इंडिया को 4 मैचों में जीत मिली थी। वहीं सिर्फ एक मैच टीम इंडिया इस वेन्यू पर हारी थी। यह हार साल 2008 में आई थी। इसके बाद से भारतीय टीम एक भी मैच नहीं हारी और सभी मुकाबले को जीती, लेकिन 17 सालों के बाद भारतीय टीम का विजय रथ अब रुक गया है।

कैसा रहा मैच का हाल

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेले गए इस मुकाबले में ऑस्ट्रेलियाई टीम के कप्तान मिचेल मार्श ने टॉस जीता और भारतीय टीम को पहले बल्लेबाजी करने का न्योता दिया। टीम इंडिया ने इस दौरान निराशाजनक प्रदर्शन किया। टीम इंडिया इस मैच में 18.4 ओवर में 125 रन के स्कोर पर ऑलआउट हो गई। इसके बाद रन चेज में ऑस्ट्रेलियाई टीम ने काफी तेजी से रन बनाए और सिर्फ 13.2 ओवर में 6 विकेट खोकर 126 रन बनाकर मैच अपने नाम कर लिया। टीम इंडिया को इस मैच में 4 विकेट से हार का सामना करना पड़ा।

टीम इंडिया की बैटिंग ऑर्डर में लगातार छेड़छाड़ कर रहे गंभीर

टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर लगातार भारतीय टीम की बैटिंग ऑर्डर में छेड़छाड़ कर रहे हैं। इस मुकाबले में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिला। एशिया कप में जब टीम इंडिया अच्छा प्रदर्शन करके आ रही थी, फिर भी ऑस्ट्रेलिया में बैटिंग ऑर्डर को छेड़ा गया। हर्षित राणा को प्लेइंग 11 में फिट करने के लिए शिवम दुबे को नीचे बल्लेबाजी करने के लिए भेजा जा रहा है। संजू सैमसन को 5वें नंबर से तीसरे नंबर पर प्रोमोट कर दिया गया। जिसके कारण टीम इंडिया की बल्लेबाजी इस मैच में कमजोर नजर आई।

सिंधु अब अगले सत्र में ही नजर आयेंगी

नई दिल्ली,31 अक्टूबर (एजेंसियां)।

महिला बैडमिंटन स्टार पी. वी. सिंधु अब इस सत्र में नजर नहीं आयेंगी। सिंधु अब साल 2026 सत्र से ही वापसी करेंगी। सिंधु ने फिट नहीं होने के कारण बीडब्ल्यूएफ टूर के शेष सभी मुकाबलों से अपना नाम वापस ले लिया है। सिंधु ने कहा कि उन्होंने यह फैसला सहयोगी स्टाफ और खेल चिकित्सा विशेषज्ञ डॉ. दिनशॉ पारडीवाला से बात करने के बाद लिया है।

सिंधु ने कहा, अपनी टीम और डॉ. पारडीवाला की सलाह के बाद उसने साल 2025 सत्र के बाकी टूर्नामेंट से हटना ही सबसे बेहतर समझा है। इसका कारण है कि उनकी पैर की चोट अभी पूरी तरह ठीक नहीं हुई है। इस खिलाड़ी के अनुनार नाम वापस लेना फैसला नहीं था पर इसके अलावा उनके पास कोई विकल्प नहीं था। साथ ही कहा कि चोटें हर खिलाड़ी के खेल सफर का हिस्सा होती हैं। ये हमारे धैर्य और जज़्बे की भी परीक्षा लेती हैं।

उन्होंने कहा कि वह अभी डॉक्टारें की टीम के सहायोग से रिकवरी और अभ्यास पर ध्यान दे रही हैं सिंधु ने कहा, मेरी टीम का मुझपरा काफी भारोसा है जिससे भी मेरा उत्साह हर दिन और बढ़ता है। मैं उनकी आभारी हूं और पहले से कहीं ज्यादा प्रेरित और बेहतर महसूस कर रही हूं। सिंधु ने अपने प्रशंसकों और समर्थकों को धन्यवाद देते हुए कहा कि वह जनवरी 2026 में कोर्ट पर वापसी करेंगी। उन्होंने सोशल मीडिया में लिखा, आप सबके प्यार और समर्थन के लिए दिल से धन्यवाद। यह सफर यहीं समाप्तनहीं होता,जल्द ही एक नई शुरुआत होगी। गौरतलब है कि पिछले साल पेरिस ओलंपिक में शुरुआती दौर में बाहर होने के बाद से ही सिंधु के लिए इस साल का सत्र अच्छा नहीं रहा है रहा। वह चाइना मास्टर्स सुपर 750, इंडिया ओपन सुपर 750 और विश्व चैंपियनशिप में क्वार्टर फाइनल के बाहर हो गयीं थीं।

विस्कोनिया में गोल्डन स्टेट वैरियर्स और मिलवाकी बक्स के खिलाड़ी

विस्कोनिया में गोल्डन स्टेट वैरियर्स और मिलवाकी बक्स के खिलाड़ी चौथे क्वार्टर में खेलते हुए।

ओलंपिक कांस्य पदक विजेता पूर्व भारतीय हॉकी खिलाड़ी मैनुअल फ्रेडरिक का निधन

नई दिल्ली,31 अक्टूबर (एजेंसियां)।

केरल के पहले ओलंपिक पदक विजेता मैनुअल फ्रेडरिक का शुक्रवार को बेंगलुरु के एक निजी अस्पताल में इलाज के दौरान निधन हो गया। वे 78 वर्ष के थे। फ्रेडरिक भारतीय हॉकी टीम के गोलकीपर थे, जब भारत ने 1972 के म्यूनिख ओलंपिक में नीदरलैंड्स को हराकर कांस्य पदक जीता था।

वे 1978 में अर्जेंटीना में हुए हॉकी विश्व कप में भी भारतीय टीम के गोलकीपर रहे। कन्नूर जिले के बनास्सेरी के निवासी फ्रेडरिक को खेलों में उनके योगदान के लिए वर्ष 2019 में ध्यानचंद पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। उन्होंने राष्ट्रीय चैंपियनशिप के 16 फाइनल्स में टाई–ब्रेक में सफलतापूर्वक रक्षा करने का रिकॉर्ड बनाया था। स्कूल के दिनों में उन्होंने अपनी खेल यात्रा की शुरुआत बीईएम स्कूल, कन्नूर में एक फुटबॉल स्ट्राइकर के रूप में की थी। बाद में सेंट माइकल्स स्कूल में पढ़ाई के दौरान उन्होंने हॉकी में गोलकीपर की भूमिका निभानी शुरू की। केवल 17 वर्ष की आयु में उन्होंने मुंबई हॉकी एसोसिएशन द्वारा आयोजित बॉम्बे गोल्ड कप में हिस्सा लिया। जल्द ही वे राष्ट्रीय टीम में चुने गए और 1971 में उन्होंने अपना पहला अंतरराष्ट्रीय मैच खेला। उनके परिवार में दो बेटियां – फ्रेशिना प्रवीण और फेनीला टिनू थॉमस – हैं। मैनुअल फ्रेडरिक के निधन से भारतीय खेल जगत ने एक सच्चे समर्पित खिलाड़ी को खो दिया है। हॉकी समुदाय और उनके प्रशंसक उन्हें हमेशा उनकी खेल भावना, समर्पण और देश के लिए किए गए योगदान के लिए याद रखेंगे।

जब राहुल से नाराज हो गये थे द्रविड़

नई दिल्ली,30 अक्टूबर (एजेंसियां)। बल्लेबाज केएल राहुल ऑस्ट्रेलिया दौरे से वापसी के बाद अब ब्रेक पर हैं। इस बीच राहुल ने साल 2023 एशिया कप की एक मजेदार घटना का खुलासा किया है। राहुल ने कहा कि वह 2023 एशिया कप में पाकिस्तान के खिलाफ शतक लगाने के बाद अलग ही अंदाज में जश्न मना रहे थे और इस कारण तब मुख्य कोच रहे राहुल द्रविड़ उनपर भड़क गये थे। राहुल ने कहा कि उस मुकाबले में शतक लगाने के बाद उन्होंने स्टैच्यू पोज़ में खड़े होकर ड्रेसिंग रूम की तरफ पीठ की थी। तब द्रविड़ ने उन्हें फटकार दिया और कहा कि इससे तेरा नहीं मेरा स्टैच्यू बन जाएगा।

उस मुकाबले में राहुल ने 111 रन की नाबाद पारी खेली, जबकि विराट कोहली ने 122 रन बनाए। दोनों ने मिलकर तीसरे विकेट के लिए 233 रन की नाबाद साझेदारी की, जिससे भारत ने पाकिस्तान को 228 रनों से हराया था।

राहुल ने कहा कि उस पारी से उन्हें फिर से बड़ पारी खेलने का आत्मविश्वास मिला था। उन्होंने कहा, चार महीने तक मैं अपने से कहता रहा कि मैं सबसे अच्छा खिलाड़ी बनूंगा। यह मैच उसी मेहनत का परिणाम था। अब राहुल नवंबर में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसयी सीरीज में खेलेंगे।

जूनियर एशिया कप हॉकी : पाक की जगह ओमान शामिल

लुसाने। अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) ने कहा है कि पाकिस्तान के हॉकी पुरुष जूनियर विश्व कप 2025 में भाग लेने से इंकार करने के बाद अब उसकी जगह ओमान को शामिल किया गया है। इससे पहले पाक हॉकी महासंघ ने एफआईएच को इस टूर्नामेंट में भाग नहीं लेने की जानकारी दी थी। उसका कहना था कि अभी इसके लिए हालात ठीक नहीं हैं। पाक ने पिछले साल जूनियर एशिया कप में क्वालीफाई किया था पर उसके हटने के बाद ओमान को इस टूर्नामेंट में शामिल किया गया है।जूनियर एशिया कप 28 नवंबर से 10 दिसंबर 2025 तक चेन्नई और मदुरै में खेला जाएगा। ओमान को जूनियर एशिया कप 2024 में दूसरी शीर्ष वरीयता वाली टीम होने के कारण इस टूर्नामेंट में शामिल नहीं किया गया है। इस बार जूनियर हॉकी विश्व कप के पुरुष और महिला दोनों वर्गों में 24–24 टीमें शामिल होंगी। एफआईएच ने ये कदम विश्व स्तर पर वैश्विक स्तर पर हॉकी की पहुंच बढ़ाने के लिए उठाया है।

आरएनआईटी एआई सॉल्यूशंस लिमिटेड स्टॉक मार्केट में सूचीबद्ध होने वाली भारत की पहली एआई संचालित गवर्नेंस कंपनी बनी

मुंबई, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस-संचालित शासन और उद्यम परिवर्तन में अग्रणी, आरएनआईटी एआई सॉल्यूशंस लिमिटेड ने आज बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) में अपनी सफल लिस्टिंग के साथ एक ऐतिहासिक मील का पत्थर चिह्नित किया। कंपनी के आधिकारिक पदार्पण का संकेत देते हुए, एमडी और सीईओ राजा श्रीनिवास नंदिगाम ने औपचारिक घंटी बजाई। कंपनी बीएसई मेंआरएनआईटी एआई और एनएसई मेंआरएनआईटी एआई प्रतीकों के तहत कारोबार करेगी।

समारोह में बोलते हुए राजा श्रीनिवास नंदिगाम ने कहा, हमारी आज की सार्वजनिक लिस्टिंग सिर्फ एक वित्तीय मील का पत्थर नहीं है-यह एक मिशन का मील का पत्थर है। आरएनआईटी में, हम मानते हैं कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को भारत में शासन और उद्यम परिवर्तन की रीढ़ बनना चाहिए।

यह लिस्टिंग हमें जवाबदेह एआई के अपने दृष्टिकोण को बढ़ाने के लिए सशक्त बनाती है-वह एआई जो लोगों की सेवा करता है, उन्हें बदलता नहीं है-जिसे हम शासन, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और खाद्य पारिस्थितिकी में लागू कर रहे हैं।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के माध्यम से शासन को बदलने के मिशन के साथ स्थापित, आरएनआईटी एआई सॉल्यूशंस लिमिटेड कई राज्य सरकारों और उद्यमों के लिए एक विश्वसनीय नवाचार भागीदार के रूप में उभरा है। 2019 में अपनी स्थापना के बाद से, कंपनी ने एआई संचालित चेहरे की पहचान और लाभार्थी ट्रैकिंग सिस्टम को लागू किया है, जिसने सामूहिक रूप से 300 से अधिक विभागों में 3 बिलियन से अधिक पहचान सत्यापन को संभाला है, जिससे यह एआई केंद्रित पहचान और प्रबंधन प्रणालियों का भारत का सबसे बड़ा एसएएएस प्रदाता बन गया है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

ताजमहल का...

शिवलिंग पर जल सिंचन करने वाला सुवर्ण कलश इसी जंजीर पर टंगा रहता था। उसे निकालकर जब शाहजहां के खजाने में जमा करा दिया गया तो वह जंजीर लटकी रह गई। उस पर लॉर्ड कर्जन ने एक दीप लटकवा दिया, जो आज भी है।

कब्रगाह को महल क्यों कहा गया? मकबरे को महल क्यों कहा गया? क्या किसी ने इस पर कभी सोचा, क्योंकि पहले से ही निर्मित एक महल को कब्रगाह में बदल दिया गया। कब्रगाह में बदलते वक्त उसका नाम नहीं बदला गया। यहीं पर शाहजहां से गलती हो गई। उस काल के किसी भी सरकारी या शाही दस्तावेज एवं अखबार आदि में ताजमहल शब्द का उल्लेख नहीं आया है। ताजमहल को ताज-ए-महल समझना हास्यास्पद है। इतिहासकार पुरुषोत्तम लिखते हैं कि महल शब्द मुस्लिम शब्द नहीं है। अरब, ईरान, अफगानिस्तान आदि जगह पर एक भी ऐसी मस्जिद या कब्र नहीं है जिसके बाद महल लगाया गया हो। यह भी गलत है कि मुमताज के कारण इसका नाम मुमताज महल पड़ा, क्योंकि उनकी बेगम का नाम मुमता-उल-जमानी था। यदि मुमताज के नाम पर इसका नाम रखा होता तो ताजमहल के आगे से मुम को हटा देने का कोई औचित्य नजर नहीं आता।

विंसेंट स्मिथ अपनी पुस्तक अकबर द ग्रेट मुगल में लिखते हैं, बाबर ने सन् 1630 में आगरा के वाटिका वाले महल में अपने उपद्रवी जीवन से मुक्ति पाई। वाटिका वाला वह महल यही ताजमहल था। यह इतना विशाल और भव्य था कि इसके जितना दूसरा कोई भारत में महल नहीं था। बाबर की पुत्री गुलबदन ने हुमायूंनामा नामक अपने ऐतिहासिक वृत्तांत में ताज का संदर्भ रहस्य महल के नाम से किया है।

प्राप्त सबूतों के आधार पर पता चलता है कि ताजमहल का निर्माण राजा परमर्दिदेव के शासनकाल में 1155 अश्विन शुक्ल पंचमी, रविवार को हुआ था। जिसे बाद में मुहम्मद गौरी सहित कई मुस्लिम आक्रांताओं ने ताजमहल के द्वार आदि को तोड़कर उसको लूटा। यह महल आज के ताजमहल से कई गुना ज्यादा बड़ा था और इसके तीन गुम्बद हुआ करते थे। हिंदुओं ने उसे फिर से मरम्मत करके बनवाया, लेकिन वे ज्यादा समय तक इस महल की रक्षा नहीं कर सके। पुरषोत्तम नागेश ओक ने ताजमहल पर शोधकार्य करके बताया कि ताजमहल को पहले तेजो महालय कहते थे। वर्तमान ताजमहल पर ऐसे 700 चिन्ह खोजे गए हैं जो इस बात को दर्शाते हैं कि इसका पुनरनिर्माण किया गया है। इसकी मीनारें बहुत बाद के काल में निर्मित की गईं। वास्तुकला के विश्वकर्मा वास्तुशास्त्र नामक प्रसिद्ध ग्रंथ में शिवलिंगों में तेज-लिंग का वर्णन आता है। ताजमहल में तेज-लिंग प्रतिष्ठित था इसीलिए उसका नाम तेजोमहालय पड़ा था।

आगरा को प्राचीनकाल में अंगिरा कहते थे, क्योंकि यह ऋषि अंगिरा की तपोभूमि थी। अंगिरा ऋषि भगवान शिव के उपासक थे। बहुत प्राचीन काल से ही आगरा में 5 शिव मंदिर बने थे। यहां के निवासी सदियों से इन 5 शिव मंदिरों में जाकर दर्शन व पूजन करते थे। लेकिन अब कुछ सदियों से बालकेश्वर, पृथ्वीनाथ, मनकामेश्वर और राजराजेश्वर नामक केवल 4 ही शिव मंदिर शेष हैं। 5वें शिव मंदिर को सदियों पूर्व कब्र में बदल दिया गया। स्पष्टतः वह 5वां शिव मंदिर आगरा के इष्टदेव नागराज अग्रेश्वर महादेव नागनाथेश्वर ही हैं, जो कि तेजोमहालय मंदिर उर्फ ताजमहल में प्रतिष्ठित थे।

शाहजहां ने तेजोमहल में जो तोड़फोड़ और हेराफेरी की, उसका एक सूत्र सन् 1874 में प्रकाशित पुरातत्व खाते (आर्कियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया) के वार्षिक वृत्त के चौथे खंड में पृष्ठ 216 से 17 पर अंकित है। उसमें लिखा है कि हाल में आगरा के वास्तु संग्रहालय के आंगन में जो चौखुटा काले बसस्ट का प्रस्तर स्तंभ खड़ा है वह स्तंभ तथा उसी की जोड़ी का दूसरा स्तंभ उसके शिखर तथा चबूतरे सहित कभी ताजमहल के उद्यान में प्रस्थापित थे। इससे स्पष्ट है कि लखनऊ के वास्तु संग्रहालय में जो शिलालेख है वह भी काले पत्थर का होने से ताजमहल के उद्यान मंडप में प्रदर्शित था। हिंदू मंदिर प्रायः नदी या समुद्र तट पर बनाए जाते हैं। ताज भी यमुना नदी के तट पर बना है, जो कि शिव मंदिर के लिए एक उपयुक्त स्थान है। शिव मंदिर में एक मंजिल के ऊपर एक और मंजिल में दो शिवलिंग स्थापित करने का हिंदुओं में रिवाज था, जैसा कि उज्जैन के महाकालेश्वर मंदिर और सोमनाथ मंदिर में देखा जा सकता है।

ताजमहल में एक कब्र तहखाने में और एक कब्र उसके ऊपर की मंजिल के कक्ष में है तथा दोनों ही कब्रों को मुमताज का बताया जाता है। जिन संगमरमर के पत्थरों पर कुरान की आयतें लिखी हुई हैं उनके रंग में पीलापन है जबकि शेष पत्थर ऊंची गुणवत्ता वाले शुभ्र रंग के हैं। यह इस बात का प्रमाण है कि कुरान की आयतों वाले पत्थर बाद में लगाए गए हैं। ताज के दक्षिण में एक प्राचीन पशुशाला है। वहां पर तेजोमहालय की पालतू गायों को बांधा जाता था। मुस्लिम कब्र में गाय कोठा होना एक असंगत बात है। ताजमहल में चारों ओर चार एक समान प्रवेशद्वार हैं, जो कि हिंदू भवन निर्माण का एक विलक्षण तरीका है जिसे कि चतुर्मुखी भवन कहा जाता है। ताजमहल में ध्वनि को गुंजाने वाला गुम्बद है। हिंदू मंदिरों के लिए गूंज उत्पन्न करने वाले गुम्बजों का होना अनिवार्य है। बौद्धकाल में इसी तरह के शिव मंदिरों का अधिक निर्माण हुआ था। ताजमहल का गुम्बज कमल की आकृति से अलंकृत है। आज हजारों ऐसे हिंदू मंदिर हैं, जो कि कमल की आकृति से अलंकृत हैं।ताजमहल के गुम्बज में सैकड़ों लोहे के छल्ले लगे हुए हैं जिस पर बहुत ही कम लोगों का ध्यान जा पाता है। इन छल्लों पर मिट्टी के आलोकित दीये रखे जाते थे जिससे कि संपूर्ण मंदिर आलोकमय हो जाता था। ताजमहल की चारों मीनारें बाद में बनाई गईं। इतिहासकार ओक के अनुसार ताज एक सात मंजिला भवन है। शहजादे औरंगजेब के शाहजहां को लिखे पत्र में भी इस बात का विवरण है। भवन की चार मंजिलें संगमरमर पत्थरों से बनी हैं जिनमें चबूतरा, चबूतरे के ऊपर विशाल वृत्तीय मुख्य कक्ष और तहखाने का कक्ष शामिल है। मध्य में दो मंजिलें और हैं जिनमें 12 से 15 विशाल कक्ष हैं। संगमरमर की इन चार मंजिलों के नीचे लाल पत्थरों से बनी दो और मंजिलें हैं, जो कि पिछवाड़े में नदी तट तक चली जाती हैं। सातवीं मंजिल अवश्य ही नदी तट से लगी भूमि के नीचे होनी चाहिए, क्योंकि सभी प्राचीन हिंदू भवनों में भूमिगत मंजिल हुआ करती है।

नदी तट के भाग में संगमरमर की नींव के ठीक नीचे लाल पत्थरों वाले 22 कमरे हैं जिनके झरोखों को शाहजहां ने चुनवा दिया है। इन कमरों को, जिन्हें कि शाहजहां ने अतिगोपनीय बना दिया है, भारत के पुरातत्व विभाग द्वारा तालों में बंद रखा जाता है। सामान्य दर्शनार्थियों को इनके विषय में अंधेरे में रखा जाता है। इन 22 कमरों की दीवारों तथा भीतरी छतों पर अभी भी प्राचीन हिंदू चित्रकारी अंकित हैं। इन कमरों से लगा हुआ लगभग 33 फुट लंबा गलियारा है। गलियारे के दोनों सिरों में एक-एक दरवाजे बने हुए हैं। इन दोनों दरवाजों को इस प्रकार से आकर्षक रूप से ईंटों और गारे से चुनवा दिया गया है कि वे दीवार जैसे प्रतीत हों। ताजमहल की सातों मंजिलों को खोलकर साफ-सफाई कराने की नितांत आवश्यकता है, ताकि यह पता चल सके कि उसमें मुमताज के अलावा और कौन-कौन से तथ्य दफ्न हैं। फ्रांसीसी यात्री बेर्नियर ने लिखा है कि ताज के निचले रहस्यमय कक्षों में गैर मुस्लिमों को जाने की इजाजत नहीं थी, क्योंकि वहां चौंधिया देने वाली वस्तुएं थीं। यदि वे वस्तुएं शाहजहां ने खुद ही रखवाई होती तो वह जनता के सामने उनका प्रदर्शन गौरव के साथ करता, परंतु वे तो लूटी हुई वस्तुएं थीं और शाहजहां उन्हें अपने खजाने में ले जाना चाहता था इसीलिए वह नहीं चाहता था कि कोई उन्हें देखे।

जहां तक राजा जयसिंह द्वारा ताजमहल की जमीन तोहफे में दिए जाने का प्रसंग है, तो कोई किसी को मंदिर तोहफे में नहीं देता। पुरुषोत्तम ओक के अनुसार बादशाहनामा, जो कि शाहजहां के दरबार के लेखा-जोखा की पुस्तक है, में स्वीकारोक्ति है (पृष्ठ 403 भाग 1) कि मुमताज को दफनाने के लिए जयपुर के महाराजा जयसिंह से एक चमकदार, बड़े गुम्बद वाला विशाल भवन (इमारत-ए-आलीशान व गुम्बज) लिया गया, जो कि राजा मानसिंह के भवन के नाम से जाना जाता था। जयपुर के पूर्व महाराजा ने अपनी दैनंदिनी में 18 दिसंबर, 1633 को जारी किए गए शाहजहां के ताज भवन समूह को मांगने के बाबत दो फरमानों (नए क्रमांक आर. 176 और 177) के विषय में लिख रखा है। यह बात जयपुर के उस समय के शासक के लिए घोर लज्जाजनक थी और इसे कभी भी आम नहीं किया गया।बहरहाल इतिहास के उन सत्य और असत्य प्रसंगों से होते हुए तुषार अमरीश गोयल निर्देशित फिल्म द ताज स्टोरी पर फिर से आते हैं। ताज स्टोरी के निर्माताओं ने 29 सितंबर को सोशल मीडिया पर इसका मोशन पोस्टर जारी किया, जिसके बाद कई लोगों ने निर्माताओं पर मुगल बादशाह शाहजहां द्वारा निर्मित इस स्मारक के पुराने हिंदू मंदिर के स्थान पर बनाए जाने के विवादास्पद दावों को हवा देने का आरोप लगाया। परेश रावल ताजमहल में विष्णु दास नामक एक स्थानीय गाइड का मुख्य किरदार निभा रहे हैं, जो विरोध प्रदर्शनों के बीच ताजमहल के डीएनए परीक्षण की मांग को लेकर अदालत जाते हैं। 9 अक्टूबर को फिल्म का टीजर रिलीज हुआ जिसमें परेश रावल का किरदार कहता है कि कुछ लोगों के लिए ताजमहल एक मकबरा है, जबकि कुछ के लिए यह एक मंदिर है। फिर वह दर्शकों के सामने सवाल उठाते हैं, आपको क्या लगता है, इसकी कहानी क्या है? यह फिल्म स्मारक पर आस्था और प्रलेखित इतिहास के बीच चल रही बहस को उजागर करती है। विष्णु दास ताजमहल के खिलाफ मुकदमा दाखिल करते हैं और जल्द ही अदालती लड़ाई में तीखे शब्दों के युद्ध में उलझते हुए दिखाई देते हैं, जहां वह ताजमहल की उत्पत्ति पर सवाल उठाते हैं।

फिल्म में परेश रावल द्वारा अभिनित विष्णु दास लोकप्रिय ऐतिहासिक स्मारक के सामने हाथ जोड़कर झुकते हैं और फिर एक दुकानदार से कहते हैं कि वह ताजमहल देखने आए हैं, जिसे उन्होंने मंदिर बताया था। विष्णु दास एक गवाह से पूछते हैं कि क्या वह ताजमहल के नीचे 22 कमरों में गया था? वे इसे मुगल बादशाह शाहजहां द्वारा अपनी दिवंगत पत्नी मुमताज महल के लिए बनवाए गए प्रेम के प्रतीक के बजाय अत्याचार और नरसंहार का प्रतीक भी कहते हैं।

अयोध्या से भाजपा प्रवक्ता रजनीश सिंह ने सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय और सेंसर बोर्ड को दी गई अपनी शिकायत में द ताज स्टोरी पर प्रतिबंध लगाने की मांग की है। उनका दावा है कि यह 2022 में इलाहाबाद उच्च न्यायालय में उनके द्वारा दाखिल एक याचिका के विषय पर आधारित है। याचिका में रजनीश सिंह ने उच्च न्यायालय से ताजमहल के अंदर बंद 22 कमरों को खोलने की अनुमति देने का अनुरोध किया था। उन्होंने दावा किया था कि यह स्मारक मूल रूप से एक मंदिर था। अब, अपनी शिकायत में, भाजपा नेता ने कहा, मैंने ताजमहल के 22 बंद कमरों को खोलने के लिए एक जनहित याचिका दाखिल की थी। मेरा उद्देश्य केवल पारदर्शिता सुनिश्चित करना और ऐतिहासिक तथ्यों का सत्यापन सुनिश्चित करना था। मुझे पता चला है कि फिल्म द ताज स्टोरी मेरी याचिका के विषय पर आधारित है। रजनीश सिंह ने यह भी दावा किया कि फिल्म के पोस्टर, प्रचार सामग्री और कहानी में न्यायिक विषय और याचिका का संदर्भ उनकी अनुमति के बिना भ्रामक तरीके से दिया गया है। उन्होंने इसे मेरे बौद्धिक और कानूनी अधिकारों का उल्लंघन बताया। उन्होंने यह भी मांग की कि द ताज स्टोरी की स्क्रीनिंग न केवल न्यायिक प्रक्रिया को प्रभावित कर सकती है, बल्कि सामाजिक और धार्मिक भावनाओं में अनावश्यक तनाव भी पैदा कर सकती है।

वकील शकील अब्बास को भी इसी फिल्म से आपत्ति है। शकील अब्बास ने दिल्ली उच्च न्यायालय में एक याचिका दाखिल कर आरोप लगाया है कि द ताज स्टोरी ऐतिहासिक तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर पेश करती है और सांप्रदायिक सद्भाव को बिगाड़ सकती है। लेकिन इतिहास से छुपाया गया तथ्य बाहर तो आना ही चाहिए...

इतिहास सच हो...

और इसका जनसांख्यिकी का संतुलन बिगाड़ रहे हैं। दुर्भाग्य से, पिछली सरकारों ने इस गंभीर मुद्दे को नजरअंदाज किया और इस समस्या से आंखें मूंद लीं। वोट-बैंक की राजनीति के चक्कर में, उन्होंने जानबूझकर देश की सुरक्षा से समझौता किया। पहली बार, देश ने इस चुनौती का सीधे सामना करने और अपनी अखंडता की रक्षा करने के लिए एक मजबूत और निर्णायक रुख अपनाया है।

प्रधानमंत्री ने कहा, हम असली लौह पुरुष को याद करते हैं, जिन्होंने पत्थर, चाकू और विभिन्न साजिशों का सामना किया, लेकिन कभी भी भारत की एकता से समझौता नहीं किया। इतिहास में सच्चाई दर्ज होनी चाहिए न कि कांग्रेस का तोड़-मरोड़कर पेश किया गया पक्ष। 86 वर्षों तक इस सच को राजनीतिक फायदे के लिए छिपाकर रखा गया। इतिहासकार रिजवान कादरी इसे सबके सामने लाए। यह इस बात की याद दिलाता है कि आजादी की लड़ाई के दौरान सरदार पटेल ने न सिर्फ अंग्रेजों से, बल्कि अंदरूनी धोखे से भी लड़ाई लड़ी थी। एक बार सरदार पटेल ने कहा था कि देश सेवा से बड़ा कोई सुख नहीं है। मैं भी मानता हूं कि खुद को देशसेवा के लिए समर्पित करने से बड़ा सुख नहीं है। आज देश में रिकॉर्ड हाइवे और एक्सप्रेस वे बन रहे हैं। वंदे भारत और नमो भारत जैसी ट्रेन भारतीय रेल को बदल रही हैं। छोटे शहर भी अब एयरपोर्ट की सुविधा से जुड़ रहे हैं। इस आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर से भारत को लेकर दुनिया का नजरिया ही पूरी तरह बदल रहा है। इसने पूरब से पश्चिम, उत्तर से दक्षिण देश की दूरियों को भी कम किया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, सरदार पटेल मानते थे कि इतिहास लिखने में समय नहीं गंवाना चाहिए, हमें तो इतिहास बनाने के लिए मेहनत करनी चाहिए। उनकी ये भावना हमें उनकी जीवनगाथा में दिखाई देती है। सरदार साहब ने जो नीतियां बनाई, जो निर्णय लिए, उन्होंने नया इतिहास रचा। आजादी के बाद 550 से ज्यादा रियासतों को साथ जोड़ने के असंभव कार्य को उन्होंने संभव करके दिखा दिया। एक भारत-श्रेष्ठ भारत का विचार उनके लिए सर्वोपरि था। सरदार साहब चाहते थे कि जैसे उन्होंने बाकी रियासतों का विलय किया, वैसे ही ओर कश्मीर का विलय हो, लेकिन, पंडित नेहरू ने उनकी वो इच्छा पूरी नहीं होने दी। कश्मीर को अलग संविधान और अलग निशान से बांट दिया गया। कश्मीर पर कांग्रेस ने जो गलती की थी, उसकी आग में देश दशकों तक जलता रहा।

राष्ट्रीय एकता दिवस कार्यक्रम में अपने संबोधन में पीएम मोदी ने कहा, सरदार पटेल अमर रहें, आज हम सब एक महान क्षण के साक्षी बन रहे हैं। देशभर में हो रही एकता दौड़ कोटि-कोटि भारतीयों का उत्साह बढ़ा रही है। हम नए भारत की संकल्प शक्ति को साक्षात महसूस कर रहे हैं। हर ऐसी बात जो देश की एकता को कमजोर करती है। हर देशवासी को उससे दूर रहना है। ये राष्ट्रीय कर्तव्य है, ये सरदार साहब को सच्ची श्रद्धांजलि है। यही आज देश की जरूरत है। यही आज एकता दिवस का हर भारतीय के लिए संदेश भी है, संकल्प भी है।

केवड़िया के एकता नगर में आयोजित राष्ट्रीय एकता दिवस परेड के दौरान भारतीय वायु सेना की सूर्य किरण एरोबैटिक टीम ने आसमान को तिरंगे के रंग में रंग दिया। राष्ट्रीय एकता दिवस परेड में अर्धसैनिकबल की टुकड़ियों के साथ-साथ असम, त्रिपुरा, ओड़ीशा, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, पंजाब, जम्मू और कश्मीर, केरल, आंध्र प्रदेश राज्यों के पुलिस बल भी शामिल थे। दूसरी तरफ दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर मेजर ध्यानचंद राष्ट्रीय स्टेडियम से रन फॉर यूनिटी को झंडी दिखाई।

ऑस्ट्रेलिया को हराकर ...

उनका 15 मैचों का जीत का सिलसिला (2022-2025) यहीं खत्म हुआ। दिलचस्प बात यह है कि पिछली बार (2017) भी भारत ने ही ऑस्ट्रेलिया को सेमीफाइनल में हराया था। महिला वर्ल्ड कप सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया अब तक 6 बार खेल चुकी है, जिनमें से दो बार उसे सिर्फ भारत ने हराया है (2017 और 2025)। भारत अब तीसरी बार महिला वर्ल्ड कप फाइनल में पहुंचा है। पहले दो बार (2005 और 2017) टीम उपविजेता रही थी। इस बार टीम का लक्ष्य है, ट्रॉफी घर लाना।

भारत ने वर्ल्ड कप इतिहास में पहली बार 200 से ऊपर का लक्ष्य चेज किया। इससे पहले टीम इंडिया कभी भी इतना बड़ा टारगेट नहीं जीत पाई थी। लेकिन इस बार स्क्रिप्ट कुछ और ही थी। 339 रनों का पीछा, वह भी वर्ल्ड कप नॉकआउट में। इसमें भारत की बेटियों ने कमाल कर दिया। महिला वनडे विश्व कप के नॉकआउट में 200 से ज्यादा रनों के लक्ष्य का सफलतापूर्वक पीछा करने का एकमात्र पिछला उदाहरण ब्रिस्टल में 2017 के सेमीफाइनल में इंग्लैंड-डब्ल्यू बनाम दक्षिण अफ्रीका-डब्ल्यू द्वारा 219 रनों का था। भारत का आज का 341/5 स्कोर महिला वनडे मैच में रनों का पीछा करते हुए दूसरा सबसे बड़ा स्कोर भी है, इससे पहले पिछले महीने दिल्ली में इसी टीम के खिलाफ भारत 369 रनों पर ऑलआउट हो गया था। भारतीय महिलाओं का पिछला सर्वोच्च रनों का पीछा करते हुए 2021 में मैके में इसी प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ 265 रनों का स्कोर था।

यह जीत खास इसलिए भी रही क्योंकि यह पहला मौका था जब किसी वनडे वर्ल्ड कप नॉकआउट (पुरुष या महिला) में 300+ रन का लक्ष्य सफलतापूर्वक चेज हुआ। इससे पहले पुरुष वर्ल्ड कप (2015) में न्यूजीलैंड ने सेमीफाइनल में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 298 रन का लक्ष्य चेज किया था। भारत और ऑस्ट्रेलिया का यह सेमीफाइनल मैच महिला वनडे इतिहास का दूसरा सबसे बड़ा मैच एग्रीगेट बन गया। दोनों टीमों ने मिलकर 679 रन बनाए।

जब भारत 59/2 पर था, तब मैच ऑस्ट्रेलिया की पकड़ में लग रहा था, लेकिन कप्तान हरमनप्रीत कौर (89) और जेमिमा ने मिलकर 167 रनों की साझेदारी कर मैच पलट दिया। यह साझेदारी भारत के महिला वर्ल्ड कप इतिहास की सबसे बड़ी पार्टनरशिप में से एक बन गई। ऑस्ट्रेलिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए फीबी लिचफील्ड (119) और एलिस पेरी (77) की शानदार पारियों की बदौलत 338 रन बनाए, लेकिन भारतीय गेंदबाजों श्री चरणी और दीप्ति शर्मा (2-2 विकेट) ने बीच के ओवरों में रन रोककर टीम को वापसी कराई। आखिरी ओवर में ऑस्ट्रेलिया के तीन विकेट गिरे, जिससे 350 के पार जाने का मौका छिन गया।

यह भारत की तीसरी वर्ल्ड कप फाइनल एंट्री है। पहले दो बार (2005 और 2017) टीम उपविजेता रही, लेकिन इस बार सबकी उम्मीदें हैं कि जेमिमा, हरमनप्रीत और स्मृति मंधाना की ये नई तिकड़ी ट्रॉफी घर लाएगी। फाइनल में भारत का सामना दक्षिण अफ्रीका से होगा। भारत की इस जीत के साथ तय हो गया कि वर्ल्ड कप 2025 को एक नया चैंपियन मिलेगा। भारत फाइनल में दक्षिण अफ्रीका से भिड़ेगा और अब पूरा देश इस सुनहरे पल का इंतजार कर रहा है और उम्मीद लगाए बैठा है कि भारतीय महिला टीम पहली बार महिला वनडे विश्व कप का खिताब जीतने में कामयाब रहेगी।

भारतीय टीम ने महिला वनडे इतिहास का सबसे सफल रन चेज करते हुए विश्व कप के फाइनल में जगह बना ली है। भारत ने जेमिमा रोड्रिग्स और हरमनप्रीत कौर के बीच हुई शतकीय साझेदारी के दम पर गत चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को पांच विकेट से मात दी। भारत के लिए अमनजोत कौर ने जैसे ही जीत का चौका लगाया, मैदान पर भारतीय महिला टीम के सदस्य खुशी से झूम उठे। वहीं, जेमिमा और अमनजोत ने एक दूसरे गले लगा लिया।

भारतीय महिला टीम ने गत चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को सेमीफाइनल में हराकर उसका विजय रथ रोक दिया। ऑस्ट्रेलिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 49.5 ओवर 338 रन बनाए थे। जवाब में भारत के लिए जेमिमा ने शतक लगाया और कप्तान हरमनप्रीत के साथ तीसरे विकेट के लिए 167 रनों की साझेदारी की जिससे भारत ने 48.3 ओवर में पांच विकेट पर 341 रन बनाकर मैच अपने नाम किया। ऑस्ट्रेलिया की टीम इस टूर्नामेंट में अजेय बनी हुई थी, लेकिन भारतीय टीम ने एलीस हीली की टीम का विजयी अभियान रोक दिया। भारत का अब रविवार को फाइनल में दक्षिण अफ्रीका से सामना होगा जिसने एक अन्य सेमीफाइनल में इंग्लैंड को हराया था।

जेमिमा ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल में भारत को जीत दिलाने के बाद भावुक हो गईं और अपने आंसू नहीं रोक सकीं। जेमिमा सेमीफाइनल में शतक लगाकर नाबाद लौटीं और उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। जेमिमा 134 गेंदों पर 14 चौकों की मदद से 127 रन बनाकर नाबाद रहीं। जेमिमा और हरमनप्रीत के बीच तीसरे विकेट के लिए 167 रनों की साझेदारी हुई।

भारतीय महिला टीम ने ऑस्ट्रेलिया को ऐसी शिकस्त दी है जो ये टीम लंबे समय तक याद रखेगी। भारतीय महिला टीम के सदस्यों को भी इस बात का अंदाजा है कि उन्होंने कितनी बड़ी जीत दर्ज की है। जैसे ही भारत ने ऑस्ट्रेलिया को हराया टीम के सदस्य खुशी से झूम उठे। सभी एक दूसरे को गले लगाने लगे। इस दौरान कई खिलाड़ियों की आंखों से आंसू छलक उठे। भारत अभी विश्व कप खिताब से एक कदम दूर है, लेकिन सेमीफाइनल में मिली इस अभूतपूर्व जीत से ही टीम के खिलाड़ी अपनी भावनाओं को काबू नहीं रख सके।

चीन ने भारत को रेयर ...

अर्थ्स इंपोर्ट करने के लाइसेंस मिल चुके हैं।

चीन की शर्त है कि मैग्नेट्स को अमेरिका एक्सपोर्ट नहीं किया जा सकता। साथ ही इन्हें डिफेंस से जुड़े कामों में इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। इन पाबंदियों की वजह से ऑटोमोबाइल प्रोडक्शन प्रभावित हुआ था, खासकर इलेक्ट्रिक कारों और टू-व्हीलर्स में। कंपनियों ने सरकार से चीन के साथ बात करने को कहा था। रेयर अर्थ मैग्नेट्स मार्केट में सबसे ताकतवर परमानेंट मैग्नेट्स हैं। इनकी मैग्नेटिक स्ट्रेंथ ज्यादा होती है और डिमैग्नेटाइजेशन से बचाव भी। ये वजन और स्पेस कम होने वाली जगहों पर फिट बैठते हैं। इन्हें रेयर अर्थ एलिमेंट्स जैसे नियोडाइमियम, प्रासियोडाइमियम और डिस्प्रोसियम से बनाया जाता है। ज्यादातर ये नियोडाइमियम-आयरन-बोरॉन अलॉय से बने होते हैं। ये छोटे-छोटे और एनर्जी-एफिशिएंट डिवाइसेस में पावर देते हैं।

लाइसेंस पाने वाली कंपनियां ऑटोमोटिव और इलेक्ट्रॉनिक्स को कंपोनेंट्स सप्लाई करती हैं। भारत की ऑटो इंडस्ट्री को 2025-26 में करीब 870 टन रेयर अर्थ मैग्नेट्स इंपोर्ट करने की जरूरत है। कुल मिलाकर देश को 3,600 टन चाहिए। इस साल की शुरुआत में चीन ने रेयर अर्थ मैग्नेट्स की बिक्री पर रोक लगा दी थी। चीन ग्लोबल रेयर अर्थ मेटल्स माइनिंग का 70 प्रतिशत कंट्रोल करता है। मैग्नेट प्रोडक्शन में तो 90 प्रतिशत हिस्सा उसका है। इसका राज सप्लाई चेन पर कंट्रोल है, माइनिंग से लेकर रिफाइनिंग, अलॉय प्रोडक्शन और मैग्नेट मैन्युफैक्चरिंग तक।

अमेरिका और अब ...

इस निविदा में और भी प्रस्ताव मिले थे, लेकिन ऊंची कीमतों के कारण उन्हें केवल 20 लाख बैरल ही मिले। व्यापारी रिलायंस इंडस्ट्रीज की आगे की मांग पर भी नजर रख रहे हैं, जो भारत का सबसे बड़ा रूसी तेल खरीदार रही है।

इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर दावा किया था कि भारत ने रूस से तेल की खरीद में उल्लेखनीय कमी की है। उन्होंने कहा कि इस मोर्चे पर भारत बहुत अच्छा कर रहा है। ट्रंप ने यह टिप्पणी एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग (एपीईसी) सम्मेलन के दौरान चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात के बाद मीडिया से बातचीत में की थी। ट्रंप ने एयर फोर्स वन विमान में पत्रकारों से कहा, चीन के तेल खरीदने के मामले में हम ज्यादा कुछ नहीं कर सकते। वह लंबे समय से रूस से तेल खरीद रहा है। यह उसकी बड़ी ऊर्जा जरूरतों को पूरा करता है, लेकिन मैं कह सकता हूं कि भारत इस मोर्चे पर बहुत अच्छा कर रहा है। हमने तेल पर विस्तार से चर्चा नहीं की, बल्कि इस बात पर बात की कि क्या हम मिलकर युद्ध को समाप्त करने की दिशा में कुछ कर सकते हैं।

देश की संप्रभुता को...

इसके अलावा, पुलिस ने आरोपियों पर न्यायिक प्रक्रिया का दुरुपयोग करने का भी आरोप लगाया। उनका कहना है कि आरोपियों ने समन्वित रणनीति अपनाकर कार्यवाही में देरी कराई, जिससे न्याय की प्रक्रिया बाधित हुई।दिल्ली पुलिस का प्रतिनिधित्व सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता और अधिवक्ता रजत नायर तथा ध्रुव पांडे कर रहे हैं। फरवरी 2020 में हुए इन दंगों में 53 लोगों की मौत हुई और सैकड़ों लोग घायल हुए। दिल्ली पुलिस का यह हलफनामा इस बात पर जोर देता है कि हिंसा का उद्देश्य केवल सामाजिक अशांति नहीं, बल्कि सरकार को अस्थिर करना और देश की संप्रभुता को चुनौती देना था। इसके पहले इसी इरादे से शाहीनबाग षडयंत्र रचा गया, जिसमें कांग्रेस, आम आदमी पार्टी और देश की तमाम विघटनकारी शक्तियों ने मदद पहुंचाई थी।

शुरू हुआ तीनों...

अभ्यास में राफेल और सुखोई जैसे अत्याधुनिक लड़ाकू विमान, ऑपरेशन सिंदूर में लोहा मनवा चुके ब्रह्मोस और आकाश मिसाइल सिस्टम, युद्धक टैंक, इन्फैंट्री कॉम्बैट वाहन, हेलिकॉप्टर, लंबी दूरी की क्षमता वाले आर्टिलरी सिस्टम्स, ड्रोन्स और नौसेना के युद्धपोत हिस्सा ले रहे हैं। सेना के तीनों अंग गुजरात व राजस्थान की सीमा से सटे इलाकों में संयुक्त ऑपरेशन, शत्रु सीमा में गहराई तक वार करने की क्षमता और मल्टी डोमेन वॉरफेयर का अभ्यास करेंगे।

त्रिशूल युद्धाभ्यास का फोकस गुजरात के कच्छ क्षेत्र पर भी रहेगा जिसे लेकर हाल में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान को खुली चेतावनी दी थी। राजनाथ ने कहा था कि यदि पाकिस्तान ने सर क्रीक में दुस्साहस किया तो उसको इतिहास और भूगोल बदलने वाला जवाब मिलेगा। साथ ही उन्होंने कहा था कि कराची का रास्ता भी क्रीक से होकर जाता है। अभ्यास के जरिए वास्तविक युद्ध के मल्टी डोमेन ऑपरेशनल वातावरण में सेना की युद्ध क्षमता, समन्वय व अभियानगत तैयारियों का परीक्षण किया जाएगा। इनसे आधुनिक युद्धक्षेत्र में उभरते खतरों का सामना करने की क्षमता मजबूत होगी। त्रिशूल अभ्यास का एक उद्देश्य दुश्मन की हर गतिविधि की समयबद्ध पहचान करना भी है। इसके लिए उन्नत तकनीकों का समन्वित उपयोग किया जाएगा।इसमें जल, थल, आसमान, साइबर, इलेक्ट्रोनिक जैसे सभी क्षेत्रों से मिलने वाली चुनौतियां निर्मित कर उनसे निपटने का अभ्यास किया जाता है। क्योंकि आधुनिक युद्धों में केवल जमीन, समुद्र या हवा से ही चुनौतियां नहीं मिलती बल्कि इसमें अंतरिक्ष व साइबरस्पेस जैसे नए क्षेत्र भी शामिल हो गए हैं। इसलिए दुश्मन पर बढ़त हासिल करने के लिए सभी क्षेत्रों की क्षमताओं का एक साथ समन्वित परीक्षण किया जाता है।दूसरी तरफ, भारत के थल सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कहा कि आजकल युद्ध का स्वरूप बदल रहा है और अब यह ज्यादातर बिना प्रत्यक्ष संपर्क के और तकनीक आधारित हो गया है। इसलिए सेना को सिर्फ सैन्य शक्ति ही नहीं, बल्कि बौद्धिक और नैतिक क्षमता की भी जरूरत है। उन्होंने युवाओं से कहा कि वे थिंक टैंक, प्रयोगशालाओं आदि सभी जगह अपनी भूमिका निभाएं। थल सेना प्रमुख ने कहा कि युद्ध अब तेजी से संपर्क रहित होते जा रहे हैं। इसलिए इसके जवाब में सैन्य ताकत के साथ-साथ बौद्धिक क्षमता और नैतिक तैयारी की भी जरूरत है। यह बात उन्होंने सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती पर नई दिल्ली के मानेकशॉ केंद्र में आयोजित कार्यक्रम में कही। उन्होंने कहा कि युवाओं की भूमिका थिंक टैंक, प्रयोगशालाओं और युद्धक्षेत्र जैसे अलग-अलग क्षेत्रों में होनी चाहिए।

इस मौके पर केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने भी सेना के अधिकारियों, छात्रों और रक्षा विशेषज्ञों को संबोधित किया। यह कार्यक्रम सेना और रक्षा थिंक-टैंक सेंटर फॉर लैंड वारफेयर स्टडीज की ओर से चाणक्य डिफेंस डायलॉग: यंग लीडर्स फोरम के तहत आयोजित हुआ। मुख्य भाषण में सेना प्रमुख ने युद्ध की बदलती प्रकृति और उसके अनुसार रणनीतिक प्रतिक्रिया की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने कहा, युद्ध अब तेजी से गैर-गतिशील और बिना प्रत्यक्ष संपर्क वाला होता जा रहा है, इसलिए इसका सामना करने के लिए सैन्य ताकत, बौद्धिक क्षमता और नैतिक तैयारी जरूरी है। कार्यक्रम में कर्नल सोफिया कुरैशी भी शामिल हुईं, जो ऑपरेशन सिंदूर के दौरान मीडिया ब्रीफिंग्स में प्रमुख चेहरों में से एक थीं। इस मौके पर यह भी घोषणा की गई कि 27 और 28 नवंबर को चाणक्य डिफेंस डायलॉग 2025 का आयोजन किया जाएगा। इसका विषय सुधार से बदलाव (रिफॉर्म टू ट्रांसफॉर्म): सशक्त और और सुरक्षित भारत होगा।

वादा निभाता है ...

अगले पांच साल में हमलोगों ने एक करोड़ से अधिक नौकरी और रोजगार देने का संकल्प लिया है। बिहार के युवा हर कोने में जा सकें। दुनिया में जहां भी बिहार के युवा की जरूरत हो। उसके लिए हमलोग काम करेंगे। सम्राट चौधरी ने कहा कि महिला रोजगार के लिए महिलाओं को दो लाख तक की सहायता राशि एनडीए सरकार देगी। एक करोड़ महिलाओं को लखपति दीदी बनाने का काम एनडीए सरकार करेगी।डिप्टी सीएम ने कहा कि हमलोगों की सरकार बनी तो हम लोग मिशन करोड़पति भी शुरू करेंगे। महिलाओं को करोड़पति बनाने की दिशा में काम करेंगे। अति पिछड़ा समाज के कामगार वर्गों को 10 लाख रुपये की सहायता दी जाएगी। सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत्त जज की अध्यक्षता में एक आयोग का गठन करेंगे जो अति पिछड़ा समाज को मुख्यधारा में लाने के लिए काम करने का सुझाव सरकार देने का काम करेगा। डिप्टी सीएम ने कहा कि देश में किसान सम्मान निधि योजना चलाया जा रहा है। अभी केंद्र सरकार किसानों को छह हजार दे रही है। अब एनडीए सरकार बिहार के किसानों को तीन हजार रुपए देगी। यानी हर साल अब किसानों को नौ हजार रुपये दिए जाएंगे। इसे कर्पूरी ठाकुर किसान सम्मान का नाम दिया गया है।25 सूत्री घोषणा पत्र में एनडीए ने यह वादा किया है कि एक करोड़ से अधिक सरकारी नौकरी व रोजगार दिया जाएगा। हर जिले में मेगा स्किल सेंटर खोला जाएगा। बिहार स्पोर्ट्स सिटी व प्रखंडों में खेलों के लिए सेंटर ऑफ एक्सीलेंस बनाया जाएगा। हर जिले में फैक्ट्री व 10 नए औद्योगिक पार्क का निर्माण किया जाएगा। 100 एमएसएमई पार्क व 50,000 से अधिक कुटीर उद्योग स्थापित किए जाएंगे। डिफेंस कॉरिडोर, सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग पार्क स्थापित किया जाएगा। महिला रोजगार योजना से महिलाओं को 2 लाख तक की सहायता राशि दी जाएगी। 1 करोड़ महिलाएं लखपति दीदी बनेंगी। मिशन करोड़पति के माध्यम से महिला उद्यमी करोड़पति बनेंगी। किसान सम्मान निधि 6,000 रुपए से बढ़ाकर 9,000 रुपए की सहायता राशि दी जाएगी। मत्स्य पालकों को 4,500 से बढ़ाकर 9,000 की सहायता राशि दी जाएगी। सभी फसलों के लिए एमएसपी की गारंटी दी जाएगी। एग्री-इन्फ्रास्ट्रक्चर में 9 लाख करोड़ का निवेश किया जाएगा। हर अनुमंडल में एससी व एसटी के विद्यार्थियों के लिए आवासीय विद्यालय बनाया जाएगा। उच्च शिक्षा संस्थान में अध्यनरत सभी अनुसूचित जाति वर्ग के विद्यार्थियों को प्रति माह 2,000 दिया जाएगा। ईबीसी वर्ग की जातियों को 10 लाख तक की सहायता दी जाएगी। गरीब परिवारों के छात्रों को नर्सरी से पीजी तक मुफ्त गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दी जाएगी। स्कूलों में मिड-डे मील के साथ पौष्टिक नाश्ता दिया जाएगा। 50 लाख नए पक्के मकान, मुफ्त राशन, 125 यूनिट मुफ्त बिजली, सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना जारी रहेगा। 5,000 करोड़ से जिलों के प्रमुख स्कूलों का कायाकल्प किया जाएगा। 7 एक्सप्रेस-वे और 3,600 किमी रेल ट्रैक का आधुनिकीकरण होगा। विश्वस्तरीय मेडिकल सिटी और हर जिले में मेडिकल कॉलेज का निर्माण किया जाएगा। मां जानकी की जन्मस्थली को विश्वस्तरीय आध्यात्मिक नगरी के रूप में विकसित किया जाएगा। इसे धार्मिक नगरी सीतापुरम के रूप में विकसित करेंगे। पटना, दरभंगा, पूर्णिया व भागलपुर में अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे और 4 नए शहरों में मेट्रो का निर्माण होगा। अगले पांच साल में बिहार को बाढ़ मुक्त बनाया जाएगा। इसके लिए फ्लड मैनेजमेंट बोर्ड की स्थापना एवं फ्लड टू फॉर्च्यून मॉडल अंतर्गत नदी जोड़ परियोजना तटबंध, नहरों का शीघ्र व मत्स्य पालन को बढ़ावा दिया जाएगा।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

म्हारो शुभ लाभ भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, शनिवार, 01 नवंबर, 2025

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

सतर्कता विभाग में कृत्रिम बुद्धिमत्ता टास्क फोर्स का गठन किया जाना चाहिए : वीसी सज्जनार

सतर्कता दंडात्मक नहीं, बल्कि सुधारात्मक व्यवस्था होनी चाहिए : श्रीनिवास राव

हैदराबाद, 31 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। सिंगरेनी भवन में शुक्रवार को आयोजित सतर्कता जागरूकता सप्ताह के पाँचवें दिन आयोजित कार्यक्रम में हैदराबाद के पुलिस आयुक्त वी.सी. सज्जनार ने कहा कि यदि सतर्कता विभाग भ्रष्टाचार, अनियमितताओं और अपराधों पर नियंत्रण के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित टास्क फोर्स का गठन करता है, तो पारदर्शिता और उत्पादकता दोनों में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार और अनियमितताओं को कम करने के लिए व्यवस्थाओं में मूलभूत परिवर्तन आवश्यक हैं। त्रुटिपूर्ण नीतियाँ अनियमितताओं को जन्म देती हैं, इसलिए व्यवस्था को सुदृढ़ किया जाना चाहिए और अच्छी आदतों व प्रथाओं को अपनाना चाहिए। तकनीक को अपनाने से पारदर्शिता बढ़ेगी और सतर्कता का उद्देश्य और प्रभावी होगा।

श्री सज्जनार ने सिंगरेनी के साथ अपने 25 वर्षों के जुड़ाव की यादें साझा करते हुए कहा कि देश की आर्थिक प्रगति में सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने सिंगरेनी के युवा सीएमडी श्री एन. बलराम के नेतृत्व में कंपनी द्वारा किए जा रहे व्यावसायिक विस्तार उपायों की सराहना की और कहा कि यह संगठन वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान मजबूत कर रहा है। उन्होंने कर्मचारियों से आह्वान किया कि वे निरंतर अपने कौशल को विकसित करें और समय के साथ परिवर्तन को अपनाएँ।

दोपहर के सत्र में आयोजित कार्यक्रम में जीएसटी रंगारेड्डी आयुक्तालय के प्रधान आयुक्त श्री जी. श्रीनिवास राव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। उन्होंने कहा कि सतर्कता विभाग को दंडात्मक नहीं, बल्कि सुधारात्मक व्यवस्था में परिवर्तित किया जाना चाहिए।

उन्होंने सुझाव दिया कि प्रत्येक विभाग के लिए मानक संचालन प्रक्रियाएँ तैयार की जानी चाहिएं, जिससे सभी कर्मचारी अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन सुसंगत एवं पारदर्शी तरीके से कर सकें। इससे गलतियाँ और भ्रष्टाचार पर नियंत्रण पाया जा सकेगा।

श्री राव ने कहा कि ईमानदारी से काम करने वाले अधिकारियों को भयमुक्त वातावरण मिलना चाहिए और उनके कार्य की सराहना की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों को अपनी गलतियों को सुधारने का अवसर मिलना चाहिए और उन्हें अपने कार्य के प्रति पूर्ण समर्पित रहना चाहिए। यदि हर कर्मचारी वेतन को ही अपने कार्य का प्रतिफल समझे, तो सतर्कता विभाग की आवश्यकता ही समाप्त हो जाएगी।कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए सिंगरेनी के सीएमडी श्री एन. बलराम ने कहा कि कंपनी में अनुशासन, कार्यकुशलता और उत्पादकता बढ़ाने के लिए विभिन्न कदम उठाए जा रहे हैं। इस बार सतर्कता सप्ताह के दौरान प्रसिद्ध व्यक्तित्वों को आमंत्रित कर कर्मचारियों में जागरूकता और प्रेरणा पैदा की जा रही है।

उन्होंने बताया कि सिंगरेनी आने वाले समय में देश के 10 राज्यों में विस्तार योजनाओं पर काम कर रही है और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खनिज क्षेत्र में नए अवसरों की तलाश कर रही है।

कार्यक्रम में कंपनी के निदेशक एल.वी. सूर्यनारायण, के. वेंकटेश्वरलू, गौतम पोटरु, तिरुमाला राव, कार्यकारी निदेशक (कोयला संचालन एवं मुख्य सतर्कता अधिकारी) बी. वेंकन्ना, महाप्रबंधक (समन्वय) टी. श्रीनिवास, विभिन्न क्षेत्रों के महाप्रबंधक, कॉर्पोरेट अधिकारी एवं विभाग प्रमुख उपस्थित रहे।

इंदिरा गांधी की पुण्यतिथि पर गांधी भवन में टीपीसीसी अध्यक्ष महेश कुमार गौड और श्रीनिवास सोमानी (भाषाई अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के जनरल सेक्रेटरी) द्वारा जरूरतमंद महिलाओं को साड़ियां वितरित की गईं। इस अवसर पर कांग्रेस नेता बाल पोचय्या, उपाध्यक्ष कुमार, अलम भास्कर समेत अन्य कांग्रेस नेता उपस्थित थे।

भक्ति के साथ सेवा का भाव जरूरी : रामप्रकाश अग्रवाल

हैदराबाद, 31 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे राधे ग्रुप हैदराबाद के संयोजक रामप्रकाश अग्रवाल ने कहा कि आंवला नवमी हिंदू धर्म का एक अत्यंत पवित्र और पुण्यदायी पर्व है, जो भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की आराधना को समर्पित है। इस दिन आंवले के वृक्ष की पूजा करने से जीवन में आरोग्य, समृद्धि और दीर्घायु प्राप्त होती है। नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन पिलर नंबर 1265 ए के पास जारी नियमित अन्नदान कार्यक्रम में आंवला नवमी के अवसर पर उन्होंने कि कहा कि राधे राधे ग्रुप का उद्देश्य केवल भक्ति तक सीमित नहीं, बल्कि सेवा, सद्भावना और पर्यावरण संरक्षण के संदेश को समाज तक पहुँचाना है।

आंवला नवमी केवल धार्मिक उत्सव नहीं, बल्कि प्रकृति और पर्यावरण के प्रति हमारी आस्था और जिम्मेदारी का प्रतीक है। आंवला वृक्ष हमारे स्वास्थ्य का आधार है और इसका पूजन मानवता के कल्याण की भावना से जुड़ा हुआ है।

इस अवसर पर रामप्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, महेश अग्रवाल, सुशील गुप्ता,शीतल गुप्ता,रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, महेश गुप्ता, नंदकिशोर अग्रवाल,भरतराम गोयल, गौरव गोयल,रवि शर्मा मनोज शर्मा,प्रीतिका अग्रवाल आदि उपस्थित थे।

दि हैदराबाद कटपीस क्लॉथ मर्चेंट्स एसोसिएशन के चुनाव हेतु नामांकन पत्र प्राप्त

हैदराबाद, 31 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। दि हैदराबाद कटपीस क्लॉथ मर्चेंट्स एसोसिएशन के आगामी चुनाव के लिए नामांकन पत्र प्राप्त किए गए।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति में चुनाव अधिकारी मुकुंद लाल अग्रवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि विभिन्न पदों के लिए निम्नलिखित नामांकन पत्र प्राप्त हुए हैं –

अध्यक्ष पद के लिए : बालकिशन अग्रवाल, उपाध्यक्ष पद के लिए : पंकज कुमार अग्रवाल एवं रवींद्र कुमार अग्रवाल, मानद मंत्री पद के लिए : एम. सुनील कुमार अग्रवाल, सहमंत्री पद के लिए : अचल कुमार गुप्ता एवं पंकज कुमार अग्रवाल और कोषाध्यक्ष पद के लिए : शेष कुमार गोयल शामिल हैं।कार्यकारिणी सदस्य पद हेतु कुल 17 नामांकन पत्र प्राप्त हुए हैं, जिनमें शामिल हैं – अनिल कुमार शर्मा, अशोक कुमार बंसल, चेतन प्रकाश, दीपक गोयल, धीरज गुप्ता, जय प्रकाश अग्रवाल, मदन मोहन शर्मा, पंकज कुमार मित्तल, पुरुषोत्तम असावा, राजेश कुमार अग्रवाल, रवि सराफ, रोहित कुमार अग्रवाल, शैलेश कुमार अग्रवाल, सुरेंद्र गुप्ता, टी. सुनील कुमार, उदित गोयल एवं विजय कुमार अग्रवाल।कार्यकारिणी सदस्य के 15 पदों के लिए चुनाव संपन्न कराए जाएंगे।

नाम वापस लेने की अंतिम तिथि 5 नवम्बर निर्धारित की गई है, जिसके पश्चात चुनाव प्रक्रिया प्रारंभ होगी। आवश्यकतानुसार चुनाव 9 नवम्बर को अग्रवाल शिक्षा समिति, रिकाबगंज प्रांगण में संपन्न कराए जाएंगे।इस अवसर पर एसोसिएशन की चुनाव समिति के सदस्य – चुनाव अधिकारी मुकुंद लाल अग्रवाल, राजेश अग्रवाल, तथा सदस्यगण अशोक कुमार बंसल, विनय जैन एवं चुनाव के प्रत्याशीगण उपस्थित थे।

हिंदी प्रचार सभा हैदराबाद में इंदिरा गांधी की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित

हैदराबाद, 31 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। हिंदी प्रचार सभा हैदराबाद के नामपल्ली स्थित मुख्य कार्यालय के सभा गृह में भारत की पूर्व प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी की पुण्यतिथि श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाई गई।इस अवसर पर हिंदी प्रचार सभा हैदराबाद के प्रधान मंत्री एस. गैबुवली ने इंदिरा गांधी के चित्र पर पुष्पमाला अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए एस. गैबुवली ने कहा कि इंदिरा गांधी जैसा धैर्य और साहस हर महिला के लिए आदर्श है। उन्होंने बताया कि इंदिरा गांधी भारत की प्रथम एवं एकमात्र महिला प्रधानमंत्री थीं, जिन्होंने 1966 से 1977 तथा पुनः 1980 से 1984 तक देश का नेतृत्व किया। उन्हें भारत की लौह महिला के रूप में जाना जाता है। उनके कार्यकाल में देश में आर्थिक, सैन्य एवं राजनैतिक क्षेत्र में अनेक ऐतिहासिक परिवर्तन हुए।

विशेष अधिकारी श्रुतिकांत भारती ने अपने उद्बोधन में कहा कि बैंकों का राष्ट्रीयकरण इंदिरा गांधी के सबसे महत्व–पूर्ण निर्णयों में से एक था। उन्होंने कहा कि हर महिला को इंदिरा गांधी के जीवन से धैर्य, दृढ़ निश्चय और नेतृत्व की प्रेरणा लेनी चाहिए।

कार्यक्रम में रजिस्ट्रार शंकर सिंह ठाकुर, कार्यालय मंत्री के. वेंकटेश्वर, नामदेव वाघमोडे, सी. शिवलिंगम, माया पांडे, तेलंगाना हिंदी प्रचार सभा हैदराबाद के अध्यक्ष के. रामचंदर, मंत्री ए. के. राजु, तथा स्वरोजगार पाठ्यक्रम की प्रमुख प्रशिक्षक एलिजाबेत राणी, प्रेमा एवं सुरेखा सहित हिंदी प्रचार सभा के कार्यकर्ता एवं प्रशिक्षणार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय एकता दिवस पर इरीसेट में शपथ ग्रहण एवं एकता दौड़ का आयोजन

हैदराबाद, 31 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राष्ट्रीय एकता दिवस प्रत्येक वर्ष 31 अक्तूबर को सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। यह दिवस हमारे राष्ट्र की एकता, अखंडता एवं सुरक्षा को सुदृढ़ करने तथा एक सशक्त एवं एकीकृत भारत के मूल्यों को पुनः सुदृढ़ करने की हमारी प्रतिबद्धता को अभिव्यक्त करने का एक विशेष अवसर है।

राष्ट्रीय एकता दिवस के आयोजन का एक महत्वपूर्ण अंग शपथ ग्रहण समारोह होता है। इस अवसर पर इरीसेट में भी शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया।

संस्थान के महानिदेशक शरद कुमार श्रीवास्तव ने संस्थान के संकाय सदस्यों, कर्मचारियों तथा प्रशिक्षुओं को राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाई।

इससे पूर्व, दिन की शुरुआत में एक एकता दौड़ का भी आयोजन किया गया, जिसमें लगभग 200 कर्मचारी एवं प्रशिक्षु उत्साहपूर्वक सम्मिलित हुए।

राजस्थानी महिला संगठन ने आंवला नवमी उत्सव मनाया

हैदराबाद, 31 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। ईसामिया बाजार में राजस्थानी महिला संगठन ने आंवला नवमी उत्सव का आयोजन किया। यह कार्यक्रम लीला राधेश्याम राठी के निवास पर संपन्न हुआ।

अध्यक्ष सुमित्रा राठी, अरुणा तोतला, बबिता तोतला, शोभा, सुनीता मालपानी, इंद्र भारडिया, विष्णुकांत तवोरी, लता सारड़ा, हेमा राठी, रेखा बंग, उर्मिला भट्ट, रूल्हमणि शर्मा, संगीता काबरा, तुलसी राठी, शोभा लाहोटी, सरला मनियार, लक्ष्मी, संगीता मालानी, प्रेमलिया डालिया, प्रेमा लोया, श्वेता बजाज, सरला धुत, गायत्री मर्दा, अंजू करवा आदि उपस्थित थे।उत्सव में उपस्थित लोगों ने आमला नवमी की कथा श्रवण कर उत्सव को उल्लासपूर्ण बनाया। यह पर्व हिंदू धर्म में महत्वपूर्ण माना जाता है और आंवले के वृक्ष की विशेष पूजा की जाती है, जिससे स्वास्थ्य और समृद्धि की कामना की जाती है।

इस आयोजन ने सामाजिक–सांस्कृतिक समरसता और महिला सशक्तिकरण को नई ऊर्जा प्रदान की।

रेल दुर्घटना, अप्रिय घटना या हानि से संबंधित मामले रेल दावा अधिकरण में ही दायर करें

हैदराबाद, 31 अक्तूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। रेल दावा अधिकरण (ठरळश्रुरू उश्ररळाी ढीळर्लीपरश्र) रेल यात्रियों को दुर्घटनाओं, अप्रिय घटनाओं, हानि आदि से संबंधित मुआवजों और दावों के मामलों में त्वरित न्याय प्रदान करने के उद्देश्य से स्थापित एक वैधानिक निकाय है।

आम जनता को सलाह दी गई है कि वे ऐसे सभी मामले केवल संबंधित रेल दावा अधिकरण पीठों (ठउढ इशपलहशी) में ही दायर करें, ताकि मामलों का शीघ्र और उचित निपटारा हो सके।

रेल दावा अधिकरण भारतीय रेलवे अधिनियम, 1989 की धारा 124 और 124–ए के अनुसार स्थापित है। यह अधिकरण रेलवे से जुड़ी दुर्घटनाओं, अप्रिय घटनाओं, माल या पशुओं की हानि, क्षति, विनाश, कम डिलीवरी, या डिलीवरी न होने के मामलों में मुआवजे के दावों का निपटारा करता है।

वर्तमान में दक्षिण मध्य रेलवे क्षेत्र को कवर करते हुए अधिकरण की पीठें स्थानों पर कार्यरत हैं। जिनमें–

सिकंदराबाद: तेलंगाना राज्य से संबंधित मामलों के लिए, अमरावती (गुंटूर): आंध्र प्रदेश राज्य के मामलों के लिए, नागपुर और मुंबई: महाराष्ट्र राज्य के मामलों के लिए और बेंगलुरुः कर्नाटक राज्य के मामलों के लिए है।

रेल दावा अधिकरण माल या पशुओं की हानि/क्षति/विनाश या डिलीवरी न होने की स्थिति में मुआवजे का दावा। किराये या मालभाड़े की वापसी से संबंधित दावे और रेल दुर्घटनाओं या अप्रिय घटनाओं में मृत्यु या चोट के लिए धारा 124 और 124–ए के अंतर्गत मुआवजा मामलों का निपटारा करता है।रेल परिचालन के दौरान यदि किसी यात्री ट्रेन के साथ कोई दुर्घटना होती है, तो रेल प्रशासन निर्धारित सीमा तक मृत्यु या चोट के कारण हुई हानि के लिए मुआवजा देने के लिए उत्तरदायी होगा।रेल परिचालन के दौरान यदि कोई अप्रिय घटना (जैसे गिरना, धक्का लगना आदि) घटित होती है, तो रेल प्रशासन निर्धारित सीमा तक मृत्यु या चोट के लिए मुआ–वजा देने का उत्तरदायी होगा।हालाँकि, आत्महत्या, आत्महत्या का प्रयास, नशे की हालत, आपराधिक कृत्य, या प्राकृतिक कारणों से हुई मृत्यु/चोट की स्थिति में मुआवजा देय नहीं होगा।धारा 124 या 124–ए के अंतर्गत मुआवजे के लिए आवेदन पीड़ित, उसके अभिभावक (यदि नाबालिग हो), एजेंट, या मृत्यु की स्थिति में उसके आश्रितों द्वारा रेल दावा अधिकरण में दायर किया जा सकता है।आवेदन घटना की तारीख से एक वर्ष के भीतर संबंधित रेल दावा अधिकरण में दायर किया जाना चाहिए।आवेदन उस आरसीटी पीठ में किया जा सकता है जहाँ दुर्घटना या अप्रिय घटना घटित हुई हो या जहाँ दावेदार सामान्य रूप से निवास करता हो।आवेदन दाखिल करने या प्रक्रिया निष्पादन हेतु कोई अतिरिक्त शुल्क देय नहीं है।रेल दावा अधिकरण के आदेशों के विरुद्ध अपील संबंधित उच्च न्यायालय में की जा सकती है।तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और महाराष्ट्र के यात्रियों के लिए रेल दावा अधिकरण की पीठें क्रमशः सिकंदराबाद, अमरावती (गुंटूर), बेंगलुरु, मुंबई और नागपुर में स्थित हैं।दक्षिण मध्य रेलवे ने सभी प्रभावित यात्रियों से अपील की है कि वे केवल उचित क्षेत्राधिकार वाली रेल दावा अधिकरण पीठों में ही मामले दर्ज करें, ताकि उनके दावे का त्वरित और निष्पक्ष निपटारा सुनिश्चित हो सके।

सरदार वल्लभभाई पटेल जयंती पर जागीरदार फाउंडेशन का प्रतिभा पुरस्कार एवं अभिनंदन समारोह सम्पन्न

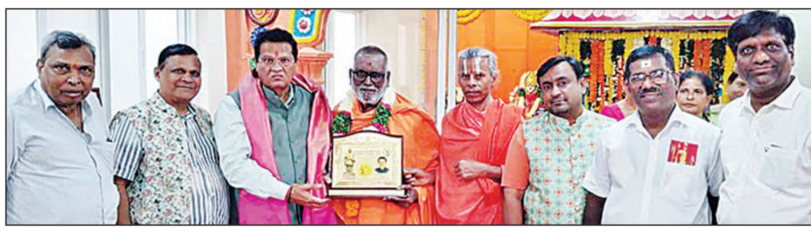

हैदराबाद, 31 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। गांधीनगर स्थित मलयाल स्वामी मठ में प्राणीमित्र रमेश जागीरदार मेमोरियल फाउंडेशन के तत्वावधान में भारत रत्न लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के पावन अवसर पर प्रतिभा पुरस्कार 2025 एवं अभिनंदन कार्यक्रम भव्यता एवं उत्साह के साथ संपन्न हुआ।

कार्यक्रम की जानकारी देते हुए फाउंडेशन के संस्थापक कोषाध्यक्ष तोरल रिद्धीश जागीरदार ने बताया कि इस समारोह में लव फॉर काऊ फाउंडेशन के चेयरमैन गौरत्न जसमतभाई पटेल एवं श्री गुजराती ब्राह्मण समाज हैदराबाद–सिकंदराबाद के अध्यक्ष तरुणभाई महेता को सरदार वल्लभभाई पटेल प्रतिभा पुरस्कार 2025 से सम्मानित किया गया।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में व्यास आश्रम (आंध्रप्रदेश, एरपेडु) के व्यास पीठाधीपति परम श्रद्धेय श्री परिपूर्णानंदगिरी स्वामी उपस्थित रहे। विशेष अतिथि के रूप में तिरुमला तिरुपति देवस्थानम हिंदू धर्म प्रचार बोर्ड सदस्य स्वामी कमलेश महाराज एवं श्री जैन संस्कार वाटिका के ट्रस्टी मुकेश चौहान जैन उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता फाउंडेशन के संस्थापक मंत्री रिद्धीश रमेश जागीरदार ने की।इस अवसर पर व्यास पीठाधीपति परिपूर्णानंदगिरी स्वामी और स्वामी कमलेश महाराज को राम दरबार स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।अपने संबोधन में कमलेश स्वामी ने कहा कि सरदार पटेल एक महान नेता थे, जिन्होंने न केवल भारत को एकीकृत किया, बल्कि तेलंगाना को निज़ाम शासन से मुक्त कराने में भी निर्णायक भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि पटेल भारत के प्रथम गृह मंत्री और उपप्रधानमंत्री थे – वे आधुनिक भारत के निर्माता एवं राष्ट्रीय एकता के अद्वितीय शिल्पी थे।मुकेश चौहान ने कहा कि सरदार पटेल का जन्म 1875 में गुजरात के नडियाद में एक किसान परिवार में हुआ था। उन्होंने अहमदाबाद से वकालत की पढ़ाई की और 565 रियासतों को एक सूत्र में पिरोकर एक राष्ट्र के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं को बधाई देते हुए कहा कि जागीरदार फाउंडेशन द्वारा ऐसे समाजसेवियों को सम्मानित करना सराहनीय है।जसमत पटेल ने समाज में एकजुटता और सेवा की भावना को आवश्यक बताते हुए कहा कि हमें गौरक्षा पर विशेष ध्यान देना चाहिए। यदि आज हम नहीं जागे, तो भविष्य की पीढ़ियाँ गौमाता और अन्य पशुओं को केवल पुस्तकों या इंटरनेट पर ही देख पाएंगी।

तरुण महेता ने कहा कि सरदार पटेल को उनके शौर्य, निष्ठा और दृढ़ इच्छाशक्ति के कारण भारत का लौह पुरुष कहा गया।रिद्धीश जागीरदार ने कहा कि फाउंडेशन सरदार पटेल जैसे राष्ट्रनायकों के आदर्शों को जन–जन तक पहुंचाने का संकल्प लेकर कार्य कर रहा है। उन्होंने दो पंक्तियों में भाव व्यक्त किए–

ऊंचा तुझे उड़ाएगा, तेरा ही विश्वास,हौसलों के पंख, छुएगा आकाश।कार्यक्रम में मलयाल स्वामी मठ के पदाधिकारी, ट्रस्टीगण, भक्तगण एवं अनेक गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

आंवला नवमी पर बेगम बाजार में हुआ अन्नदान

हैदराबाद, 31 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भूदेवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने आंवला नवमी के अवसर पर नियमित अन्नदान किया गया।

इस अवसर पर जगतनारायण अग्रवाल, महेश अग्रवाल, रवि अग्रवाल, गोविंद राम पचेरिया, शिव भगवान,विनोद तोषनीवाल, अरुण विजयवर्गीय, नीलम विजयवर्गीय, मीना अग्रवाल, शर्मिला गोयल, कृष्णपाल, आशीष उपस्थिति थे।

केबीआर पार्क पर राधे–राधे ग्रुप ने किया अन्नदान

हैदराबाद, 31 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के सामने केबीआर पार्क पर अक्षय नवमी के शुभ अवसर पर नियमित अन्नदान किया गया। इस अवसर पर मनीष अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, रणधीर एवं राधे राधे ग्रुप के अनेक सदस्य उपस्थित थे।

रानी सती दादी जन्मोत्सव आयोजित

हैदराबाद, 31 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। घांसी बाजार स्थित श्री रानी सती मंदिर में मां नारायणी फाउंडेशन एवं श्री रानी सती दादीजी मंदिर प्रबंधन समिति द्वारा श्री रानी सती दादीजी का जन्मोत्सव एवं अन्नकूट प्रसाद महोत्सव आज अत्यंत भव्यता और श्रद्धा के साथ मनाया गया।

कार्यक्रम का आरंभ भजन संध्या से हुआ, जिसमें प्रसिद्ध भजन गायिका प्रियंका गुप्ता ने अपने सुमधुर भजनों से वातावरण को भक्तिमय बना दिया और उपस्थित श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया।

जन्मोत्सव के अवसर पर मंदिर परिसर को आकर्षक रूप से सजाया गया था। भव्य आरती के पश्चात मुख्य पुजारी चिल्केश महाराज, रिंकू महाराज एवं भरत महाराज ने श्री रानी सती दादीजी को अन्नकूट प्रसाद अर्पित किया।

अन्नकूट प्रसाद महोत्सव में न केवल नगर के श्रद्धालु, बल्कि विभिन्न जिलों से आए भक्तों ने भी भक्ति भावपूर्वक प्रसाद ग्रहण किया।

इस अवसर पर मधुसूदन सौंथलिया, राजकुमार तुलस्यान, दीपक गणेरीवाल, गिरधारीलाल अग्रवाल, पवन कुमार अग्रवाल, महेश अग्रवाल, आर. ए. अग्रवाल, रमेश भालोटिया एवं चेतन अग्रवाल सहित अनेक भक्तजन उपस्थित रहे।

तेलंगाना विधानसभा अध्यक्ष ने बीआरएस विधायकों की अयोग्यता पर सुप्रीम कोर्ट से दो महीने का विस्तार मांगा

हैदराबाद, 31 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना विधानसभा अध्यक्ष गद्दाम प्रसाद कुमार ने भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के दस विधायकों की अयोग्यता संबंधी मामलों में सुप्रीम कोर्ट से दो महीने का अतिरिक्त समय मांगा है। इन विधायकों पर 2023 विधानसभा चुनावों के बाद कांग्रेस में शामिल होने का आरोप है।

सर्वोच्च न्यायालय ने 31 जुलाई को अध्यक्ष को तीन महीने के भीतर इन मामलों का निपटारा करने का निर्देश दिया था, जिसकी समयसीमा 31 अक्टूबर को समाप्त हो गई। अब स्पीकर ने मामले की विस्तृत सुनवाई और लंबित कार्यवाही पूरी करने के लिए अतिरिक्त दो महीने का समय मांगा है।

सूत्रों के अनुसार, दस दलबदलू विधायकों को नोटिस जारी किए गए, जिनमें से आठ ने अपने हलफनामे प्रस्तुत कर दिए हैं, जबकि दो – दानम नागेंद्र (खैरताबाद) और कादियाम श्रीहरि (स्टेशन घनपुर) – ने उत्तर देने के लिए अतिरिक्त समय माँगा है।

चार विधायकों – बंडला कृष्णमोहन रेड्डी (जोगुलम्बा गडवाल), गुडेम महिपाल रेड्डी (पाटनचेरु), काले यादैया (चेवेल्ला) और टी प्रकाश गौड़ (राजेंद्रनगर) – से 29 सितंबर को जिरह शुरू हुई थी। इन विधायकों ने कहा कि वे केवल अपने निर्वाचन क्षेत्रों के विकास कार्यों हेतु मुख्यमंत्री से मिले थे।

इस बीच, अन्य छह विधायकों की सुनवाई लंबित है।

स्पीकर ने कहा कि पूर्ण पारदर्शिता के साथ सभी पक्षों को सुनने के बाद ही अंतिम निर्णय सुनाया जाएगा।

उपमुख्यमंत्री भट्टी ने बकाया चुकाने के लिए 1,032 करोड़ जारी करने का आदेश दिया

हैदराबाद, 31 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के वित्त विभाग ने सरकारी कर्मचारियों के बकाया वींशी और पंचायत राज तथा सड़क एवं भवन (ठइ) विभागों के बिलों को अक्टूबर के लिए चुकाने हेतु 1,032 करोड़ रुपये जारी किए हैं।आज यहाँ जारी एक आधिकारिक विज्ञप्ति में बताया गया कि 1,032 करोड़ में से, कर्मचारियों के 712 करोड़ रुपये के बकाया वींशी चुकाए गए हैं, जबकि सड़क एवं भवन और पंचायत राज विभागों के 320 करोड़ रुपये के लंबित बिल जारी किए गए हैं।

सरकार ने 10 लाख से कम के सभी लंबित बिलों को चुकाने का भी नीतिगत निर्णय लिया है।

उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क ने शुक्रवार को यहाँ प्रजा भवन में वित्त विभाग के अधिकारियों के साथ एक समीक्षा बैठक की थी, जिसके निर्देशों के बाद विभाग ने ये आदेश जारी किए।

जारी किए गए 320 करोड़ का उपयोग करते हुए, सरकार ने पंचायत राज और ठइ विभागों के तहत 46,956 बिलों का भुगतान किया।

इनमें से, सड़क एवं भवन विभाग के 3,610 बिलों को चुकाने के लिए 95 करोड़ और पंचायत राज विभाग के 43,364 बिलों को चुकाने के लिए 225 करोड़ का उपयोग किया गया।

निज़ामाबाद मुठभेड़ में नया मोड़ : तथ्य–खोजी समिति का दावा

रियाज़ की हिरासत में हत्या, नकली नोट घोटाले को छिपाने की कोशिश

निज़ामाबाद, 31 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। नकली नोट घोटाले से जुड़े रियाज़ की कथित मुठभेड़ के मामले में तथ्य–खोजी समिति ने सनसनीखेज दावा किया है कि यह वास्तविक मुठभेड़ नहीं, बल्कि हिरासत में की गई हत्या थी। समिति का कहना है कि इस कार्रवाई को जाली मुद्रा नेटवर्क को छिपाने के लिए मुठभेड़ का रूप दिया गया।रिपोर्ट में बताया गया कि रियाज़ एक निजी वित्तीय कंपनी में रिकवरी एजेंट था और उसने 3 लाख के नकली नोटों का सौदा पकड़ लिया था, जिसके चलते वह कई लोगों के निशाने पर आ गया।समिति ने आरोप लगाया कि रियाज़ को अवैध रूप से हिरासत में रखकर प्रताड़ित किया गया, और उसकी मौत के बाद पुलिस ने मुठभेड़ की कहानी गढ़ी। रियाज़ के परिवारजनों – उसकी पत्नी, माँ और दो बच्चों – को भी कथित रूप से अवैध हिरासत में रखे जाने और शारीरिक प्रताड़ना का सामना करना पड़ा।समिति ने कहा कि पुलिस ने मौके के कोई फोटो या वीडियो साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किए, न ही रियाज़ का स्कूटर या कथित हथियार बरामद किया गया।

समिति ने तेलंगाना उच्च न्यायालय से सीबीआई जांच की मांग करते हुए कहा कि केवल स्वतंत्र एजेंसी ही इस फर्जी मुठभेड़ की सच्चाई उजागर कर सकती है।

एकता और सत्यनिष्ठा का आह्वान

दमरे महाप्रबंधक ने रन फॉर यूनिटी और इंटीग्रिटी वॉकथॉन का नेतृत्व किया

हैदराबाद, 31 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। दक्षिण मध्य रेलवे में राष्ट्रीय एकता दिवस समारोह के एक भाग के रूप में, महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव ने रन फॉर यूनिटी का नेतृत्व किया और सतर्कता जागरूकता सप्ताह के हिस्से के रूप में इंटीग्रिटी वॉकथॉन में भाग लिया।राष्ट्रीय एकता दिवस समारोह के तहत, दक्षिण मध्य रेलवे ने सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती मनाई। इसी क्रम में, चल रहे सतर्कता जागरूकता सप्ताह के हिस्से के रूप में आज यानी 31 अक्टूबर, 2025 को रेलवे स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, सिकंदराबाद में इंटीग्रिटी वॉकथॉन और रन फॉर यूनिटी कार्यक्रम आयोजित किए गए। यह पहल अपने कर्मचारियों के बीच एकता और सत्यनिष्ठा को बढ़ावा देने के लिए द.म.रे. के समर्पण को दर्शाती है।इस अवसर पर, महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव मुख्य अतिथि थे। उन्होंने शपथ दिलाई और रन फॉर यूनिटी कार्यक्रम तथा इंटीग्रिटी वॉकथॉन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। दक्षिण मध्य रेलवे के अतिरिक्त महाप्रबंधक श्री सत्य प्रकाश, डॉ. आर. गोपालकृष्णन, मंडल रेल प्रबंधक, सिकंदराबाद और हैदराबाद मंडलों के श्री संतोष कुमार वर्मा, द.म.रे. के प्रधान विभागाध्यक्ष भी अधिकारियों, कर्मचारियों, रेलवे सुरक्षा बल और खेल कर्मियों के साथ उपस्थित थे, जिन्होंने उत्साहपूर्वक भाग लिया।सभा को संबोधित करते हुए, संजय कुमार श्रीवास्तव ने विशेष रूप से सुबह के घंटों का प्रभावी ढंग से उपयोग करके अनुशासन और उद्देश्य विकसित करने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने सभी कर्मचारियों को अपने दैनिक कार्य और संवादों में एकता और सत्यनिष्ठा के मूल्यों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया। उनके संदेश ने दिन की भावना के साथ तालमेल बिठाया, उपस्थित लोगों को लोक सेवा और राष्ट्रीय एकजुटता के आदर्शों को बनाए रखने के लिए प्रेरित किया। महाप्रबंधक ने आगे कहा कि राष्ट्रीय एकता दिवस, जो हर साल मनाया जाता है, भारत की विविधता में निहित शक्ति और एकजुट भारत के लिए सरदार पटेल के चिरस्थायी दृष्टिकोण की एक शक्तिशाली याद दिलाता है। उन्होंने जोड़ा कि सतर्कता जागरूकता सप्ताह भी हर साल सरकारी संस्थानों में मनाया जाता है, जो पारदर्शिता, जवाबदेही और सुशासन के प्रति प्रतिबद्धता को मजबूत करता है।बाद में, महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव ने द.म.रे. मुख्यालय रेल निलयम में भी अधिकारियों और कर्मचारियों को राष्ट्रीय एकता दिवस की शपथ दिलाई, ताकि एकीकरण की भावना को बनाए रखा जा सके और लौह पुरुष श्री सरदार वल्लभभाई पटेल के एकजुट भारत के दृष्टिकोण का सम्मान किया जा सके। राष्ट्रीय एकता दिवस के जश्न को बड़े उत्साह और देशभक्ति के जोश के साथ मनाया गया। ये दोनों कार्यक्रम, द.म.रे. में एकता, सत्यनिष्ठा और उत्कृष्टता की संस्कृति के निर्माण की अपनी पहलों को आगे बढ़ाने के लिए एक नए गर्व और समर्पण की भावना के साथ संपन्न हुए।

बिजली के खंभे के लिए खोदे गड्ढे में गिरकर तीन वर्षीय बालक की मौत

महबूबनगर, 31 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के मिजिल मंडल के बोयिनीपल्ली गाँव में एक तीन वर्षीय बालक की दर्दनाक मौत हो गई। बच्चे की पहचान सिद्धार्थ के रूप में हुई है, जो रामकृष्ण और लक्ष्मी का पुत्र था।घर के सामने बिजली का खंभा लगाने के लिए कई दिन पहले एक गड्ढा खोदा गया था, जिसे खुला ही छोड़ दिया गया था। हाल की बारिश के कारण गड्ढा पानी से भर गया, और खेलते समय बच्चा उसमें गिर गया।स्थानीय लोगों ने बच्चे को तुरंत बाहर निकालकर जडचेरला सरकारी अस्पताल पहुँचाया, लेकिन चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। ग्रामीणों ने अधिकारियों और ठेकेदारों की लापरवाही पर आक्रोश जताते हुए भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित करने की मांग की है।

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 28^0
न्यूनतम : 22^0

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 1,23,980/– (प्रति 10 ग्राम)
चाँदी : 1,52,704/– (प्रति किलोग्राम)

शेयर मार्केट

बीएसई : 83,938.71
-465.75 -0.55% ↓
एनएसई :25,722.10
-155.75 (-0.60%) ↓

DAILY शुभ लाभ
Classifieds
FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME
I, P LALITHA Spouse of Service No. 643938A Ex Air Craftsman KESHAVA REDDY MADHAVA REDDY, Resident of H.No.12-80/9, Flat No.402, Sri Vijaya Laxmi Residency, Plot No.143, Chandanagar, Serilingampally, K.V.Rangareddy-500050, Telangana have changed my name from P LALITHA to KESAVA REDDY LALITHA vide affidavit dt:31-10-2025 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME & DOB
I, Service No. 15815313K L/Nk AKHIL V S of 2 Trg Bn, AOC Centre, Secunderabad that my mother name and DOB is to be changed from P VIJAYAKUMARI, DOB:28-11-1956 to VIJAYA KUMARI P, DOB:27-11-1956.

CHANGE OF NAME & DOB
I, Army No. 6945054P Hav M SUDARSHAN RAJU of 19 FAD Banar, Dist:Jodhpur, C/o.56 APO that my father name and DOB is to be changed from M.NAGA RAJU, DOB:06-07-1949 to MODI NAGA RAJU, DOB:01-07-1944.

CHANGE OF NAME
I, S A ALPHONSA Spouse of Service No. Ex-JC121784P Ex Sub Late A HARRY, Resident of Plot No.20, Old Kanta Tirumalgiri, Secunderabad-500015, Telangana have changed my name from S A ALPHONSA to A ALPHONSA HARRY vide affidavit dt:30-10-2025 before X Spl Judicial Magistrate, Hyderabad.

CHANGE OF NAME
I, Shaheed Ahmad Aibani R/o: 17-2-118/119 1st Floor, Chowni Nade Ali Baig, Yakutpura, Charminar, Hyderabad Have Changed my Son's Name from ISMAIL to AIBANI ISMAIL

भारी बारिश से हजारों एकड़ में धान, कपास सोया और मक्का की फसलें बर्बाद

मंचेरियाल, 31 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। चक्रवाती तूफ़ान मोन्था के कारण संयुक्त आदिलाबाद जिले में भारी बारिश और तेज हवाओं ने किसानों की मेहनत पर पानी फेर दिया है। बुधवार शाम से गुरुवार सुबह तक हुई बारिश ने हज़ारों एकड़ में लगी धान, कपास, सोया और मक्का की फसलों को बुरी तरह क्षतिग्रस्त कर दिया है। आगामी धान की फ़सल लगभग पूरी तरह से नष्ट हो गई है, जबकि खेतों में कपास भीगकर खराब हो गया है। करोड़ों की उम्मीदों से उगाई गई ये फसलें किसानों की आंखों के सामने बर्बाद हो चुकी हैं और किसान आर्थिक संकट में हैं, क्योंकि वे अपना कर्ज़ चूकाने का रास्ता तलाशने में असमर्थ हैं। राज्य के कृषि विभाग के प्रारंभिक आंकड़ों के अनुसार, आदिलाबाद ज़िले में 38.8 मिमी, निर्मल ज़िले में 58.9 मिमी, कुमरामभीम आसिफाबाद ज़िले में 44.8 मिमी और मंचेरियाल ज़िले में 40.6 मिमी बारिश हुई, जिससे लगभग 24 घंटे लगातार हुई बारिश ने कटाई के लिए तैयार धान और कपास की फसलों को भारी नुकसान पहुंचाया। आदिलाबाद और निर्मल में कटाई के बाद तैयार मक्का, सोया, धान और कपास भीग गए।

मंचेरियाल जिले के सभी मंडलों में 128 गांवों सहित 3,351 एकड़ में फसलों को नुकसान पहुंचा है। कृषि विभाग के अनुसार चेन्नूर, जयपुर और मंदामरि मंडलों में 788 एकड़ कपास प्रभावित हुई है और बेल्लमपल्ली, तंदूर, नेनेला, कोटापल्ली समेत अन्य मंडलों में 2,563 एकड़ धान की फसल क्षतिग्रस्त हुई है। अकेले चेन्नूर मंडल में लगभग 1,154 एकड़ फसल बर्बाद हो चुकी है। किसान सरकार से शीघ्र मुआवजे की मांग कर रहे हैं।

यह संकट क्षेत्र के किसानों के लिए बड़ा आर्थिक नुकसान और चिंता का विषय बन गया है, जिससे उनके जीवनयापन पर गंभीर प्रभाव पड़ा है। सरकार ने नुकसान का आकलन करना शुरू कर दिया है और प्रभावित किसानों की सहायता के लिए कदम उठाए जाने की संभावना है।

पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को श्रद्धांजलि

मदनूर, 31 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारत की पूर्व प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी की पुण्यतिथि के अवसर पर मदनूर मार्केट कमेटी परिसर में कांग्रेस पार्टी की ओर से श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने भाग लिया और इंदिरा गांधी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

नेताओं ने इस अवसर पर कहा कि इंदिरा गांधी ने किसान कल्याण, बैंकों के राष्ट्रीयकरण, हरित क्रांति और भारत की अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा बढ़ाने में ऐतिहासिक योगदान दिया। उन्होंने कहा कि देश हमेशा उस महान नेता को याद रखेगा जिन्होंने राष्ट्रहित में अपने जीवन का बलिदान दिया और जनसेवा का आदर्श प्रस्तुत किया।

सभा में उपस्थित कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने इंदिरा गांधी के आदर्शों पर चलने और जनसेवा के पथ पर अग्रसर रहने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम में मंडल कांग्रेस अध्यक्ष दरासवार सायलू, हनुमान मंदिर अध्यक्ष राम पटेल, पूर्व कांग्रेस मंडल अध्यक्ष रमेश, सोसायटी अध्यक्ष श्रीनिवास पटेल, विट्ठल गुरजी, पूर्व आत्मा समिति अध्यक्ष कोंडा गंगाधर, पूर्व पंचायत समिति अध्यक्ष प्रज्ञा कुमार सहित अन्य कांग्रेस नेता उपस्थित रहे।

मंचेरियाल में रन फॉर यूनिटी के तहत 2 किमी दौड़ आयोजित

मंचेरियाल, 31 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर रन फॉर यूनिटी कार्यक्रम के तहत मंचेरियाल जिले के कासिपेट मंडल स्थित सोमागुडेम में 2 किलोमीटर दौड़ का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का शुभारंभ उपनिरीक्षक अंजनेयुलु ने हरी झंडी दिखाकर किया।

दौड़ सोमागुडेम से शुरू होकर पुराने टोल गेट तक संपन्न हुई। स्थानीय नागरिकों, बच्चों, खिलाड़ियों और पुलिसकर्मियों ने इसमें उत्साहपूर्वक भाग लिया।

इस अवसर पर पुलिस उपनिरीक्षक अंजनेयुलु ने कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय एकता और अखंडता के प्रतीक थे। स्वतंत्र भारत के निर्माण में उनका योगदान अभूतपूर्व रहा। उन्होंने कहा कि देश की सैकड़ों रियासतों को एकजुट कर भारत को एक संगठित राष्ट्र बनाने में पटेल की दूरदर्शिता और नेतृत्व ने ऐतिहासिक भूमिका निभाई।

अंजनेयुलु ने कहा कि रन फॉर यूनिटी कार्यक्रम का उद्देश्य सरदार पटेल की एकता और त्याग की भावना को स्मरण करना है। इस दौड़ में भाग लेकर हम न केवल उनके गौरवशाली योगदान का सम्मान करते हैं बल्कि आने वाली पीढ़ियों को भी एकता का संदेश देते हैं।

कांग्रेस में असंतोष शांत करने नई नियुक्तियां

प्रेमसागर राव तेलंगाना नागरिक आपूर्ति निगम के अध्यक्ष नियुक्त

मंचेरियाल, 31 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। आगामी स्थानीय निकाय चुनावों को देखते हुए कांग्रेस सरकार ने संगठनात्मक असंतोष को कम करने के उद्देश्य से दो नई नियुक्तियां की हैं। बोधन विधायक पी. सुदर्शन रेड्डी को कैबिनेट मंत्री दर्जे के साथ मुख्यमंत्री का सलाहकार बनाया गया है, जबकि मंचेरियाल विधायक प्रेमसागर राव को तेलंगाना नागरिक आपूर्ति निगम का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

इन आदेशों की घोषणा पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद अजहरुद्दीन को मंत्रिमंडल में शामिल करने के कुछ ही घंटे बाद की गई। दोनों विधायक पहले से मंत्रिमंडल में स्थान पाने के इच्छुक थे और जून में मंत्रिमंडल विस्तार के समय अपनी नाराज़गी भी जताई थी।

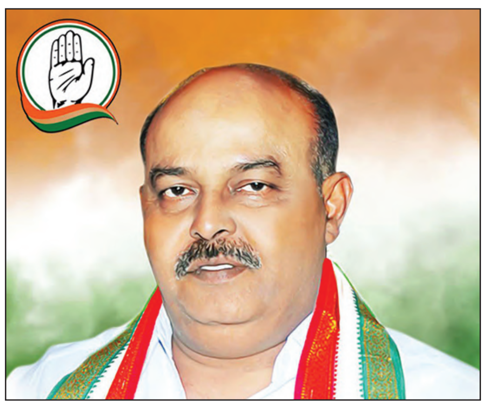

सुदर्शन रेड्डी प्रमुख कल्याणकारी और विकास योजनाओं की समीक्षा करेंगे। वहीं उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क के करीबी प्रेमसागर राव को सरकार ने नागरिक आपूर्ति निगम की जिम्मेदारी देकर संतुष्ट किया है।

हालांकि मुनुगोड़े विधायक कोमाटिरेड्डी राजगोपाल रेड्डी को इस फेरबदल में कोई पद नहीं दिया गया। वे हाल के दिनों में किसानों से जुड़ी योजनाओं और प्रशासनिक कार्यान्वयन को लेकर सरकार की आलोचना करते रहे हैं। अफवाहों के बीच उन्होंने स्पष्ट किया कि वे कांग्रेस छोड़ने का कोई इरादा नहीं रखते और पार्टी नेतृत्व के प्रति वफादार हैं।

एटक के 106वें स्थापना दिवस पर श्रमिक एकता का प्रदर्शन

आसिफाबाद, 31 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अखिल भारतीय ट्रेड यूनियन कांग्रेस (एटक) का 106वां स्थापना दिवस कोमुराम भीम जिलें में उत्साहपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर अंबेडकर चौक पर एटक जिला अध्यक्ष तल्लापल्ली दिवाकर गौड़ ने श्रमिक ध्वज का अनावरण किया, जबकि जिला उपाध्यक्ष पिडुगु शंकर ने नागरिक आपूर्ति गोदाम पर ध्वज फहराया। इसी तरह, हमाली वर्कर्स यूनियन कार्यालय, पोट्टी श्रीरामुलु चौक पर भी ध्वजारोहण कार्यक्रम आयोजित किया गया।अपने संबोधन में तल्लापल्ली दिवाकर गौड़ ने कहा कि एटक की स्थापना 31 अक्टूबर 1920 को लाला लाजपत राय की अध्यक्षता में बॉम्बे में हुई थी। इस संगठन ने मजदूर वर्ग के अधिकारों और देश की स्वतंत्रता के लिए अनेक संघर्ष किए। उन्होंने कहा कि एटक ने देश में जन-जागरण और सामाजिक समानता के लिए अनगिनत बलिदान दिए हैं।

एटक ने आजादी से पहले 1935 के भारत सरकार अधिनियम के विरोध में आवाज उठाई और वयस्क मताधिकार वाली संविधान सभा की मांग की थी। स्वतंत्रता के बाद भी यह संगठन श्रमिक अधिकारों की रक्षा के लिए निरंतर संघर्षरत रहा है।

दिवाकर गौड़ ने वर्तमान केंद्र सरकार पर 29 श्रम कानूनों को निरस्त कर चार नई 'श्रम संहिताएं' लागू करने का आरोप लगाते हुए कहा कि यह मजदूरों को ब्रिटिश काल जैसी परिस्थितियों में वापस धकेलने का प्रयास है। उन्होंने नई राष्ट्रीय 'श्रम शक्ति नीति 2026' का भी विरोध करने का आह्वान किया।कार्यक्रम में सीपीआई जिला सहायक सचिव आत्मकुरी चिरंजीवी, अशोक, भुमन्ना, वेंकन्ना, नागरिक आपूर्ति हमाली श्रमिक संघ के जिला महासचिव बी. सुधाकर, श्रमिक प्रकाश, श्रीनिवास, मोहन, दिवाकर, कोमुरक्का संघ के नेता सुधाकर, तिरुपति, शंकर आदि उपस्थित रहे।

आकांक्षी प्रखंड तिरयानी मंडल में बुनियादी ढाँचे के विकास के लिए महत्वपूर्ण कदम

आसिफाबाद, 31 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला अपर कलेक्टर (स्थानीय संस्थाएँ) दीपक तिवारी ने तिरयानी मंडल, जो आकांक्षी प्रखंड के अंतर्गत आता है, में बुनियादी ढाँचे के निर्माण के लिए कई आवश्यक कदम उठाने का निर्देश दिया है। जिले के एकीकृत जिला कलेक्ट्रेट भवन में आयोजित समीक्षा बैठक में शिक्षा, चिकित्सा-स्वास्थ्य, बाल कल्याण, कृषि एवं ग्रामीण विकास विभाग के अधिकारियों के साथ प्रखंड में चल रहे और प्रस्तावित विकास कार्यों की समीक्षा की गई।

दीपक तिवारी ने आंगनवाड़ी भवनों के शीघ्र निर्माण और उपयोग में लाने, स्वच्छ पेयजल के लिए आर.ओ. संयंत्र स्थापित करने तथा अस्पतालों में सुविधाओं और प्रतीक्षालयों का निर्माण सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने स्कूलों में कंप्यूटर की व्यवस्था बढ़ाने और आश्रम विद्यालयों के छात्रों के लिए मूलभूत सुविधाओं के प्रस्ताव तैयार करने पर भी बल दिया।

कृषि क्षेत्र में जल सुविधाओं के विकास, तथा स्वयं सहायता समूहों के बैठकों के लिए भवन निर्माण के लिए योजनाएं बनाने के निर्देश भी दिए गए। उन्होंने विभिन्न विभागों के अधिकारीयों से समन्वय स्थापित कर तिरयानी मंडल को हर क्षेत्र में विकास की दिशा में अग्रसर करने का आह्वान किया।इस कार्यक्रम में जिला कल्याण अधिकारी अदेपु भास्कर, तिरयानी मंडल विकास अधिकारी मल्लेश सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।यह बैठक स्थानीय स्तर पर विकास को गति देने और जीवन गुणवत्ता में सुधार हेतु सार्थक पहल के रूप में देखी जा रही है।

खम्मम के मधिरा निर्वाचन क्षेत्र में वरिष्ठ सीपीआई (एम) नेता की हत्या

खम्मम, 31 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिले में उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क के मधिरा विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के चिंताकानी मंडल के पटरलापाडु गाँव में सीपीआई (एम) नेता सामिनेनी रामाराव (70) की उनके घर पर हत्या कर दी गई।

परिवार के सदस्यों के अनुसार, हमलावरों ने शुक्रवार तड़के घंटों के दौरान उन्हें चाकुओं से गोदा, गला रेत दिया, खून से लथपथ छोड़ दिया और घटनास्थल से भाग गए। बताया गया है कि इस हत्या में तीन लोग शामिल थे।

रामा राव की हत्या की खबर मिलते ही जिले के विभिन्न हिस्सों से बड़ी संख्या में सीपीआई (एम) कार्यकर्ता गाँव पहुंचे, जिससे इलाके में तनाव फैल गया। पुलिस आयुक्त सुनील दत्त ने स्थानीय पुलिस के साथ गाँव का दौरा किया और स्थिति का जायजा लिया। घटनास्थल पर सबूत जुटाने के लिए क्लूज़ टीम और स्निफर डॉग्स को सेवा में लगाया गया।दिवंगत रामाराव ने तेलंगाना रायथु संगम के राज्य महासचिव और लगभग 30 वर्षों तक गाँव के सरपंच के रूप में कार्य किया था। पार्टी नेताओं ने आरोप लगाया कि स्थानीय निकाय चुनावों में हार के डर से कांग्रेस के गुंडों ने उनकी हत्या कर दी है।

सीपीआई (एम) के राज्य महासचिव जॉन वेस्ले, केंद्रीय समिति के सदस्य तम्मीनेनी वीरभद्र राव, राज्य सचिवालय के सदस्य पोथिनेनी सुदर्शन राव और जिला सचिव नुन्ना नागेश्वर राव ने रामाराव की हत्या की कड़ी निंदा की। उन्होंने हमलावरों को तत्काल गिरफ्तार करने की मांग की।उपमुख्यमंत्री विक्रमार्क ने रामाराव की हत्या पर गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि अपराधियों को कानून के अनुसार सख्त सजा दी जाएगी और खम्मम में हिंसा की गंदी राजनीति के लिए कोई जगह नहीं है। उन्होंने रामाराव के परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदना और शोक व्यक्त किया।

आदिलाबाद में आरोपी पुलिस स्टेशन से फरार

आसिफाबाद, 31 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। आदिलाबाद जिले के बोथ मंडल केंद्र में एक आरोपी पुलिस स्टेशन से भागने में सफल रहा है। आरोपी, सोनाला मंडल के कोटा (के) गांव का इंदिराम्मा इनती लाभार्थी मारुति का पति और ठेकेदार सत्यनारा, को दो दिन पहले पकड़कर पेड़ से बांधने की घटना के बाद गिरफ्तार किया गया था। उस दौरान वह घर के निर्माण के लिए पैसा न देने पर हंगामा हुआ था।पुलिस ने आरोपी को बुधवार को गिरफ्तार किया था, लेकिन रात के दौरान ही वह कहकर भाग गया कि वह पेशाब करने गया था। पुलिस अब उसकी खोज में जुटी हुई है। स्थानीय एसआई श्रीसाई से जब स्पष्टीकरण मांगा गया, तो उन्होंने स्वीकार किया कि आरोपी पुलिस स्टेशन से भाग गया है।

चौटुप्पल में दो युवकों ने चार वर्षीय बच्ची से कथित दुष्कर्म किया

यादाद्री भोंगीर, 31 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। चौटुप्पल कस्बे में शुक्रवार को दो युवकों द्वारा एक चार वर्षीय बच्ची से कथित तौर पर दुष्कर्म किया गया। मध्य प्रदेश के रहने वाले आरोपियों ने बच्ची को चॉकलेट देने का लालच देकर एक सुनसान जगह पर ले गए और उसके साथ यह दर्दनाक कृत्य किया। आरोपियों की पहचान अभी आधिकारिक तौर पर सार्वजनिक नहीं की गई है।

बच्ची के चीखने की आवाज सुनकर पास के घरों के निवासी तुरंत उसकी मदद के लिए दौड़े। उन्होंने परिसर के गेट और दरवाजे तोड़कर बच्ची को आरोपियों से बचाया। बच्ची को तत्काल चिकित्सा सहायता के लिए नजदीकी अस्पताल ले जाया गया।

उसकी हालत नाजुक बताई जा रही है। आक्रोशित ग्रामीणों ने मौके पर ही दोनों संदिग्धों को पकड़ लिया और चौटुप्पल पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने पॉक्सो अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है और जांच जारी है।

यादवारी भोंगीर: चौटुप्पल के पास संदिग्ध तेंदुआ देखा गया, तलाश जारी

यादाद्री भोंगीर, 31 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। शुक्रवार को चौटुप्पल मंडल के देवालंमा नागरम गांव और उसके आसपास के इलाके में दहशत फैल गई, जब स्थानीय लोगों ने एक संदिग्ध तेंदुए को घूमते हुए देखा। ग्रामीणों की शिकायत के बाद वन और पुलिस अधिकारियों ने तुरंत जवाब दिया। बताया गया है कि खेतों की ओर जा रहे किसानों ने जानवर को गांव के पास के जंगली इलाके में देखा।

वन विभाग के अधिकारियों और पुलिस कर्मियों की एक संयुक्त टीम मौके पर पहुंची और किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए प्रभावित जंगल क्षेत्र की घेराबंदी कर दी।

ट्रैकिंग उपकरण और दूरबीन से लैस होकर, उन्होंने जानवर की पहचान की पुष्टि के लिए पंजे के निशान तलाशते हुए इलाके की गहन तलाशी ली। एक वरिष्ठ वन अधिकारी ने कहा, हमें सुबह करीब 6 बजे कॉल आया और हमने तुरंत कर्मचारियों को जुटाया।

ग्रामीणों के विवरण के अनुसार, यह एक तेंदुआ हो सकता है, हालांकि हम लकड़बग्घे की संभावना से इनकार नहीं कर सकते।

चक्रवात मोंथा से फसल क्षति देख किसान ने की आत्महत्या

कुमराम भीम आसिफाबाद, 31 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। शुक्रवार को लिंगापुर मंडल के सीतारामनाइक टांडा में हाल ही में आए चक्रवात मोंथा से अपनी फसल को हुए नुकसान को देखकर एक किसान ने कथित तौर पर अवसाद में आकर आत्महत्या कर ली।

सरदार वल्लभभाई पटेल जयंती पर 'एकता दौड़' का आयोजन

आसिफाबाद, 31 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में देशभर में मनाए जा रहे 'एकता दिवस' कार्यक्रम के अंतर्गत कोमुराम भीम आसिफाबाद जिले में 'एकता दौड़' का भव्य आयोजन किया गया। यह दो किलोमीटर की दौड़ जिला पुलिस कार्यालय से केबी चौक तक आयोजित हुई।

कार्यक्रम का शुभारंभ जिला पुलिस अधीक्षक कांतिलाल पाटिल (आईपीएस) ने ध्वजारोहण कर किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल देश की एकता और अखंडता के प्रतीक थे। उनके अथक प्रयासों से ही आज भारत एक सशक्त राष्ट्र के रूप में खड़ा है।

उन्होंने उपस्थित नागरिकों, पुलिसकर्मियों और विद्यार्थियों से आह्वान किया कि सभी सरदार पटेल के विचारों को आत्मसात कर देश की एकता और विकास के लिए कार्य करें।

'रन फॉर यूनिटी' कार्यक्रम में आसिफाबाद नगर निरीक्षक बालाजी वरप्रसाद, विशेष शाखा निरीक्षक राणा प्रताप, आरए (प्रशासन) पेद्दन्ना, आरए (होमगार्ड) विद्यासागर, आरएसआई सहित विशेष दल के जवान, पुलिसकर्मी और स्कूली छात्र उत्साहपूर्वक शामिल हुए।

पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद अजहरुद्दीन तेलंगाना मंत्रिमंडल में शामिल

हैदराबाद, 31 अक्तूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना मंत्रिमंडल के शुक्रवार को हुए विस्तार में पूर्व भारतीय क्रिकेट खिलाड़ी मोहम्मद अजहरुद्दीन को शामिल किया गया।

राज भवन में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में राज्यपाल जीश्नु देव वर्मा ने उन्हें राज्य मंत्री के रूप में पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी सहित कई कैबिनेट मंत्री और वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

मोहम्मद अजहरुद्दीन रेवंत रेड्डी मंत्रिमंडल में अल्पसंख्यक समुदाय के पहले मंत्री होंगे। यह तेलंगाना सरकार के लगभग 21 महीने पुराने मंत्रिमंडल का दूसरा विस्तार है। इस विस्तार के बाद मंत्रिमंडल में मंत्रियों की कुल संख्या 16 हो गई है। वर्तमान में तेलंगाना विधानसभा में 119 सदस्य हैं।

सूत्रों के अनुसार, श्री अजहरुद्दीन को अभी विभाग आवंटित नहीं किया गया है।

गौरतलब है कि उन्होंने 2023 के विधानसभा चुनाव में हैदराबाद की जुबली हिल्स सीट से कांग्रेस प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़ा था, लेकिन उन्हें भारत राष्ट्र समिति (BRS) के उम्मीदवार ने पराजित किया था।

इससे पूर्व, मोहम्मद अजहरुद्दीन उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद संसदीय क्षेत्र से लोकसभा सदस्य रह चुके हैं और भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान के रूप में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं।

तेलंगाना सरकार ने किए कुछ आईएएस अधिकारियों का तबादले

हैदराबाद, 31 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना सरकार ने शुक्रवार को राज्य में कुछ भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारियों के स्थानांतरण के आदेश जारी किए।

तदनुसार, पशुपालन विभाग के विशेष मुख्य सचिव सत्यसाची घोष को स्थानांतरित कर विशेष मुख्य सचिव (फ्लैगशिप कल्याण और विकास योजनाओं के कार्यान्वयन इकाई) के रूप में तैनात किया गया है।

आदेशों में कहा गया है कि महिला एवं बाल कल्याण सचिव अनिता रामचंद्रन को जनजाति कल्याण विभाग के सचिव और जनजाति कल्याण आयुक्त का पूर्ण अतिरिक्त प्रभार (एफएसी) दिया गया है।

मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र और शहरी विकास सचिव इलाम्बरीथी को परिवहन आयुक्त के रूप में स्थानांतरित और तैनात किया गया है, जिससे इस पद के एफएसी से एम रघुनंदन राव को मुक्त कर दिया गया है।

उन्हें सचिव (पशुपालन, डीडी और एफ विभाग) के पद का एफएसी भी दिया गया है।बीसी कल्याण विभाग के सचिव ई श्रीधर को सामान्य प्रशासन विभाग के सचिव का एफएसी दिया गया है, जो एसएएम रिजवी के 31 अक्टूबर से स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति के परिणामस्वरूप है।

बागवानी और रेशम उत्पादन निदेशक एसके यास्मीन बाशा को टीजीओआईएलएफईडी के प्रबंध निदेशक का ऋ-उ दिया गया है, क्योंकि जे शंकरैया का तबादला कर दिया गया है।

आदिलाबाद जिला परिषद (जेडपी) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) जी जितेंद्र को एससीडी विशेष आयुक्त के रूप में स्थानांतरित और तैनात किया गया है, जिससे एन क्षितिज को एफएसी से मुक्त कर दिया गया है।

उन्हें वीसी और एमडी, अनुसूचित जाति सहकारी विकास निगम लिमिटेड के पद का एफएसी भी दिया गया है, क्योंकि एन क्षितिज का तबादला कर दिया गया है।

आदेशों में जोड़ा गया है कि महात्मा ज्योतिबा फुले तेलंगाना पिछड़ा वर्ग कल्याण आवासीय शैक्षिक संस्थान सोसायटी के सचिव बी सैदुलु को विशेष सचिव (फ्लैगशिप कल्याण और विकास योजनाओं के कार्यान्वयन इकाई) का ऋ-उ दिया गया है।

मुख्यमंत्री ने बाढ़ पीड़ितों के लिए 5 लाख अनुग्रह राशि की घोषणा की

हैदराबाद, 31 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने आज बाढ़ में जान गंवाने वाले पीड़ितों के शोक संतप्त परिवारों को 5 लाख प्रत्येक की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की। साथ ही, जिन परिवारों के घर डूब गए, उन्हें 15,000 प्रत्येक की सहायता राशि दी जाएगी।

उन्होंने सबसे अधिक प्रभावित परिवारों को इंदिराम्मा आवास स्वीकृत करने की भी घोषणा की, साथ ही उन लोगों के लिए विशेष सहायता देने की भी बात कही, जिन्होंने अपने पशुधन और खड़ी फसलों को खो दिया है।

रेवंत रेड्डी ने पुराने वारंगल और हुस्नाबाद विधानसभा क्षेत्रों में बाढ़ प्रभावित इलाकों का हवाई सर्वेक्षण करने के बाद अधिकारियों के साथ एक समीक्षा बैठक की।

जलवायु परिवर्तन के प्रभाव के कारण 'क्लाउड बर्स्ट' (बादल फटने) के लगातार होने के तथ्य को देखते हुए, मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि एक स्थायी समाधान की दिशा में योजनाएं बनाई जानी चाहिए और जिला कलेक्टरों और अधिकारियों को नियमित रूप से क्षेत्र निरीक्षण करना चाहिए।

बाढ़ प्रबंधन के लिए स्थायी समाधान खोजने हेतु योजनाएं तैयार करने पर जोर देते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि विभागों के बीच समन्वय की कमी स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही थी, इसलिए बाढ़ के दौरान नागरिक समस्याओं का समाधान करने के लिए सभी विभागों को मिलकर काम करना चाहिए।

अधिकारियों को 'नाला अतिक्रमण' हटाने के लिए एक अभियान शुरू करने का निर्देश देते हुए, उन्होंने कहा, बहुसंख्यक लोगों के हितों की रक्षा के लिए, अधिकारियों को स्पष्ट दृष्टि के साथ आगे बढ़ना चाहिए और अतिक्रमण हटाने के दौरान सख्त उपाय करने चाहिए।

समीक्षा के दौरान, मुख्यमंत्री ने इस बात पर भी जोर दिया कि नालों और अन्य जल निकायों पर अतिक्रमण हटाने के लिए

नगरपालिका प्रशासन और सिंचाई विभागों के बीच समन्वय होना आवश्यक है।

अधिकारियों को स्मार्ट सिटी में किए जाने वाले कार्यों पर एक विशेष रिपोर्ट तैयार करने और क्षेत्र स्तर पर एक समन्वय समिति गठित करने का निर्देश दिया गया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.